झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, शनिवार, 09 मई 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 05 | अंक -317 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

श्री धनंजय कुमार पुटूस
सांसद प्रतिनिधि रामगढ़ विधानसभा

एक सभ्य समाज की पहचान उसकी इमारतों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों और बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करता है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,44,678**
चांदी (प्रति किलो) : **2,70,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **77,328.19**
निफ्टी :- **24,176.15**

मौसम

अधिकतम तापमान : **32** °
न्यूनतम तापमान : **20** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:10**
संध्या :- **18:20**

आज का इतिहास

आज ही के दिन 2018 को सर्वोच्च न्यायालय ने ताजमहल के संरक्षण में विफलता के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की आलोचना की।

संक्षिप्त समाचार

पलामू में दीवार गिरने से दो लोगों की गई जान

पलामू: जिले के बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के पहाड़ गेरुआ गांव में मिट्टी की दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई. मृतकों में एक मकान मालिक का बेटा भी शामिल है. दोनों पानी पीने के बाद दीवार की छांव में खड़े थे. तभी मिट्टी की दीवार गिर गई. इस घटना में घर के मालिक प्रदीप रजक का बेटा सतीश कुमार और मजदूर दुखी भुईयां मिट्टी के दीवार के मलबे में दब गए. मौके पर मौजूद ग्रामीण एवं मजदूरों ने मिलकर दोनों को मलबे से बाहर निकाला. इस घटना में दुखी भुईयां की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सतीश कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे. सतीश कुमार को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

साहिबगंज में युवक पर सवार हुआ खून! दारू नहीं देने पर अधेड़ को उतारा मौत के घाट

साहिबगंजः जिले में जमीन विवाद के चलते सीताराम हेम्ब्रम उर्फ जलका हेम्ब्रम की गोली मारकर हत्या कर दी गई. हत्या का आरोप बड़ा उदाली के जेठा हेम्ब्रम पर लगा है. घटना बरहेट थाना क्षेत्र के छोटा उदाली गांव की है. पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी को पकड़ लिया है उससे पूछताछ की जा रही है. पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ और लोगों को हिरासत में लिया है. वहीं मृतक की पत्नी मीरू मरांडी ने बताया कि बड़ा उदाली के रहने वाले जेठा हेम्ब्रम के साथ उसका जमीन विवाद था. वह घर पहुंचकर दारू मांग रहा था. पति ने दारू नहीं रहने की बात कही तो उसने पिस्तौल निकालकर गोली मार दी, गोली सर के आर पार हो गई और जमीन पर गिरते ही उनकी मौके पर मौत हो गई. सूचना मिलने पर बरहेट थाना के एसआई असीम कुजूर, एएसआई अशोक कुमार सिंह पुलिस दलबल के साथ गांव पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है. घटना के बाद मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी चंदन कुमार ने भी कई लोगों से पूछताछ की है.

पानी, सफाई और टैक्स वसूली पर विभाग सख्त, प्रधान सचिव सुनील कुमार ने नगर निकायों को दिए कई अहम निर्देश

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड में बढ़ती गर्मी को देखते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग ने सभी नगर निकायों को पेयजल आपूर्ति दुरुस्त रखने का निर्देश दिया है. विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शुक्रवार को जुपमी भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में साफ कहा कि किसी भी इलाके में पेयजल संकट की स्थिति नहीं बननी चाहिए. उन्होंने जलापूर्ति से वंचित क्षेत्रों की सूची तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराने और जरूरत के अनुसार नए जलस्रोत व जलमीनार विकसित करने का निर्देश दिया.

निकायों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर जोर

इस बैठक में नगर निकायों की योजनाओं और जुडको के कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रधान सचिव ने नगर निकायों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा कि यूजर्स चार्ज और होल्डिंग टैक्स की वसूली अभियान चलाकर तेज की जाए. सरकारी और निजी संस्थानों से लंबित होल्डिंग टैक्स की वसूली के लिए समन्वय स्थापित करने को कहा गया. औद्योगिक क्षेत्रों के टैक्स संबंधी मामलों पर अलग से बैठक करने का भी निर्देश दिया गया.

नए बस स्टैंड के लिए मांगा गया प्रस्ताव

प्रधान सचिव ने कहा कि जिन नगर निकायों में बस स्टैंड नहीं हैं, वहां जल्द प्रस्ताव भेजे जाएं. पुराने बस स्टैंडों की मरम्मत और बड़े शहरों में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल यानी आईएसबीटी के निर्माण के लिए भी योजना तैयार करने को कहा गया. इसके अलावा सामुदायिक भवन, मल्टीपरपज हॉल और सड़क चौड़ीकरण की योजनाएं भी विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया.

कचरा उठाव में लापरवाह एजेंसियों को हटाने का निर्देश

स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी विभाग ने कड़ा रुख अपनाया. प्रधान सचिव ने डोर-टू-डोर कचरा उठाव की नियमित मॉनिटरिंग करने, कचरे के सही निष्पादन और पृथक्करण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. खराब प्रदर्शन करने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाने तक की बात कही गई. विशेष तौर पर रांची में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने पर जोर दिया गया.

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर जोर

उन्होंने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को प्रभावी बनाने के लिए जनजागरुकता अभियान चलाया जाए. नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का सुझाव भी दिया गया. इस बैठक में सुडा निदेशक सूरज कुमार ने खराब पड़े चापाकलों की सूची तैयार कर उनकी मरम्मत कराने का निर्देश दिया. वहीं स्वच्छ भारत मिशन के बेहतर संचालन पर भी जोर दिया गया ताकि झारखंड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सके. इस बैठक में डीएमए निदेशक नैंसी सहाय, रांची नगर निगम के नगर आयुक्त सुशांत गौरव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे.

शुभेंदु अधिकारी होंगे पश्चिम बंगाल के नये मुख्यमंत्री, अमित शाह ने लगाई मुहर

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल की शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में कोलकाता में बैठक हुई. बैठक में औपचारिक रूप से विधायक दल के नेता का चयन किया गया. बंगाल के पर्यवेक्षक बनाये गये अमित शाह ने खुद विश्वबांग्ला कन्वेंसन सेंटर में इसकी घोषणा की. 4 मई को चुनाव परिणाम आने के बाद से यह तय माना जा रहा था कि शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नये मुख्यमंत्री बनेंगे. शुभेंदु एकमात्र नेता थे, जिन्हें भाजपा ने 2 विधानसभा सीट से चुनाव के मैदान में उतारा था. उन्होंने दोनों सीटों पर जीत दर्ज की. भवानीपुर विधानसभा सीट पर ममता बनर्जी जैसी बंगाल की कद्दावर नेता को 15 हजार से अधिक मतों के बड़े अंतर से पराजित कर दिया. यह लगातार

दूसरा चुनाव था, जिसमें ममता बनर्जी को शुभेंदु अधिकारी से हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके राजनीतिक करियर का बड़ा झटका देते हुए तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया. भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार, 9 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा. इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है.

पीएलएफआई पर खूंटी पुलिस का बड़ा प्रहार, तीन हार्डकोर उग्रवादी गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची/खूंटी। उग्रवाद के खिलाफ अभियान में खूंटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. एसपी ऋषभ गर्ग के नेतृत्व में पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के तीन सक्रिय और हार्डकोर सदस्यों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान सैम्युएल गुड़िया, धीरज स्वांसी और सुनील स्वांसी के रूप में हुई है.

बड़ी घटना की रच रहे थे साजिशः पुलिस

पुलिस के मुताबिक, ये सभी उग्रवादी जंगल क्षेत्र में बैठक कर किसी बड़ी घटना की साजिश रच रहे थे. साथ ही संगठन के विस्तार और कारोबारियों से लेवी वसूली की योजना भी बनाई जा रही थी. कार्रवाई के दौरान पुलिस ने इनके पास से एक देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, पीएलएफआई के पर्चे और मोबाइल फोन बरामद किए हैं. खूंटी एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि 30 अप्रैल को कर्रा थाना क्षेत्र में हुई घटना के बाद से ही पुलिस लगातार उग्रवादियों की तलाश में अभियान चला रही थी. इसके लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था. इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर तीनों उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया. पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने मार्च महीने में एक गैस एजेंसी पर हुई फायरिंग की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है. एसपी के मुताबिक ये उग्रवादी इलाके में दहशत फैलाने और अवैध वसूली के जरिए संगठन को मजबूत करने में सक्रिय थे. उनकी गिरफ्तारी से पीएलएफआई की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा.

उग्रवादी गतिविधि नहीं किया जाएगाः एसपी

प्रेस वार्ता के दौरान जब राजेश महतो की गिरफ्तारी को लेकर सवाल पूछा गया तो एसपी ऋषभ गर्ग ने कहा कि फिलहाल वह पुलिस की पकड़ से बाहर है. लेकिन जांच में उसके नाम से जुड़े महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं. पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद है. खूंटी पुलिस ने साफ किया है कि जिले में किसी भी उग्रवादी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

गिरिडीह में बेकाबू ट्रक ने कई गाड़ियों को रौंदा, पांच की मौत, 20 घायल

झारखण्ड उजाला संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले के डुमरी थाना क्षेत्र स्थित इसरी बाजार में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया. तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने बाजार क्षेत्र में कई वाहनों और लोगों को अपनी चपेट में ले लिया. हादसे में अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं. घटना के बाद पूरे इलाके में अफरातफरी और दहशत का माहौल बन गया. कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है.

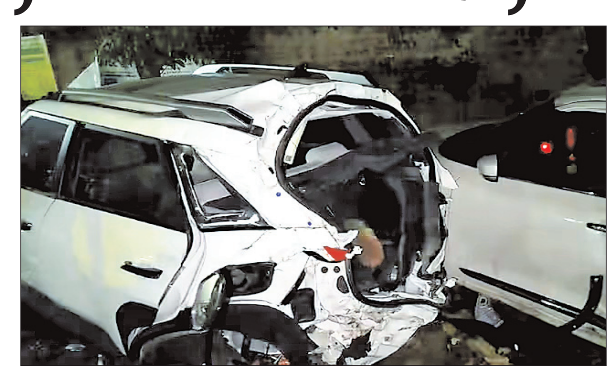

बाजार में घुसा बेकाबू ट्रक

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक काफी तेज रफ्तार में था. अचानक चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सीधे इसरी बाजार में घुस गया. ट्रक ने सड़क किनारे खड़े कई वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी. इस दौरान सड़क से गुजर रहे कई लोग भी इसकी चपेट में आ गए. हादसा इतना भयावह था कि मौके पर चीख-पुकार मच गई. दुर्घटना के बाद कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के समय बाजार में काफी भीड़ थी, जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए.

राहत और बचाव कार्य में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही डुमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया. कुछ गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पतालों में रेफर किए जाने की जानकारी सामने आई है. पुलिस ने घटनास्थल को खाली कराया और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है. साथ ही हादसे के कारणों की जांच भी की जा रही है.

इलाके में तनाव, जांच जारी

भीषण हादसे के बाद इसरी बाजार और आसपास के इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है. बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए थे. पुलिस प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है. प्रशासन की ओर से लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है. पुलिस का कहना है कि हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है और ट्रक चालक की भूमिका की भी जांच होगी. स्थानीय लोगों ने बाजार क्षेत्र में भारी वाहनों की तेज रफ्तार आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके.

जहाँ सुरक्षा है अपार, वहीं सपनों को मिलता है आकारः कल्याण विभाग के 11 विद्यालयों में हुई प्रोजेक्ट पहल की शुरूआत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उपायुक्त ने अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका विद्यालय से किया शुभारंभ,

कहा- स्वबचपन से ही शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी

लोहरदगाः उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने आज शहरी क्षेत्र स्थित अनूसचित जनजाति आवासीय बालिका विद्यालय लोहरदगा से प्रोजेक्ट पहल (प्रोटेक्शन, एजुकेशन एण्ड हेल्थ एक्शन फॉर लोहरदगा) की शुरूआत की । मौके पर उपायुक्त ने कहा कि बचपन से ही शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के देखभाल की आवश्यकता है। अगर बचपन से ही इसका अनुश्रवण किया जाए तो व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। शारीरिक और भावनात्मक रूप से व्यक्ति का मजबूत होना जरूरी है। स्वास्थ्य व कल्याण विभाग का इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आज कल्याण विभाग के सभी 11 विद्यालयों में इस प्रोजेक्ट को प्रारंभ किया जा रहा है। इसके सफल रहने पर अन्य विद्यालयों में भी इसे लागू कराया जाएगा। अगर इस प्रोजेक्ट का सफल बनाने के लिए कुछ बदलाव की आवश्यकता होगी तो उसमें बदलाव किया जाएगा। यह देश के अन्य हिस्सों में अनुकरणीय सााबित होगा। बच्चों के स्वास्थ्य की जांच के बाद उसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा सुधार के लिए बेहतर प्रयास करने में इसमें मदद मिलेगी। कठिन परिस्थितियों से आने वाले बच्चों के लिए सुरक्षात्मक वातावरण प्रदान करने के लिए आवासीय विद्यालयों को सशक्त करने में पहल कार्यक्रम अहम भूमिका निभायेगा।

स्वास्थ्य पंजी किया लॉन्च

उपायुक्त द्वारा इस अवसर पर बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य, मनोसामाजिक स्वास्थ्य,सेल्फ रिपोर्ट, हेल्थ स्कोर कार्ड समेत अन्य बिंदुओं के अनुश्रवण के लिए निर्मित स्वास्थ्य पंजी लॉन्च किया गया। उपायुक्त ने विद्यालय में आयोजित स्वास्थ्य जांच व भावनात्मक स्वास्थ्य जांच शिविर का भी निरीक्षण किया बच्चों की उंचाई, भाषा विकास, बुखार, डेंगू/मलेरिया/टाइफाइड, पेट दर्द, अपच, चर्म विकार, पेट में कृमि आदि की जांच, पढ़ाई में कठिनाई, भावनात्मक परेशानियों में अरूचि, उदासीनता, आक्रोश, आवेगता, चिडचिड़ापन आदि की जांच की गयी।

विद्यालय परिसर का किया निरीक्षण

उपायुक्त विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने पुराने आवासीय भवन को जर्जर घोषित कर विलोपित कराने, रसोई के निरीक्षण में आवश्यक साफ-सफाई कराने व मेनू के अनुसार छात्राओं को भोजन परोसे जाने का निर्देश प्राधानाध्यापिका को दिया। इस अवसर पर उपायुक्त ने विद्यालय परिसर के छात्रावास का भी निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने छात्रावास में छात्राओं के लिए आवश्यक जरूरत की सामग्रियां भी उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया। आज इस अवसर पर आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, सिविल सर्जन डॉ राजू कच्छप, जिला कल्याण पदाधिकारी सरस्वती कच्छप, जिला शिक्षा पदाधिकारी दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर, पीपीआईए फेलो, विद्यालय की प्राधानाध्यापिका प्रभावती देवी, वार्डन जिसवंती देवी, सदर अस्पताल व कल्याण अंतर्गत बसारडीह अस्पताल की स्वास्थ्य जांच टीम उपस्थित थे।

अंधी-तूफान में मकान का उड़ा एस्बेस्टस, नुकसान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः जिले के सेन्हा प्रखंड पंचायत के सुदूरवर्ती क्षेत्र में बेमौसम बारिश,ओलावृष्टि व अंधी तूफान से जनजीवन अस्त व्यस्त तेज हवाओं के कारण किसान,व्यपारी एवं दैनिक मजदूरों को भारी नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। विदित हो कि लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड में शुक्रवार दोपहर बेमौसम बारिश,तेज हवाओं और ओलावृष्टि ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया।दोपहर दो बजे के करीब शुरू हुई इस मौसमी गतिविधि से लोगों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई। गौरतलब हो कि अचानक हुए मौसम परिवर्तन का सबसे अधिक असर किसान दैनिक मजदूर के अलावे छोटे व्यवसायिक पर पड़ा है। वहीं अंधी तूफान में कोराम्बे निवासी देवदत्त तिवारी के पुत्र संतोष तिवारी एवं बिंदेश्वर साहू के पुत्र संजय साहू का नवनिर्मित मकान का एल्वेस्टर उडा और दीवार क्षतिग्रस्त हो गया। फिलहाल इस घटना में किसी का हताहत होने की सूचना नही हैं। लेकिन बेमौसम बारिश व अंधी तूफान में व्यवसाय ठप होने से उनकी आजीविका पर सीधा प्रभाव पड़ा है। जिससे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण बाजार आए लोग अपने गांवों को लौट गए। जिससे दुकानदारी पर नकारात्मक असर पड़ा और फसल नुकसान हो रहा है।

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में नॉन फायर कुकिंग गतिविधि आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़।श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में कक्षा 2 के विद्यार्थियों द्वारा नॉन फायर कुकिंग गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में नन्हे विद्यार्थियों ने बिना आग का प्रयोग किए स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजन तैयार किए। विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ बिस्कुट सैंडविच बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शेफ की आकर्षक टोपी एवं एप्रन धारण कर अपनी प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण अत्यंत मनमोहक एवं उत्साहपूर्ण बन गया। सभी विद्यार्थी रसोईया की पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए, जिन्होंने सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने स्वच्छता, पोषण एवं सुरक्षित भोजन बनाने का संदेश भी दिया। सभी विद्यार्थी अपने साथ नमकीन बिस्कुट का एक छोटा पैकेट, कटी हुई प्याज, कटा हुआ खीरा, सेव भुजिया, टोमेटो सॉस,पेपर प्लेट और नैपकिन लेकर आए थे। वे अपने साथ पहनने के लिए रसोई वाला एप्रन और टोपी भी लेकर आए थे। विद्यालय के प्राचार्य श्री हरजाप सिंह जी ने ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सहयोग की भावना विकसित करती हैं। शिक्षकों ने भी बच्चों के उत्साह और प्रस्तुति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान श्री परमदीप सिंह कालरा तथा विद्यालय प्रबंधक समिति के सम्माननीय सदस्य–सरदार मनमोहन सिंह लांबा,सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, सरदार सुरिंदर पाल सिंह चंडोक, सरदार कुलजीत सिंह कालरा, सरदार वरिंदर सिंह चंडोक, सरदार गुरप्रीत सिंह जॉली, सरदार नरेंदर पाल सिंह गुजराल, सरदार पुषविंदर पाल सिंह, सरदार गुरदीप सिंह सैनी, सरदार सतिंदर सिंह होरा, सरदार विक्रमजीत सिंह कोहली, सरदार गुरप्रीत सिंह चाना, सरदार रमन बेदी और सरदार करमजीत सिंह जग्गी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत निजी स्वास्थ्य संस्थानों की कार्य प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। शुक्रवार को सिविल सर्जन कार्यालय सभागार, रामगढ़ में सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) के अंतर्गत जिले के निजी स्वास्थ्य संस्थानों की कार्य प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सिविल सर्जन ने निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्गत सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले मरीजों का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) कार्ड बनाना अनिवार्य है तथा स्वास्थ्य संस्थानों में इससे संबंधित आईईसी गतिविधियों का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। सिविल सर्जन ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से संबंधित भारत सरकार के पोर्टल पर सभी निजी अस्पतालों का पंजीकरण कराना आवश्यक है। उन्होंने निजी स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक जानकारियां समय पर उपलब्ध कराएं। बैठक में उपस्थित राज्य स्तरीय टीम द्वारा जानकारी दी गई कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत पंजीकृत सभी सरकारी एवं गैर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का डाटा पूरी तरह सुरक्षित एवं गोपनीय रखा जाता है। टीम द्वारा बताया गया कि जिस प्रकार अन्य क्षेत्रों में डिजिटलीकरण के माध्यम से सेवाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाया गया है, उसी प्रकार स्वास्थ्य सेवाओं को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर आमजनों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना भारत सरकार का उद्देश्य है। बैठक के दौरान राज्य स्तरीय टीम एवं जिला प्रशासन द्वारा निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व, आभा कार्ड निर्माण एवं पोर्टल पंजीकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कार्यों में तेजी लाने एवं निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूर्ण करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. उदय शंकर श्रीवास्तव ने निजी स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। बैठक में राज्य स्तरीय टीम से डॉ. रंजन सिन्हा, कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफिसर, ABDM, एवं यश नंदे, बिजनेस एनालिस्ट (आईटी), ABDM उपस्थित थे। वहीं जिला स्तर से जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. उदय शंकर श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, केयर एचएमआईएस के प्रतिनिधि तथा जिले के विभिन्न निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिला कल्याण पदाधिकारी से मिले समाजसेवी पियूष चौधरी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

अध्ययनरत छात्र छात्राओं को समय पर छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने की किया आग्रह

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा के समाजसेवी पियूष चौधरी ने रामगढ़ जिला के जिला कल्याण पदाधिकारी से मिलकर क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को समय पर छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने का आग्रह किया। पूर्व में आजसू छात्र संघ द्वारा पूरे राज्य में छात्रवृत्ति को लेकर लगातार आंदोलन किया था। जिसके परिणामस्वरूप आज लगभग 8824 छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिला है। वहीं अभी भी लगभग 9000 छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति से वंचित हैं। हम आपके माध्यम से सरकार से मांग करते हैं कि शेष सभी छात्र-छात्राओं को भी जल्द से जल्द छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनकी पढ़ाई बाधित न हो। मौके पर आजसू छात्र संघ जिला अध्यक्ष देवा महतो, युवा आजसू जिला सह संयोजक नितिश निरला, मनोज महतो, विभावि छात्र संघ प्रभारी शिवम मिश्रा, नगर सचिव निरज मंडल, युवा आजसू प्रभारी विशु रजवार, चितरपुर प्रभारी कुणाल कुमार महतो, युवा आजसू प्रभारी मंजित भोक्ता, शिवम पिल्लई, अनमोल पासवान, रोहित महतो मौजूद थे

पलाश बहुभाषी कार्यक्रम के तहत जिले के पहले स्कूल म्यूज़ियम सह पुस्तकालय का हुआ उदघाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः जिले में पलाश बहुभाषी शिक्षा (MLE) कार्यक्रम के तहत जिले के पहले स्कूल म्यूज़ियम सह पुस्तकालय का राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कुटमू में भव्य उद्घाटन किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में यह एक अभिनव एवं रचनात्मक पहल है, जिसका उद्देश्य बच्चों को उनकी मातृभाषा, स्थानीय संस्कृति एवं परिवेश से जोड़ते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करना है।इस विशेष पहल को जिला शिक्षा विभाग, Language and Learning Foundation (LLF) एवं Hindalco के सहयोग से विकसित किया गया है। उद्घाटन समारोह में वक्ताओं ने कहा कि यह म्यूज़ियम बच्चों को देखो-छुओझ समझो (Experiential Learnin̆) की पद्धति के माध्यम से सीखने का अवसर देगा। स्थानीय वस्तुओं, पारंपरिक ज्ञान एवं समुदाय से जुड़ी सामग्री बच्चों के सीखने को अधिक प्रभावी एवं अर्थपूर्ण बनाएगी। विद्यालय में स्थापित पुस्तकालय बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने, साझा पठन (Shared Reading), कहानी सुनाने एवं चित्र पुस्तकों के माध्यम से उनकी कल्पनाशीलता और भाषा कौशल को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विशेष रूप से यह पहल छोटे बच्चों के Foundation Learning (FLN) को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। इस नवाचार को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु शिक्षकों एवं BRP-CRP के लिए School Museum एवं Storytelling Festival पर विशेष ओरिएंटेशन सत्र भी आयोजित किया गया था। इस शुभ अवसर पर जिले के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से सुंदा दास (DEO, लोहरदगा), अभिजीत कुमार (DSE, लोहरदगा), अनिल उरांव (अध्यक्ष, नगर परिषद) एवं दीप्ति राय (वार्ड पार्षद) शामिल थे। सभी अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर स्कूल म्यूज़ियम सह पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त प्राचार्य किशोर कुमार वर्मा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष एवं Hindalco की ओर से विद्यालय के विकास हेतु भविष्य में भी आर्थिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया। Hindslco की ओर से CSR Hesd नीरज कुमार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस पहल के सफल क्रियान्वयन में LLF की State Manager पल्लवी शा एवं State Project Manager मो. वलीउल्लाह के मार्गदर्शन में पूरी टीम की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाओं–रश्मि खेस, निधि सिन्हा एवं सुनीति कुजूर के साथ-साथ LLF टीम के निखिल कुमार (DPC), अर्णव पराग (DAC) एवं कंचन भगत (DAC) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह में LLF, Hindalco एवं मीडिया जगत के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। अंत में विद्यालय प्रबंधन एवं अतिथियों ने समुदाय से अपील की कि वे इस म्यूज़ियम एवं पुस्तकालय का नियमित उपयोग एवं संरक्षण सुनिश्चित करें, ताकि यह बच्चों के सीखने, सोचने, खोजने और अपनी संस्कृति से जुड़ने का एक जीवंत एवं प्रेरणादायी केंद्र बना रहे।

श्री श्री 1008 रुद्र महायज्ञ प्राण प्रतिष्ठा पांचवें दिन सफलतापूर्वक संपन्न

रामगढ़।नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 26, कैथा स्थित महादेव मंडा मंदिर निर्माण समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री श्री 1008 रुद्र महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा सह शिव परिवार यज्ञ का पांच दिवसीय आयोजन गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।पांच दिनों तक बनारस से आए विद्वान आचार्यों द्वारा वेद मंत्रों के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। यज्ञ के अंतिम दिन भव्य भंडारे एवं भक्ति जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।समिति अध्यक्ष राजेश कुमार महतो ने बताया कि इस महायज्ञ का आयोजन लगातार पांच दिनों तक किया गया और अंतिम दिन विशाल भंडारा तथा भक्ति जागरण का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधानसभा की पूर्व विधायक श्रीमती सुनीता चौधरी एवं मांडू विधानसभा के विधायक श्री निर्मल महतो (तिवारी महतो) उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर भक्ति जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।इस अवसर पर श्रीमती सुनीता चौधरी ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन से क्षेत्र में शांति, सुख और समृद्धि का वातावरण बनता है। वहीं विधायक श्री तिवारी महतो ने कहा कि ऐसे यज्ञ से सामाजिक एवं धार्मिक एकता मजबूत होती है तथा वे आयोजन समिति को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन देते हैं।भक्ति जागरण कार्यक्रम में झारखंड के प्रसिद्ध गायक शालिनी दुबे,दलजीत सिंह दीवाना, नित्या सिंह एवं धनबाद के भक्ति गायकों द्वारा भक्ति संगीत की प्रस्तुति दी गई। साथ ही झारखंड के प्रसिद्ध झांकी कलाकार राजू हलचल एवं उनके समूह द्वारा आकर्षक भक्ति झांकी प्रस्तुत की गई,जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।समिति के कोषाध्यक्ष सह वार्ड पार्षद देवधारी महतो ने बताया कि कैथा महादेव मंडा मंदिर का निर्माण उत्तराखंड के केदारनाथ धाम के प्रारूप पर किया गया है। इस भव्य मंदिर को देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे यह मंदिर पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मंदिर में आकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन करें और पुण्य लाभ प्राप्त करें।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार महतो,सचिव राजकुमार महतो, कोषाध्यक्ष देवधारी महतो संरक्षक सुदर्शन महतो,राधा महतो, मुकेश महतो, सचिन महतो,संजय करमाली,माधव करमाली,चुन्नीलाल महतो, सत्येंद्र कुमार,सरवन कुमार, रामप्रकाश महतो,संदीप महतो,अजय आस्था,अमित कुमार सहित सैकड़ों महिला-पुरुष एवं ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में योगीता को रखने से किया था इंकार

रामगढ़ जिला में टॉप-9 में जगह बनाकर अपने गांव, स्कूल और जिला का नाम रोशन किया :- रमेश कुमार महतो

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने बताया कि रामगढ़ जिला के छोटकीडुंडी पंचायत अंतर्गत कपरफूटुवा गांव निवासी रामू महतो एवं रीना देवी की पुत्री योगिता कुमारी ने इंटरमीडिएट कला संकाय परीक्षा में 445 अंक यानी 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे रामगढ़ जिला में टॉप-09 में स्थान हासिल किया है। योगिता की सफलता संघर्ष, मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक मिसाल बनकर सामने आई है। बताया गया कि करीब दो वर्ष पूर्व किसी कारणवश वह लगभग डेढ़ माह तक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मांडू से अनुपस्थित रही थी। जिसके बाद विद्यालय की वार्डन/प्रिंसिपल ने उसे पुनः रखने से इंकार कर दिया था। इस मामले में परिजनों ने रमेश कुमार महतो से संपर्क किया जिन्होंने विद्यालय वार्डन /प्रिंसिपल से बातचीत कर बच्ची को पुनः विद्यालय में रखने हेतु आग्रह किया। उन्होंने बच्ची की आर्थिक स्थिति और ग्रामीण पृष्ठभूमि को देखते हुए उसकी पढ़ाई जारी रखने की अपील की थी। आज उसी प्रयास और योगिता की कड़ी मेहनत का परिणाम है कि उसने जिला स्तर पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर अपने परिवार, गांव और विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर रमेश कुमार महतो ने योगिता के घर पहुंचकर उसे बधाई दी तथा भविष्य में शिक्षा संबंधी हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मौके पर मांडू प्रखंड महासचिव दीपक महतो, कार्यकारिणी सदस्य बिहारी महतो, मिडिल स्कूल छोटकीडुंडी के सहायक आचार्य शिक्षक धर्मेंद्र महतो, सहायक अध्यापक शत्रुघ्न महतो, संतोष महतो सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

वर्षो से उपेक्षा और जर्जर अवस्था का दंश झेल रहा खीरी मठ अब फिर से अपनी पहचान और अस्तित्व पर आया

गोला मठवाटाँड खीरी बौद्ध मठ में स्थापित हुआ भगवान बुद्ध की प्रतिमा

रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड के बनतारा मठवाटाँड स्थित ऐतिहासिक खीरी बौद्ध मठ में शुक्रवार को भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा स्थापना के साथ एक नए अध्याय की शुरूआत हुई। वर्षों से उपेक्षा और जर्जर अवस्था का दंश झेल रहा खीरी मठ अब फिर से अपनी पहचान और अस्तित्व प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। प्रतिमा स्थापना को लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह और उल्लास का माहौल रहा गांव से लेकर आसपास के इलाकों तक श्रद्धालुओं में खास उत्सुकता देखी गई। बौद्ध संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रमुख केंद्र रहा खीरी मठ समय के साथ अपनी चमक खोता चला गया था। लेकिन अब भगवान बुद्ध की प्रतिमा स्थापना के साथ इस ऐतिहासिक धरोहर के पुनर्जीवन की उम्मीदें जाग उठी हैं। लोगों का मानना है कि यह केवल प्रतिमा स्थापना नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत और गौरव को पुनः स्थापित करने का प्रयास है। कार्यक्रम के बाद यहां नियमित पूजा-अर्चना, धर्मचर्चा एवं सामाजिक सद्भाव से जुड़े आयोजन शुरू किया गया। इससे आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर से जुड़ने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन, बोधगया के भंते विनाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुआ। वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता कार्यक्रम में भाग लिऐ खीरी बौद्ध मठ समिति ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस ऐतिहासिक कदम की सराहना किया। समिति के सदस्यो ने सुबह से शाम तक डटे रहे भगवान बुद्ध की प्रतिमा का स्थापना किया।

पतरातू स्टेशन रोड बाजार टांड बेबी कनेक्शन में लगी भीषण आग, लाखों के कपड़े एवं जूते जल के खाक

पतरातूः पतरातू स्टेशन रोड बाजार टांड बेबी कनेक्शन कपड़े की दुकान में लगी भीषण आग देखते देखते ही आग से सारे कपड़े जल के खाक हो गए आग इतनी भयानक थी कि लोग दूर तक आग की चपटे को देख सकते थे। लोगों का कहना था कि आंधी तूफान के बाद बिजली कटी हुई थी यह आग आसमानी बिजली के कड़क शॉर्ट सर्किट हुआ। और देखते देखते तीन तल्ला बिल्डिंग में जिसमे कपड़े औ? जूते के दूकान थे तीनों तल्ले बिल्डिंगों में आग फैल गई आग इतनी भयानक थी कि आसमान तक धुँआ देखा गया आग की खबर फैलते ही काफी संख्या में लोग जुड़ गऐ लेकिन आग इतनी भयानक थी कि लोग हिम्मत नहीं जुटा पाए तुरंत एनटीपीसी पीवीयूएनएल अधिकारियों को फोन किया गया अधिकारियों ने भी तुरंत एक्शन लेते हुए फायर ब्रिगेड को भेजा। फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचते ही तुरंत सबसे पहले नीचे ताल्ले पर लगी आग पर काबू पाया जिससे लोगों ने काफी राहत महसूस किया। अगर एनटीपीसी फायर ब्रिगेड की टीम समय रहते नहीं पहुंचती तो धीरे-धीरे अगल-बगल के दुकानों में भी आग फैल सकती थी लेकिन एनटीपीसी के फायर ब्रिगेड टीम ने तुरंत पहुंच कर आग पर काबू पाया कुछ देर बाद जिंदल स्टील पावर लिमिटेड,अल्ट्राटेक सीमेंट की फायर ब्रिगेड टीम एवं झारखंड सरकार की फायरिंग बीग्रेट टीम भी मौके पर पहुंची इधर एनटीपीसी के अधिकारी भी सतर्क थे और पाल-पाल का जायजा ले रहे थे। इस आग में किसी की जान माल कोई छती नहीं पहुंची सिर्फ लाखों के कपड़े एवं जूते जल के खाक हो गया समाचार लिखे जाने तक फायर ब्रिगेड की टीम पूरी तरह आपको बुझाने में लगे हुए थे।

जल संकट पर गंभीर चिंतन: पद्मश्री उमा शंकर पांडे ने समाज को आगे आने का किया आह्वान, कहा- इस तरह से करें जल संरक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। खेत में मेड़, मेड़ पर पेड़ अभियान के जरिए जल संरक्षण में ख्याति पानेवाले पद्मश्री उमा शंकर पांडे ने झारखंड के लोगों से पानी को बचाने की अपील की है. जल संरक्षण आधारित एक कार्यक्रम में शिरकत करने रांची पहुंचे पदमश्री उमाशंकर पांडे ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड झरनों का प्रदेश है जो देश को बहुत कुछ देता है, संस्कृति देता है, जल देता है, खनिज देता है इस वजह से यह पूजनीय है. उन्होंने कहा कि पानी को बचाना समाज का काम है. पानी सुख में, दुख में, उत्सव में और दंड में काम आता है. आज जो परिस्थिति है उसमें समाज को मिलकर इसे बचाना होगा. पद्मश्री उमा शंकर पांडे ने झारखंड के लोगों से पानी बचाने की अपील की है. जल संरक्षण पर केंद्रित एक कार्यक्रम में शामिल होने रांची पहुंचे

जल सुरक्षा को लेकर सुजलाम झारखंड 2026 सम्मेलन

उमा शंकर पांडे ने कहा कि झारखंड झरनों का प्रदेश है, जो देश को संस्कृति, जल और खनिज देता है. इसलिए यह पूजनीय है. उन्होंने मीडिया से बातचीत में जोर देते हुए कहा, ह्लपानी को बचाना समाज का काम है. पानी सुख में, दुख में, उत्सव में और दंड में काम आता है. आज की परिस्थिति में समाज को मिलकर पानी बचाना होगा.

दुनिया और भारत दोनों में जल संकट, चेन्नई-बेंगलुरु-दिल्ली उदाहरण

उमा शंकर पांडे ने चिंता जताते हुए कहा कि जल संकट केवल भारत की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक है. दुनिया का पहला शहर कैपटाउन जहां पानी पूरी तरह खत्म हो गया, वह पहला और आखिरी नहीं है. भारत में चेन्नई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहर पहले ही जल संकट से जूझ रहे हैं. जल संरक्षण के लिए उन्होंने व्यावहारिक सुझाव दिए. कहा कि खेत का पानी खेत में और घर का पानी घर में रहना चाहिए. किसानों से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, ह्लखेत में जरूर मेड़ बनाएं और मेड़ पर पेड़ अवश्य लगाएं, इससे वर्षा जल संरक्षित होगा.ह्व

रात में करें पटवन, मिट्टी और पानी दोनों बचेंगे

उमा शंकर पांडे ने अपील की कि पटवन (सिंचाई) दिन में नहीं बल्कि रात में करें. उनका मानना है कि ह्लखेत की मिट्टी खेत में रहे, गांव का पानी तालाब में रहे और जंगल का पानी जंगल में रहे.ह्व उन्होंने छोटे-छोटे उपायों पर भी जोर दिया. कहा कि सब्जी धोने का गंदा पानी पेड़ों में डाल दें तो पानी संरक्षित हो जाएगा. उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति को जीवन में एक लाख लीटर पानी की जरूरत होती है, लेकिन हम उसे बर्बाद कर देते हैं.

एक भी जल आधारित विश्वविद्यालय नहीं होना चिंताजनक

उमा शंकर पांडे ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि देश में केजी से पीजी तक 28 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं, 1212 विश्वविद्यालय और 45 हजार डिग्री कॉलेज हैं, लेकिन जल आधारित एक भी विश्वविद्यालय भारत में या पूरी दुनिया में नहीं है. न कोई वॉटर म्यूजियम है, न पानी की पाठशाला और न ही वाटर लाइब्रेरी. पानी की लिटरेसी भी नहीं है. बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची के कुलपति डॉ. एस.सी. दूबे ने भी वर्षा जल संरक्षण पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि खेतों में जहां निचला हिस्सा हो, वहां सामुदायिक प्रयास से जल संग्रहण की व्यवस्था करें. इससे सिंचाई का साधन उपलब्ध होगा और मिट्टी का कटाव भी रुकेगा. कुलपति ने सलाह दी कि वर्षा का पानी न जमीन के अंदर जाने दें और न नदियों में बहने दें. बंजर भूमि पर महुआ, आम और लीची जैसे पेड़ लगाने चाहिए, क्योंकि ये वाटर रिचार्ज के बड़े माध्यम हैं.

उत्पाद सिपाही पेपर लीक मामला : 159 अभ्यर्थियों को कोर्ट से मिली जमानत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। उत्पाद सिपाही पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए 159 अभ्यर्थियों को कोर्ट से जमानत मिल गई है. अपर न्यायुक्त योगेश कुमार की अदालत ने मामले में सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था. शुक्रवार को 159 अभ्यर्थियों को जमानत प्रदान कर दी गई. झारखंड में हुए उत्पाद सिपाही परीक्षा के दौरान पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए 159 अभ्यर्थियों को शुक्रवार को जमानत मिल गई. अपर न्यायुक्त योगेश कुमार की अदालत में आरोपितों को 20-20 हजार रुपए का बेल बांड भरने का आदेश दिया है. मामले में कई अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट अविनाश पांडे ने बेल पर बहस किया और उनका पक्ष मजबूती से रखा. अदालत में यह बताया गया कि अभ्यर्थियों को जो पेपर मिले थे, उसमें परीक्षा में आए प्रश्न पत्रों में से दो-तीन प्रश्नों के

अलावा कोई भी प्रश्न पत्र मैच नहीं कर रहा था. इससे यह सिद्ध होता है कि मामले में 159 अभ्यर्थी दोषी नहीं है. गौरतलब है कि पेपर लीक मामले में 166 आरोपितों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया था.

पेपर लीक के साक्ष्य नहीं - अविनाश पांडेय

झारखंड सिविल कोर्ट के वरीय अधिवक्ता अविनाश पांडे ने बताया कि न्यायालय ने यह पाया कि पुलिस के द्वारा जो दस्तावेज पेश किए गए थे, जो 650 पन्नो का था, उसमें यह कहीं भी जिक्र नहीं था कि क्वेश्चन पेपर पत्र लीक हुआ है. केस डायरी में भी ऐसी किसी भी बात का जिक्र नहीं किया गया है. अधिवक्ता अविनाश पांडे ने बताया कि ऐसे में यह नहीं माना जा सकता था कि प्रश्न पत्र लीक किया गया है. इसी आधार पर 159 अभ्यर्थियों को जमानत प्रदान की गई है. अदालत में सभी जमानत पाने वाले अभ्यर्थियों को निर्देश दिया है कि उनका जमानत देने वाले लोग, उनके रिश्तेदार ही हो, साथी ही हो, हर पेशी पर वे लोग अदालत में जरूर पेश हो. रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र के रडगांव स्थित अर्धनिर्मित नर्सिंग कॉलेज में 11 अप्रैल को पुलिस की टीम ने छापेमारी की थी.

भाषा विवाद : वित्त मंत्री के नेतृत्व में बनी समिति, अनुशंसा पर निर्णय लेगी सरकार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा से भोजपुरी, मगही और अंगिका को हटाए जाने से उठे विवाद को शांत करने के लिए हेमंत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. इसके तहत राज्य सरकार ने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा नियमावली में विभिन्न जिलों के लिए निर्धारित भाषा संबंधी मामलों पर विचार/अध्ययन करने के पश्चात नियमावली में जनजातीय/क्षेत्रीय भाषा को सम्मिलित या विलोपित करने के बिंदु पर अनुशंसा करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर के नेतृत्व में बनाने का फैसला किया है. कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इस कमेटी में श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र

प्रसाद और नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार को शामिल किया गया है. इस अधिसूचना के अनुसार समिति की बैठकों के लिए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को नोडल की जिम्मेदारी दी गई है. सरकार के उप सचिव ब्रज माधव के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना के अनुसार समिति यथाशीघ्र अपना प्रतिवेदन राज्य सरकार को समर्पित करेगी.

झारखंड मैथिली भाषा संघर्ष समिति ने किया स्वागत

झारखंड मैथिली भाषा संघर्ष समिति ने इसका स्वागत किया है. मैथिली भाषा संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक अमरनाथ झा ने कहा कि सरकार द्वारा गठित समिति के समक्ष हमलोग मांग रखेंगे. संघर्ष समिति का स्पष्ट रुप से मानना है कि झारखंड में द्वितीय राजभाषा में मान्य सभी भाषाओं को शिक्षक पात्रता परीक्षा में मान्यता मिलनी चाहिए, इससे किसी भी भाषा के साथ अन्याय नहीं होगा. उन्होंने कहा कि मैथिली भाषा-भाषी झारखंड के प्रत्येक जिले में रहते हैं जिनकी संख्या लाखों में है ऐसे में हम सरकार के समक्ष समिति के माध्यम से जोरदार ढंग से तथ्यों के साथ बातों को रखेंगे.

रांची के टाटीसिलवे और नामकुम स्टेशनों पर खड़ी रहीं ट्रेनें, अनगड़ा में प्राकृतिक आपदा के बाद रेल यातायात ठप

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। राजधानी रांची समेत आसपास के इलाकों में शुक्रवार दोपहर अचानक आए मौसम में बदलाव और तेज आंधी ने रेल यातायात को बुरी तरह प्रभावित किया है. अनगड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रांची-मुरी डाउन रेलवे लाइन पर एक विशाल सखुआ (साल) का पेड़ उखड़कर ट्रैक पर गिर गया. इस प्राकृतिक बाधा के कारण इस महत्वपूर्ण रेल खंड पर ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह से बाधित हो गया, जिससे रेलवे प्रशासन और यात्रियों के बीच अफरातफरी की स्थिति बनी रही. रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने की घटना उस समय हुई जब कई महत्वपूर्ण ट्रेनें इस मार्ग से गुजरने वाली थीं. सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेलवे ने तत्काल प्रभाव से कई ट्रेनों को बीच के स्टेशनों पर ही रोक दिया. प्राप्त जानकारी के अनुसार, रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस, मौर्य एक्सप्रेस, धनबाद इंटरसिटी और साप्ताहिक गोरखपुर एक्सप्रेस इस अवरोध के कारण सबसे अधिक

प्रभावित हुई हैं. इन ट्रेनों के रुकने से हजारों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. मार्ग अवरुद्ध होने के चलते रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर गरीब रथ और अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों को खेरवाकोचा, गंगाघाट, नामकुम और टाटीसिलवे जैसे छोटे रेलवे स्टेशनों पर खड़ा कर दिया है. रेल अधिकारियों ने बताया कि जब तक ट्रैक को पूरी तरह से साफ नहीं कर लिया जाता और ओएचई तारों की जांच नहीं हो जाती, तब तक सिग्नल ग्रीन नहीं किया जाएगा. घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के इंजीनियरिंग और तकनीकी विभाग की टीम कटर मशीनों और जरूरी उपकरणों के साथ अनगड़ा के लिए रवाना हो गई है.

रांची में शनिवार को आरटीई को लेकर अहम बैठक, सभी निजी स्कूलों के प्राचार्य होंगे हाजिर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। राजधानी में जिले के सभी निजी विद्यालयों के प्राचार्यों और अधिकृत प्रतिनिधियों के लिए शनिवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है. जिला प्रशासन की ओर से शिक्षा का अधिकार अधिनियम से संबंधित मुद्दों पर यह बैठक बुलाई गई है. बैठक शनिवार 9 मई को सुबह 11:30 बजे रांची विश्वविद्यालय स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित होगी. बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी करेंगे.

जिले के सभी निजी विद्यालयों को शामिल होने के निर्देश जारी

बैठक में जिले के सभी निजी विद्यालयों को शामिल होने का निर्देश दिया गया है. इसमें CBSE, ICSE, JAC एवं अन्य बोर्ड से संबद्ध निजी विद्यालय शामिल हैं. प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि सभी विद्यालयों के प्राचार्य अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि

की उपस्थिति अनिवार्य होगी. बैठक में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों का पंजीकरण 11 बजे से शुरू होगा. इसके लिए सभी स्कूल प्रबंधन को समय पर पहुंचने को कहा गया है.

शिक्षा का अधिकार अधिनियम से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा

बैठक में शिक्षा का अधिकार अधिनियम से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी. इसमें निजी विद्यालयों में आरटीई के तहत नामांकन, नियमों के पालन, शैक्षणिक प्रक्रिया और प्रशासनिक समन्वय जैसे विषय शामिल रहेंगे. जिला प्रशासन की ओर से निजी विद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा सकते हैं. बताया गया है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है. इसी क्रम में यह बैठक आयोजित की जा रही है ताकि सभी निजी विद्यालयों के साथ समन्वय बनाकर आरटीई से संबंधित प्रक्रियाओं को व्यवस्थित किया जा सके. बैठक को लेकर निजी विद्यालयों के बीच भी तैयारी शुरू हो गई है. कई स्कूल प्रबंधन इसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक मान रहे हैं, क्योंकि इसमें आगामी शैक्षणिक सत्र और आरटीई व्यवस्था से जुड़े अहम विषयों पर चर्चा होने की संभावना है.

पूर्व रेलवे की कमाई में झारखंड आगे, टॉप-20 में देवघर, जसीडीह, मधुपुर, साहिबगंज रेलवे स्टेशन शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। पूर्व रेलवे की वित्तीय वर्ष 2025-26 की आधिकारिक आय रिपोर्ट में झारखंड के कई रेलवे स्टेशनों ने शानदार प्रदर्शन किया है. खास तौर पर जसीडीह जंक्शन ने अनारक्षित और आरक्षित टिकट आय की दोनों श्रेणियों में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है. रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के चार प्रमुख स्टेशन टॉप-20 स्टेशनों में शामिल हुए हैं. इससे झारखंड में लगातार बढ़ रही रेल यात्रियों की संख्या और धार्मिक पर्यटन की बढ़ती गतिविधियों का असर साफ नजर आ रहा है. अनारक्षित टिकट यानी वळर आय के मामले में जसीडीह जंक्शन पूरे पूर्व रेलवे में पांचवें स्थान पर रहा. स्टेशन ने वर्ष 2025-26 में 46.7 करोड़ रुपये से अधिक की आय दर्ज की. रेलवे अधिकारियों का मानना है कि बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं,

रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों और लंबी दूरी की ट्रेनों के बेहतर संचालन का इसका सीधा असर पड़ा है. वहीं आरक्षित टिकट यानी ढफर आय में भी झारखंड के कई स्टेशन टॉप-20 में जगह बनाने में सफल रहे हैं. जसीडीह जंक्शन 110 करोड़ रुपये से अधिक की आय के साथ छठे स्थान पर रहा. इसके अलावा मधुपुर स्टेशन 25.7 करोड़ रुपये से ज्यादा की आय के साथ 12वें स्थान पर पहुंचा. देवघर स्टेशन ने 13.9 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करते हुए 17वां स्थान हासिल किया, जबकि साहिबगंज स्टेशन 8.6 करोड़ रुपये से ज्यादा की आय के साथ 19वें स्थान पर शामिल रहा.

मुरी स्टेशन पर विकास कार्य के चलते ट्रैफिक और पावर ब्लॉक, कई ट्रेन रद्द समेत कुछ का बदला रूट

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल अंतर्गत मुरी स्टेशन पर विकास कार्य के कारण ट्रैफिक तथा पावर ब्लॉक लिया जा रहा है. इसके चलते 8 और 9 मई को कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा. रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है. रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, विभिन्न एक्सप्रेस और मेमू ट्रेनों को अस्थाई रूप से रद्द किया गया है जबकि एक ट्रेन का आंशिक समापन और आंशिक प्रारंभ गोमो स्टेशन से किया जाएगा. इस बदलाव का असर रांची, हटिया, बोकारो, खड़गपुर और आदित्यपुर रूट पर यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों पर पड़ेगा. रेलवे की ओर से बताया गया कि ट्रेन संख्या 18602/18601 हटिया-आदित्यपुर-हटिया एक्सप्रेस, 18036/18035 हटिया-

खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस, 18085/18086 रांची-खड़गपुर-रांची एक्सप्रेस, 58033/58034 बोकारो स्टील सिटी-रांची-बोकारो स्टील सिटी मेमू, 58663/58664 हटिया-सांकी-हटिया मेमू तथा 58665/58666 हटिया-सांकी-हटिया मेमू को 8 और 9 मई को रद्द रखा जाएगा.

बर्द्धमान-हटिया-बर्द्धमान मेमू का परिचालन भी प्रभावित

इसके अलावा ट्रेन संख्या 13503/13504 बर्द्धमान-हटिया-बर्द्धमान मेमू का परिचालन भी प्रभावित रहेगा. यह ट्रेन दोनों दिनों में गोमो स्टेशन तक ही चलेगी यानी गोमो से हटिया और हटिया से गोमो के बीच इस ट्रेन का परिचालन रद्द रहेगा.

यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना मुख्य उद्देश्य

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, मुरी स्टेशन पर चल रहे विकास कार्य यात्रियों को भविष्य में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं. पटरियों और सिग्नल प्रणाली को मजबूत करने के साथ-साथ स्टेशन के परिचालन को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है.

विकास कार्य और सुरक्षा मानकों के बाद पावर ब्लॉक

रांची मंडल की सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह ने कहा कि मुरी स्टेशन पर आवश्यक विकास कार्य और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया गया है. यात्रियों की सुरक्षा और बेहतर रेल परिचालन के लिए यह कार्य जरूरी है. यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट NTES या हेल्पलाइन से ट्रेन की अद्यतन जानकारी अवश्य प्राप्त कर सकते हैं. रेलवे प्रशासन ने कहा है कि ब्लॉक अवधि समाप्त होने के बाद ट्रेनों का परिचालन सामान्य कर दिया जाएगा.

हाई लेवल कमिटी प्रारंभिक जांच कर आवश्यक दस्तावेज लेकर लौटी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। ट्रेजरी से वेतन मद में फर्जी निकासी की जांच के लिए बोकारो गई उच्चस्तरीय टीम प्रारंभिक जांच पूरी करने और आवश्यक दस्तावेज लेने के बाद वापस रांची लौट गई है. प्रारंभिक जांच के दौरान उच्चस्तरीय जांच समिति ट्रेजरी और एसपी कार्यालय के अकाउंट्स सेक्शन गई. साथ ही जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए दस्तावेज लिए. बोकारो जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक दस्तावेज जांच समिति को सौंप दिए. दस्तावेज की जांच के बाद समिति एक बार और बोकारो जाएगी. उच्चस्तरीय समिति के अनुसार पुलिस और प्रशासन द्वारा बिल तैयार करने की प्रक्रिया में थोड़ा अंतर है. समिति ने बिल तैयार करने और निकासी की प्रक्रिया से संबंधित Flow Chart देखा. जांच के दौरान समिति ने आवश्यक्तानुसार संबंधित पक्ष के अधिकारियों से

जानकारी भी ली. बोकारो से लिए गए दस्तावेज की जांच पुलिस मैनुअल, ट्रेजरी कोड, फाइनांस रूल के प्रावधानों के मद्देनजर की जायेगी. उच्चस्तरीय समिति ने स्थापना, डीडीओ कोड से जुड़े बैंक आकाउंट, Payee ID से, अकाउंटेंट सहित सभी आवश्यक दस्तावेज जिला प्रशासन से लिया. नियमों के आलोक में जांच के दौरान जरूरत पड़ने पर जिला प्रशासन से दस्तावेज की मांग की जाएगी. समिति के सारे सदस्य जांच के लिए आज बोकारो गए थे. बोकारो जिला प्रशासन, पुलिस, ट्रेजरी सहित जिला प्रशासन के दूसरे अधिकारी जांच के दौरान उपस्थित रहे.

झारखंड में अभी बदला-बदला रहेगा मौसम का मिजाज, कई जिलों में बारिश, वज्रपात और तेज हवा का अलर्ट, गर्मी से राहत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। झारखंड में अभी मौसम का मिजाज बदला बदला रहेगा. 8 मई को राज्य के कई हिस्सों में आंशिक बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है. रांची स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी इलाकों को छोड़कर राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम का असर देखने को मिल सकता है. कई जिलों में गरज-चमक, वज्रपात और तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की गई है.

इन इलाकों में बारिश, वज्रपात और तेज हवा का अलर्ट

मौसम केंद्र के पूवार्नुमान के मुताबिक, 8 मई को राज्य के

उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी और मध्य हिस्सों में कहीं-कहीं तेज गर्जन के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है. इसके साथ ही वज्रपात की भी आशंका जताई गई है. जिन जिलों पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है उनमें धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी और जामताड़ा शामिल हैं. इसके अलावा दुमका, देवघर, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जैसे उत्तर-पूर्वी जिलों में भी मौसम का असर देखने को मिल सकता है. राज्य के दक्षिणी हिस्सों में सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों में भी बादल छाने और बारिश की गतिविधियां बढ़ने के संकेत हैं. मौसम केंद्र ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है. खुले मैदान, पेड़ और बिजली के खंभों के पास जाने से बचने की अपील की गई है. किसानों और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है.

9 और 10 मई को कैसा रहेगा मौसम

आने वाले दिनों की बात करें तो 9 और 10 मई को भी झारखंड के कई हिस्सों में बारिश और तेज हवा का दौर जारी रह सकता है. 9 मई को राज्य के अधिकांश हिस्सों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने और वज्रपात की संभावना है. वही दक्षिणी और मध्य जिलों में कहीं-कहीं तेज हवाएं 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं.

11 मई को भी बदला रहेगा मौसम

11 मई तक राज्य में आंशिक बादल छाए रहने और अलग-अलग इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी रहेगी. मौसम केंद्र का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में बहुत बड़ा बदलाव नहीं होगा, हालांकि बाद के दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है. झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान मौसम का मिजाज अपेक्षाकृत नरम बना रहा. मौसम केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया हालांकि पलामू प्रमंडल में गर्मी का असर सबसे ज्यादा देखने को मिला.

बुंडू के सुमानडीह में पेंशन व मंईया सम्मान योजना सत्यापन अभियान तेज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

बुंडू। प्रखंड अंतर्गत सुमानडीह ग्राम पंचायत सचिवालय में मुखिया अंजना देवी के नेतृत्व में तीन दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ शुक्रवार 08 मई से किया गया। जों 11 मई को समापन होगा। इंदिरा गांधी पेंशन योजना एवं मंईया सम्मान योजना के लाभुकों के भौतिक सत्यापन हेतु शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर के प्रथम दिन इंदिरा गांधी पेंशन योजना के कुल 92 पेंशनधारियों का भौतिक सत्यापन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। वहीं मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत 129 लाभुकों का सत्यापन किया गया। सत्यापन कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए पंचायत सहायक, मोबिलाइजर एवं

आंगनबाड़ी सेविकाएं मौजूद रहीं। इस अवसर पर सुमानडीह पंचायत की मुखिया अंजना देवी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभुकों तक पहुंचे। इसके लिए भौतिक सत्यापन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर पारदर्शिता के साथ कार्य किया जा रहा है ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े। उन्होंने सभी लाभुकों से समय पर सत्यापन कराने की अपील भी की। मुखिया ने बताया कि सुमानडीह पंचायत वासियो के लिये शिविर 08 मई, 09 मई एवं 11 मई तक आयोजित किया जाएगा, ताकि पंचायत क्षेत्र के सभी लाभुक आसानी से अपना सत्यापन करा सकें।

झामुमो नगर कमेटी की बैठक में बुथ कमेटी जल्द गठन करने की चर्चा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

वार्ड पार्षद एवं पार्षद पति ने थामा झामुमो का दामन!

बरहरवा/साहिबगंज ।झामुमो जिला कमेटी के निदेर्शानुसार शुक्रवार कों बरहरवा नगर पंचायत के कुशवाहा टोला स्थित आर बी प्लेस बरहरवा में झामुमो नगर कमेटी की एक बैठक की गई. जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने किया. बैठक मे मुख्य रूप से एसआईआर व बीएलए प्रशिक्षण एवं बुथ कमेटी कों लेकर चर्चा किया गया. मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, युवा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी, जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु, जिला सचिव सुरेश टुडू, केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा, शक्तिनाथ अमन सहित अन्य उपस्थित थे. इस दौरान मंच का संचालन करते हुए झामुमो जिला उपाध्यक्ष संजीव सामू हेंब्रम ने वार्ड बार सभी बीएलए की उपस्थिति देखी व कई दिशा निर्देश दिया. झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी ने कहा की हमलोगो कों संगठन कों और भी मजबूत करने की जरुरत हैं. उन्होंने कहा की हर हाल मे नगर पंचायत क्षेत्र के सभी 14 वार्ड मे 14 मई तक बूथ कमिटी का गठन कर इसकी सूची जिला कमिटी कों सौपे. उन्होंने बूथ कमिटी मे महिलाओं कों भी चयन करें चुकी महिलाओं की समाज मे महत्वपूर्ण भूमिका रहती हैं. बूथ कमिटी गठन के लिये सभी वार्ड के लिये पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया जिसमे शक्तिनाथ अमन, धर्मवीर कुमार महतो, मो इकबाल व बप्पन कुमार एवं नीलकंठ साहा,कों शामिल किया गया. बैठक के दौरान सरकार की कार्यशैली से प्रेरित होकर शक्ति नाथ अमन के नेतृत्व में नगर पंचायत क्षेत्र के एक वार्ड पार्षद सहित कई वार्ड पार्षद के प्रतिनिधियों ने झामुमो पार्टी का दमन थामा. जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने पार्टी का गमछा ओड़ाकर स्वागत किया. जिसमें जितेंद्र स्वर्णकार, बम बम महतो, धर्मेंद्र कुमार साह, शकील परवेज, शामिल है ! बैठक में झामुमो मो0 इकबाल हुसैन, शाबाश महतो, जहरूल शेख, बपन कुमार, शिवकुमार कुशवाहा, कमलजीत शर्मा, वरुण कुमार मंडल, गुलजार शेख, दिलीप कुमार शाह, सुशील सेन, उज्जवल दास,अमन शर्मा, नीरज महतो, जीवन सेन, आसिफ इकबाल, सरवन कुमार, आदित्य कुमार, छोटू कुशवाहा, सहीत सैकड़ो झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में डॉक्टर की मनमानी 11 बजे तक अल्ट्रासाउंड में डॉक्टर रहे नदारद

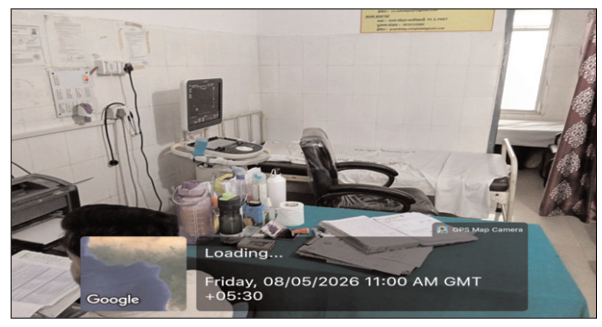

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। जिले के बड़े सदर अस्पताल में डॉक्टर की मनमानी थमने की नाम नहीं ले रही है.जहां आए दिन डॉक्टर अपने समय पर अस्पताल पहुंचकर अपने कर्तव्य से पीछे हट रहे हैं जिसके चलते मरीजों को काफीपरेशानियों का सामना करना पड़ रहा है के वही कसमअल्ट्रासाउंड में एक बार फिर डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी समय का पालन नही कर रहे है। इसके चलते अल्ट्रासाउंड जांच के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं को भेखे पेट पड़ता है। शुक्रवार को 11 बजे अल्ट्रासाउंड कक्ष में डॉक्टर व स्वास्थ कर्मी नही थे। कुर्सी खाली रहा। हालांकि इस दौरान एक कंप्यूटर ऑपरेटर मौजूद थे। वही मरीजो ने बताया कि एक एएनएम आई थी उनलोगों का नम्बर लगाया गया है। इसके बाद एएनएम कही निकल गई। मरीजो का आरोप है कि करीब दो घण्टा से बैठे रहे। लेकिन डॉक्टर साहब नही है। इसमे आधा से ज्यादा मरीज गर्भवती महिलाएं है। लेकिन डॉक्टर नदारद रहने के चलते गर्भवती महिलाओं को भूखा रहना पड़ा। इसके चलते ग्रमीण क्षेत्रो से मरीज व उसके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सोनू कुमार एवं अंकुश कुमार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कुश्ती सेंटर, रांची के लिए चयनित

साहिबगंज ।झारखंड खेल प्राधिकरण, रांची, झारखंड सरकार द्वारा मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खेल गांव में संचालित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कुश्ती बालक वर्ग के लिए खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर साहेबगंज के होनहार बालक राष्ट्रीय खिलाड़ी सोनू कुमार एवं अंकुश कुमार का चयन किया गया है। दोनों खिलाड़ियों को रांची रवाना होने के पूर्व रेलवे स्टेशन पर जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष ने शुभकामना देकर रवाना किया। मौके पर खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर के कोच प्रकाश सिंह बादल, सचिव नमिता कुमारी समेत कई खिलाड़ी मौजूद थे ।ज्ञातब्य हो खेल विभाग द्वारा संचालित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कुश्ती सेंटर रांची में खिलाड़ियों को पौष्टिक आहार, आवासन एवं उच्च स्तरीय कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज में 20वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

साहिबगंज ।शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज में 20वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र की प्रमुख डॉ. सुप्रिया सिंह द्वारा वर्ष 2025-26 में किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया तथा वर्ष 2026-27 की कार्य योजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया ।बैठक में साहिबगंज जिले के कृषि, पशुपालन, भूमि संरक्षण, उद्यान, नाबार्ड, JSLPS, JTDS, RSETI के पदाधिकारी, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक उपस्थित थे ।इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा वर्ष 2026 हेतु साहिबगंज जिले की आकस्मिक योजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विचार-विमर्श उपरांत योजना को परिष्कृत किया गया, जिससे जिले के कृषकों के समग्र विकास एवं कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने में सहायता मिल सके।

साहिबगंज ईदगाह में कमेटी गठन को लेकर बवाल, दो पक्षों में मारपीट

साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेडियम रोड स्थित ईदगाह में शुक्रवार को नई कमेटी के गठन के दौरान दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना के बाद दोनों पक्षों ने जिरवाबाड़ी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है ।एक पक्ष की ओर से एकरा कॉलोनी मजहर टोला निवासी नसीमा खानम ने आवेदन देकर आरोप लगाया कि ईदगाह में नई कमेटी गठन को लेकर बैठक चल रही थी। इसी दौरान कुछ नामजद लोग सुनियोजित तरीके से लाठी-डंडा और धारदार हथियार लेकर उनके घर पहुंचे और उन पर तथा उनके पुत्र-पुत्री पर हमला कर घायल कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से पूर्व वार्ड पार्षद निजामुद्दीन ने भी थाना में आवेदन देकर बताया कि ईदगाह में कमेटी गठन की प्रक्रिया चल रही थी, जिसमें वह पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। इसी दौरान कुछ लोगों के साथ विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपित लोगों ने उनके और उनके पुत्र के साथ मारपीट की ।घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इधर, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस पूरे मामले की जांच और छानबीन में जुटी हुई है।

सड़क दुर्घटना में एक युवक हुआ गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज जिरवाबाडी थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया घायल युवक को परिजनों ने इलाज के लिए गुरुवार की रात सदर अस्पताल में भर्ती कराया अस्पताल में चिकित्सक मुकेश कुमार ने इलाज प्रारंभ कर दिया बताया जा रहा है कि जिरवाबाडी थाना अंतर्गत चानन गांव निवासी अजय लाल पासवान के पुत्र रितेश पासवान (25) है. वे किसी काम को लेकर बाइक में सवार होकर जिरवाबाडी थाना के तरफ आया हुआ था. अचानक दूसरे तरफ से गाड़ी का लाइट आंखों पर लगने से रितेश पासवान के बाइक अनियंत्रित हो गया और बाइक पलट जाने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया घायल के सिर में गंभीर चोट आई है बरहाल घायल का इलाज सदर अस्पताल में किया गया।

सदर अस्पताल के डेंटल विभाग के डॉक्टर 11:30 तक रहे नदारत,मरीज परेशान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। सदर अस्पताल में अजीम विडंबना चल रही है. जहां कभी मरिज सरकारी अस्पताल पर भरोसा जताते हैं तो डॉक्टर अपने कर्तव्य से अपने पालन से पीछे हट जाते हैं जिसके चलते मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. जिसके चलते सदर अस्पताल आए दिन सुर्खियों में बनी रहती है. वही डेंटल विभाग में शुक्रवार को 11:20 बजे तक डेंटिस्ट के इंतजार में मरीज बैठे रहे। हालांकि डॉक्टर नदारद थे। इसके चलते मरीजो को काफी परेशानी हुई। इस दौरान सिर्फ एक डेंटक हाईजेनिक के भरोसे डेंटल विभाग चलता रहा। जबकि डॉक्टर नही थे। इलाज के लिए शहर के बाटा रोड स्थित तालाब स्कूल के पास की रहने वाली महिला कंचन देवी इलाज के लिए पहुची। लेकिन डेंटिस्ट नही रहने पर उन्हें काफी देर इंतजार करना पड़ा। महिला का आरोप है कि वे दांत का इलाज कराने के लिए आई है। लेकिन यहां एक भी डॉक्टर नही है। सिर्फ एक डेंटल हाईनेजिक है। जानकारी के मुताबिक डेंटल विभाग में तीन डेंटिस्ट है।इसमें डॉ. भारती कुमारी व डॉ. सागरिका छुट्टी पर गई है। जबकि डॉ. देवजीत राम का ड्यूटी है। लेकिन वो भी नदारद रहे। दरअसल सीएस सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवा को सुधारने के लिए काफी मशक्कत कर रहे है। इसके बावजूद कुछ डॉक्टर सीएस के निर्देश का कोई पालन नही कर रहे है। इसके चलते मरीजो को इसका खामियाजा भूगतना पड़ रहा है। इधर 12 बजे के बाद डेंटिस्ट डॉ. देवजीत के आने के बाद मरीजो का इलाज शुरू हुआ। इससे मरीजो ने राहत की सांस ली है। इधर अस्पताल मैनेजर अमन पांडे ने बताया कि इस मामला में जानकारी इकट्ठा कर मामले की जांच की जाएगी।

पांच दिन से धरने पर बैठे लोगों में बढ़ रही है नाराजगी, कहा ये आर या पार की लड़ाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज ।शेरशाहबाद ी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर बरहरवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में जारी अनिश्चितकालीन महाधरना शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। लगातार पांच दिनों से धरनास्थल पर डटे समुदाय के लोगों में प्रशासन की चुप्पी और उदासीन रवैये को लेकर भारी आक्रोश देखा गया।

धरना स्थल पर बड़ी संख्या में समुदाय के छात्र, युवा एवं बुजुर्ग शामिल हुईं। आंदोलनकारियों ने ह्लहक दो या कुर्सी छोड़ोह्व, ह्लप्रशासन की तानाशाही नहीं चलेगीह्व, ह्लशेरशाहबादी समाज का अपमान बंद करोह्व, ह्लहमारा हक हमें दोह्व जैसे नारों के साथ प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया।

धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पांच दिनों से शांतिपूर्ण आंदोलन चलने के बावजूद जिला और अंचल प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है। प्रशासन की यही चुप्पी अब समाज के गुस्से को और भड़का रही है। इस बार समाज निर्णायक लड़ाई के मूड में है। अगर शांतिपूर्ण ढंग से हमारी मांगों को तवज्जो नहीं दी गई तो अपने हक अधिकार को लेने के लिए जो भी हथकंडे अपनाना पड़े, हम पीछे नहीं हटेंगे ।मुखिया मो. इश्तियाक ने प्रशासन के तर्कों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अंचल प्रशासन यह कहकर पल्ला झाड़ रहा है कि खतियान में शेरशाहबादी जाति दर्ज नहीं है, इसलिए प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। यह तर्क पूरी तरह तथ्यहीन और गैर-जिम्मेदाराना है। बिहार और पश्चिम बंगाल में भी किसी के खतियान में शेरशाहबादी जाति दर्ज नहीं है, क्योंकि यह पहचान अंतिम सर्वे सेटलमेंट के बाद मंडल आयोग और सच्चर कमेटी की अनुशंसा के दौरान परिभाषित हुई। ऐसे में खतियान में इसका उल्लेख होना संभव ही नहीं है ।उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार और झारखंड सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा जारी विभिन्न गजट और दिशा-निर्देशों के अनुसार शेरशाहबादी समुदाय को प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना चाहिए। बिहार और पश्चिम बंगाल में आज भी स्थानीय जांच के आधार पर प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है, जबकि झारखंड में भी वर्ष 2012 तक यही प्रक्रिया लागू थी। फिर अचानक इसे बंद करना समझ से परे है ।वहीं तोफाइल शेख ने प्रशासन को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द हमारी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज होगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अब शेरशाहबादी समाज अपने अधिकार के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है ।धरना स्थल पर अजमाईल शेख, वसीम अकरम, मो. जावेद, जहीर शेख, आफताब आलम, शोएब आलम सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

बरहेट में जमीन विवाद में गोली मारकर हत्या, 45 वर्षीय सीताराम हेम्ब्रम की मौके पर मौत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज ।बरहेट थाना क्षेत्र के छोटा उदाली गांव स्थित चांदू टोला में गुरुवार देर रात गोलीबारी की घटना में 45 वर्षीय जलका हेम्ब्रम उर्फ सीताराम हेम्ब्रम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत और मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है ।ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे गोली चलने की आवाज सुनाई दी। बताया जा रहा है कि जमीन विवाद को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद बरहेट थाना पुलिस रात करीब एक बजे गांव पहुंची और शव को कब्जे में लेकर थाना लाई। बाद में पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। मृतक की पत्नी मिरु मरांडी ने आरोप लगाया है कि जेठा हेम्ब्रम ने उसके पति को गोली मारी है। उन्होंने बताया कि आरोपी रात में घर पहुंचा और दारू मांगने लगा। दारू नहीं होने की बात कहने पर आरोपी ने उसके पति के कान के पास गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई ।मृतका की पत्नी ने यह भी बताया कि करीब तीन माह पहले आरोपी ने पति-पत्नी को जान से मारने की धमकी दी थी। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, बरहेट थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और घटना के सभी पहलुओं की छानबीन कर रही है।

पश्चिमी प्राणपुर के एक प्रवासी मजदूर की मुंबई के पुणे में आम तोड़ने के दौरान करेंट के चपेट में आने से मौत

उधवा/साहिबगंज। राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी प्राणपुर पंचायत के कोयश टोला गांव के एक प्रवासी मजदूर की मुंबई के पुणे में आम तोड़ने के दौरान करेंट के चपेट में आने से मौके पर झुलस कर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत पश्चिमी प्राणपुर पंचायत के कोयश टोला निवासी मोफजुल शेख के 35 वर्षीय पुत्र सहबुद शेख करीब चार महीने पूर्व रोजगार की तलाश में मुंबई शहर गया था। वे पुणे में आम का कारोबार करता था। वही शुक्रवार को वहां के व्यक्ति ने अपने बगीचे से आम तोड़ने के लिए ले गया था। वे पेड़ पर चढ़ कर आम तोड़ रहा था। आम तोड़ने वाला सामग्री लोहे का बना हुआ था। पेड़ के ऊपर से हाईटेंशन तार गुजर रहा था। इसी दौरान लोहे से बना सामग्री हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया,जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उधर घटना की सूचना वहां की पुलिस थाने को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद शव को पेड़ से उतारा। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक ओन3 पीछे दो बच्ची व भरा परिवार छोड़ दुनिया से अलविदा कह गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि मुंबई से हवाई मार्ग के द्वारा शव कोलकाता लाया जाएगा ।इसके बाद कोलकाता से एंबुलेंस के जरिए शव पैतृक आवास लाने की प्रक्रिया की जा रही है।

बंद पड़े हजारों ट्रकों का परिचालन शुरू करने की मांग.. लोहरदगा गुमला ट्रक ऑनर

लोहरदगाः एसोसिएशन लोहरदगा गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन ने आज लोहरदगा उपायुक्त कार्यालय को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि हिंडाल्को कंपनी में चलने वाले हजारों बॉक्साइट ट्रक पिछले 3 माह से हेसल से कमले (बड़की चाँपी)स्टेशन की सड़क की समस्या को लेकर लगातार परिचालन बाधित हो रहा था, किंतु इस वक्त पिछले एक सप्ताह से हजारों ट्रको का परिचालन पूरी तरह ठप्प है, जिसके कारण प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष रूप से लगभग चालीस से पचास हजार लोगों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है क्योंकि ट्रक ही लोहरदगा गुमला ,लातेहार जिलों की लाइफ लाइन है, हजारों ट्रक मालिक, चालक, उपचालक, लोडर ,अनलोडर, गैरज ,मिस्त्री, टायर दुकान, पेट्रोल पंप, पार्टस दुकान ,होटल ,चाय दुकान से लेकर पूरा बाजार ऊपर पाट, बनारी ,बिशनपुर, आदर ,घाघरा सेन्हा,लोहरदगा ,चंदवा बुरी तरह प्रभावित है, हिंडाल्को कंपनी का कहना है कि हेसल अनलोडिंग में बॉक्साइट रखने की जगह नहीं है क्योंकि हेसल से कमले (बड़की चाँपी)स्टेशन में माल शिफ्टिंग स्थानीय सड़क की समस्या को लेकर कार्य बंद है ,जब तक मसले का हल नहीं होता है तब तक ट्रकों का परिचालन बंद रहेगा, इसलिए उपायुक्त महोदय से यह मांग की गई है की समस्या का समाधान करने की कृपा की जाए ताकि हजारों लोगों की रोजी-रोटी चल सके . बंदी के कारण सरकार को भी प्रतिदिन करोड़ों रुपए की राजस्व हानि हो रही है .ज्ञापन की प्रतिलिपि अनुमंडल पदाधिकारी लोहरदगा, पुलिस अधीक्षक महोदय लोहरदगा, माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड एवं एसोसिएशन के संरक्षक सह पूर्व राज्यसभा सांसद माननीय धीरज प्रसाद साहू जी को भी दी गई है

संत उर्सलाइन अस्पताल के नर्सिंग स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस का भव्य आयोजन किया गया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा : इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, लोहरदगा इकाई द्वारा चेयरमैन डॉ. गणेश प्रसाद के नेतृत्व में संत उर्सलाइन अस्पताल के नर्सिंग स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानव सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता, आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन चिकित्सा सहायता के प्रति लोगों को जागरूक करना था ।कार्यक्रम की शुरूआत संत उर्सलाइन अस्पताल के नर्सिंग स्कूल की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत से हुई। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) विषय पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं एवं प्रतिभागियों को हृदय गति रुकने जैसी आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार और जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी गई ।कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन डॉ. सिस्टर आइलिन कुजूर, सचिव अरुण राम, कोषाध्यक्ष राहुल कुमार, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण कुमार एवं रंजीत कुमार साहू, नर्सिंग स्कूल के शिक्षिका सिस्टर मंगला, सिस्टर दिव्या सिस्टर गोरेती उपस्थित रहे ।चेयरमैन डॉ. गणेश प्रसाद ने विचार व्यक्त करते हुए बतलाया कि आज अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि मानवता, सेवा और समर्पण के मूल्यों को याद करने का अवसर है। रेड क्रॉस की स्थापना का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के पीड़ित मानवता की सेवा करना है। हमारे देश और समाज में आज स्वास्थ्य जागरूकता एवं आपदा प्रबंधन की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। ऐसी परिस्थिति में रेड क्रॉस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आज आयोजित सीपीआर प्रशिक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी व्यक्ति की अचानक हृदय गति रुक जाने पर सही समय पर दी गई सहायता उसका जीवन बचा सकती है। मैं सभी छात्राओं और प्रतिभागियों से आग्रह करता हूं कि इस प्रशिक्षण को केवल ज्ञान तक सीमित न रखें, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर समाज के लिए उपयोगी बनें। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और रेड क्रॉस इसी भावना का प्रतीक है। वाइस चेयरमैन डॉ. सिस्टर आइलिन कुजूर ने विचार व्यक्त करते हुए बतलाया कि अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस हमें यह संदेश देता है कि सेवा, करुणा और सहानुभूति से ही समाज को बेहतर बनाया जा सकता है। नर्सिंग क्षेत्र से जुड़े छात्र-छात्राओं के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि सेवा भाव उनके जीवन का आधार है। मरीजों की देखभाल केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसमें संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण भी आवश्यक है ।आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम से छात्राओं को आपातकालीन चिकित्सा सहायता के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी मिली है। मुझे विश्वास है कि वे भविष्य में समाज और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। सचिव अरुण राम ने विचार व्यक्त करते हुए बतलाया कि रेड क्रॉस संस्था पूरे विश्व में मानव सेवा का एक मजबूत उदाहरण है। इसके संस्थापक का जन्म आज के ही दिन सन 1828 को जिनेवा में हुआ था उन्होंने मानव पीड़ा को कम करने के लिए जो कार्य शुरू किया, वह आज वैश्विक आंदोलन बन चुका है। हमारा उद्देश्य लोगों में जागरूकता पैदा करना है। स्वास्थ्य, स्वच्छता, रक्तदान, प्राथमिक उपचार और आपदा प्रबंधन जैसे विषय समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। आज सीपीआर प्रशिक्षण के माध्यम से छात्राओं को जीवन रक्षा का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। यह ज्ञान किसी भी व्यक्ति के लिए उपयोगी है। मैं सभी प्रतिभागियों से अपील करता हूं कि सीखी गई जानकारी को समाज में भी साझा करें। इन्होंने नर्सिंग स्कूल की छात्राओं को शिविर लगाकर रक्तदान करने का अपील भी किया। कोषाध्यक्ष राहुल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बतलाया कि आज के सफल आयोजन के लिए मैं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, लोहरदगा इकाई की ओर से सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, संत उर्सलाइन अस्पताल प्रबंधन, नर्सिंग स्कूल की छात्राओं एवं उपस्थित प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। विशेष धन्यवाद चेयरमैन डॉ. गणेश प्रसाद, वाइस चेयरमैन डॉ. सिस्टर आइलिन कुजूर एवं सचिव अरुण राम को, जिनके मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आशा है कि भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सेवा और जागरूकता का संदेश फैलता रहेगा।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के दिये निर्देश

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राजस्व एवं भू-अर्जन विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में म्यूटेशन, भूमि सीमांकन, परिशोधन, ई-रेवेन्यू कोर्ट, जीएम लैंड, भू-अर्जन तथा आपदा से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई।समीक्षा के क्रम में उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने लंबित म्यूटेशन आवेदनों पर गंभीरता व्यक्त करते हुए सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समयसीमा के भीतर आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करें। विशेष रूप से 90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया।साथ ही म्यूटेशन रिजेक्ट होने के कारणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा सक्सेशन म्यूटेशन मामलों में भी तेजी लाने को कहा गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि कोई भी लाइन विभाग किसी भी सरकारी कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व संबंधित अंचलाधिकारी से भूमि संबंधी एनओसी अवश्य प्राप्त करे। बिना एनओसी के किसी प्रकार का कार्य प्रारंभ नहीं किया जाए। बैठक में मोटर ट्रेनिंग स्कूल हेतु उपयुक्त भूमि चयन करने का निर्देश अंचलाधिकारियों को दिया गया। वहीं आपदा से संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन करने एवं सहायता प्रदान करने से पूर्व सभी दस्तावेजों का समुचित सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रधान एवं परगनैत के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए रिक्त पदों को शीघ्र भरना आवश्यक है। गोचर भूमि पर अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि गोचर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराना संबंधित अंचलाधिकारी की जिम्मेदारी है। साथ ही जीएम लैंड के डिमार्केशन कार्य में तेजी लाने तथा परिशोधन मामलों में सुधार कर निष्पादन की गति बढ़ाने का निर्देश दिया गया।बैठक में उपायुक्त ने भू-अर्जन से संबंधित कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की। विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया।समीक्षा के दौरान एनएच-333अ धरमपुर मोड़झपाकुड़ परियोजना में तेजी लाने का निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिन मौजों में मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वहां निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को लंबित मामलों की नियमित सुनवाई कर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त सड़क निर्माण विभाग की विभिन्न परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुआवजा भुगतान प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि प्रभावित रैयतों को समय पर मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए संबंधित मौजों में लगातार शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि लंबित मामलों का त्वरित समाधान हो सके।उन्होंने संबंधित अंचल अधिकारियों एवं राजस्व कर्मियों को आपसी समन्वय एवं सहयोग के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं समयबद्ध होनी चाहिए। विकास परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन के लिए भूमि अधिग्रहण कार्यों में तेजी लाना अत्यंत आवश्यक है।बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, सीआई एवं राजस्व कर्मी उपस्थित थे।

विश्व रेडक्रास दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

सिंदरी /धनबाद।विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद ने दो ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया। प्रथम कैंप व्यवहार न्यायालय स्थित मध्यस्ता केंद्र में आयोजित किया गया। इसमें 17 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। तत्पश्चात भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद में विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर पदेन उपाध्यक्ष सह अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे ने केक काट कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। जहां भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के दो सदस्यों ने रक्तदान किया।वहीं एक अन्य कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद के कार्यकारिणी की बैठक पदेन उपाध्यक्ष सह अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में आयोजित की गई।मौके पर अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे के साथ चेयरमैन श्री कौशलेंद्र कुमार सिंह, वाईस चेयरमैन श्री धनेश्वर महतो, कार्यपालक दंडाधिकारी सह सहसचिव श्री रवींद्रनाथ ठाकुर, कार्यकारिणी सदस्य श्री कुमार मधुरेन्द्र सिंह, श्री देवेंद्र कुमार, श्री दिलीप सिंह, बेनजीर परवीन, श्वेतांबरा पाठक, आशीष अग्रवाल, डॉ जिम्मी अभिषेक, रणजीत सिंह, सौरभ सिंह, ललिता चौहान, लीला माजी, ब्रिजेन्द्र सिंह, रवि श्रीवास्तव सहित भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद के अन्य सदस्य एवं युको बैंक कोर्ट मोड़ शाखा प्रमुख डॉ उपेंद्र कुमार व मधु कुमारी उपस्थित रहीं।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबागः जिलावासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रभावी निष्पादन को लेकर उपायुक्त श्री हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया गया।

जनता दरबार के दौरान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से भू-अर्जन एवं मुआवजा भुगतान, अनुकम्पा नियुक्ति,भू-राजस्व, पेंशन, आवास, रोजगार, एनटीपीसी मुआवजा तथा ऑनलाइन रसीद से संबंधित मामले शामिल थे।

उपायुक्त ने उपस्थित सभी फरियादियों की समस्याओं को एक-एक कर गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों की समुचित जांच करते हुए शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

इस दौरान एक दिव्यांग व्यक्ति के रुके हुए पेंशन से संबंधित मामले पर उपायुक्त ने तत्काल सभी अड़चनों को दूर करते हुए पेंशन चालू करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे का निर्देश दिया।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के दिये निर्देश

जनता दरबार में सुनी गई शिकायतें, सभी आवेदनों पर जांचोपरांत शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक- एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।इसके अलावा जनता दरबार में पीडीएस दुकान, सड़क निर्माण, फुटबॉल मैदान से ट्रांसफार्मर हटाने, आवास, जमीन विवाद सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कई आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त हुईं। उपायुक्त ने सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की भौतिक जांच कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि शिकायतों के निष्पादन की प्रक्रिया प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सके।

सिंदरी राधे कृष्ण मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस धूमधाम से मनाई गया

सिंदरी/धनबाद।शहरपुरा मीरा मोहन धाम स्थित राधे -कृष्ण मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया । डॉ भाष्कर झा . पं अमर झा . पं मुरारी और पं हरिशचंद्र मिश्रा ने विधि विधान से भगवान कृष्ण और राधे की पूजा संपन्न करवाई ।वही पहली वर्षगांठ के अवसर वृन्दावन से आए पंडितों द्वारा विधिवत पूजन सम्पन हुआ ।यज्ञ का आयोजन भाजपा नेता गौरव वक्ष उर्फ लक्की सिंह व उनकी पत्नी अंजली सिंह के द्वारा किया गया।इसके साथ वनारस से आए पंडित द्वारा संध्या आरती व भजन संध्या का आयोजन किया गया।इसके साथ विशेष विद्युत संध्या सज्जा को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचें। इस अवसर पर संस्थापक इंद्रमोहन सिंह .अमर सिंह .विमल सिंह .बसंत सिंह .गौरव हल्दर .जय प्रकाश सिंह .धर्मेंद्र सिंह .राजीव पांडेय ने भी आरती और हवन में भाग लिया । अपराह्न भजन संध्या हुआ । जीसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने आनंद लिया ।अंत में भंडारा का आयोजन हुआ । हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया ।

भूमि हस्तांतरण मामलों की समीक्षा को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

बगैर सूचना के मीटिंग में अनुपस्थित रहने पर सिविल सर्जन एवं जिला कृषि पदाधिकारी को शोकॉज

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू

मेदिनीनगर (पलामू)
उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में भूमि हस्तांतरण से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा को लेकर जिले के सभी अंचल अधिकारियों (सीओ) एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा सरकारी परियोजनाओं एवं संस्थानों की स्थापना हेतु लंबित भूमि हस्तांतरण प्रस्तावों की बिंदुवार समीक्षा की गयी।इस दौरान उपायुक्त श्री शेखावत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि हस्तांतरण से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए ताकि विकास योजनाओं एवं जनहित परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने लंबित मामलों में आ रही बाधाओं को आपसी समन्वय से शीघ्र दूर करने पर बल दिया।बैठक में 132/33 के.वी. पांकी ग्रिड स्टेशन स्थापना से संबंधित मामले की भी समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने पांकी अंचल अधिकारी, अपर समाहर्ता एवं संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से बैठकर मामले का शीघ्र समाधान निकालने का निर्देश दिया, ताकि परियोजना को आगे बढ़ाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।इसके अलावा प्रमंडलीय स्तरीय हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स साइंस सेंटर की स्थापना हेतु भूमि चयन पर भी चर्चा हुई।उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जीएलए कॉलेज के आसपास उपयुक्त भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।बैठक में स्वास्थ्य एवं कृषि से जुड़े जमीन के मामले सिविल सर्जन एवं कृषि पदाधिकारी के अनुपस्थित रहने के कारण रिव्यू नहीं हो पाया। इस पर उपयुक्त ने बगैर सूचना दिए बैठक में अनुपस्थित रहने पर दोनों पदाधिकारी को शोकॉज करने की बात कही।बैठक में अस्पताल विस्तार, साइंस सेंटर, आवासीय भवन, एफएसटीपी प्लांट, एग्रो प्रोसेसिंग हब समेत विभिन्न योजनाओं हेतु भूमि उपलब्धता एवं हस्तांतरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई तथा सभी लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।मौके पर पुलिस अधीक्षक,वन प्रमंडल पदाधिकारी,अपर समाहर्ता समेत अन्य मौजूद रहे।

अंधी-तूफान में मकान का उड़ा एस्बेस्टस, नुकसान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

लोहरदगाः जिले के सेन्हा प्रखंड पंचायत के सुदूरवर्ती क्षेत्र में बेमौसम बारिश,ओलावृष्टि व अंधी तूफान से जनजीवन अस्त व्यस्त तेज हवाओं के कारण किसान,व्यपारी एवं दैनिक मजदूरों को भारी नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

विदित हो कि लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड में शुक्रवार दोपहर बेमौसम बारिश,तेज हवाओं और ओलावृष्टि ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। दोपहर दो बजे के करीब शुरू हुई इस मौसमी गतिविधि से लोगों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई। गौरतलब हो कि अचानक हुए मौसम परिवर्तन का सबसे अधिक असर किसान दैनिक मजदूर के अलावे छोटे व्यवसायिक पर पड़ा है। वहीं अंधी तूफान में कोराम्बे निवासी देवदत्त तिवारी के पुत्र संतोष तिवारी एवं बिंदेश्वर साहू के पुत्र संजय साहू का नवनिर्मित मकान का एल्वेस्टर उडा और दीवार क्षतिग्रस्त हो गया। फिलहाल इस घटना में किसी का हताहत होने की सूचना नही हैं। लेकिन बेमौसम बारिश व अंधी तूफान में व्यवसाय ठप होने से उनकी आजीविका पर सीधा प्रभाव पड़ा है। जिससे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण बाजार आए लोग अपने गांवों को लौट गए। जिससे दुकानदारी पर नकारात्मक असर पड़ा और फसल नुकसान हो रहा है।

ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल, लोहरदगा में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

लोहरदगा : लोहरदगा के एकागुड़ी स्थित ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल में विद्यालय परिसर के चारों ओर हरियाली बढ़ाने एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी वर्गों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विद्यालय की बाउंड्री किनारे आम के पौधे लगाए।
कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा पौधों की पूजा एवं संरक्षण की शपथ के साथ की गई। छोटे-छोटे बच्चों ने अपने हाथों से आम के पौधे लगाकर यह संदेश दिया कि ह्लएक पेड़ सौ सुखों का आधार है तथा ह्लपेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ ।विद्यालय के बच्चों ने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करे, तो हमारा देश हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बन सकता है। विद्यार्थियों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण देने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना आवश्यक है।विद्यालय परिवार ने बताया कि पौधारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। बच्चों द्वारा लगाए गए इन आम के पौधों की देखभाल भी स्वयं विद्यार्थी करेंगे, जिससे उनमें जिम्मेदारी एवं प्रकृति प्रेम की भावना विकसित होगी।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ओंठ कटे एवं तालू कटे बच्चों के लिए एक दिवसीय मेगा कैंप आयोजित

निःशुल्क जांच, उपचार एवं सर्जरी सुविधा से लाभान्वित होंगे बच्चे

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : शुक्रवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाकुड़ में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ओंठ कटे एवं तालू कटे बच्चों के इलाज हेतु एक दिवसीय मेगा कैंप का सफल आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. एस. के. झा एवं देवनिका अस्पताल, रांची के प्रतिनिधि द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग की गई। जांच के उपरांत सर्जरी योग्य चिन्हित बच्चों का निःशुल्क ऑपरेशन देवनिका अस्पताल, रांची में कराया जाएगा। साथ ही अस्पताल द्वारा आने-जाने, इलाज एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। मेगा जांच शिविर में डॉ. शेखावत हुसैन एवं डॉ सुपर्णा सहा ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। शिविर में कुल 25 बच्चों की जांच की गई, जिनमें चिन्हित बच्चों का आगे सर्जिकल उपचार कराया जाएगा। जिला आरसीएच पदाधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के शिविर का उद्देश्य जन्मजात विकृतियों से पीड़ित बच्चों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराकर उन्हें सामान्य जीवन की मुख्यधारा से जोड़ना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभिभावकों से अपील की गई कि वे ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ें, ताकि बच्चों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

हिरणपुर प्रखंड में मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं की उच्च स्तरीय जांच करने की जरूरत, गड़बड़ झाला की आशंका

मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के विपरीत

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

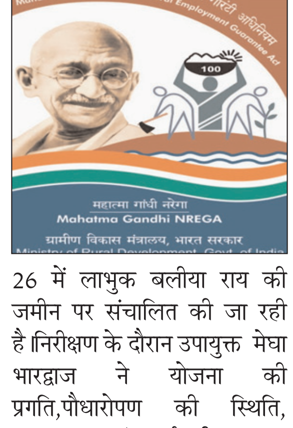

पाकुड़ : हिरणपुर प्रखंड मनरेगा अंतर्गत चल रही योजनाओं को लेकर अक्सर बदनाम रहा है, प्रखंड के कई पंचायत में योजनाओं में भारी अनियमितता एवं मानकों की अनदेखी की जाती है, प्रशासन को इस प्रखंड में संचालित सभी योजनाओं की निष्पक्षता के साथ जांच करनी चाहिए। गुरुवार को यह बात साबित भी हो गई कि मनरेगा अंतर्गत चल रही योजना मानकों के विपरीत है। दरअसल गुरुवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बरमसिया पंचायत में मनरेगा के तहत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत आम बागवानी योजना का निरीक्षण किया था,यह योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 में लाभुक बलीया राय की जमीन पर संचालित की जा रही है।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने योजना की प्रगति,पौधारोपण की स्थिति, रखरखाव एवं कार्य की गुणवत्ता की विस्तृत जानकारी ली थी । इस क्रम में उन्होंने ट्रेंच कटिंग एवं तालाब निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया था ।कार्य की स्थिति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को कार्य में तत्काल सुधार लाने का निर्देश दियाथा।उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा था कि मनरेगा अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पौधों के संरक्षण, नियमित देखभाल, सिंचाई व्यवस्था एवं जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को गंभीरता से करने का निर्देश दिया था ताकि योजना का उद्देश्य सफल हो सके और लाभुकों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त हो।इसके अलावा उपायुक्त ने तेतुलिया डैम के समीप लाभुक लक्ष्मी देवी एवं मनोज यादव के बिरसा हरित ग्राम योजना का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पौधों की मोर्टालिटी अधिक पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की थी,समीक्षा में यह बात सामने आई कि खराब गुणवत्ता वाले पौधों की उपलब्धता के कारण पौधों की क्षति हुई है। इसपर उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि पौधों की मोर्टालिटी की भरपाई संबंधित आपूर्तिकर्ता से कराई जाए तथा संबंधित आपूर्तिकर्ता से कारण पृच्छा की जाए। उन्होंने कहा था कि योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा निम्न गुणवत्ता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपायुक्त ने यह भी कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना ग्रामीण क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ़ करने एवं किसानों की आय में वृद्धि करने की दिशा में सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए इसके क्रियान्वयन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। 1 दिन की डीसी की जांच में इस प्रखंड में संचालित मनरेगा योजनाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर एक दिन की जांच से इतनी सारी खामियां डीसी के सामने आ सकती है तो यह सोचने वाली बात है कि अगर पूरे प्रखंड में संचालित सभी योजनाओं का निरीक्षण किया जाए और निष्पक्षता के साथ जांच की जाए तो बड़ा खुलासा होने की संभावना है।

सेन्हा में वज्रपात से मवेशी की मौत पशुपालक को आर्थिक नुकसान

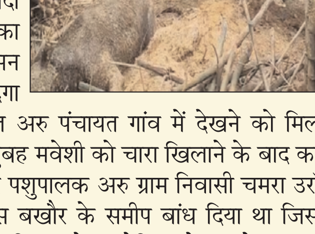

लोहरदगाः सेन्हा थाना क्षेत्र में अचानक मौसम खराब तेज आंधी तूफान,ओला वृष्टि व बारिश के पूर्व वज्रपात के चपेट में आने से एक मवेशी की मौत हो गई। सूचना पर जिला परिषद पहुंच जायजा लेते हुए आपदा कोष से मदद दिलाने का पशुपालक को आश्वसन दिलाया। उक्त घटना लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड अंतर्गत अरु पंचायत गांव में देखने को मिला। बताया जाता है कि शुक्रवार सुबह मवेशी को चारा खिलाने के बाद कड़ी धूप से राहत दिलाने को लेकर पशुपालक अरु ग्राम निवासी चमरा उराँव के पुत्र लालदेव उराँव ने बांस बखौर के समीप बांध दिया था जिससे तवती धूप से मवेशी को राहत मिल सके। लेकिन दोपरह में अचानक मौसम ने करवट मारा और एक भैंस वज्रपात के चपेट में आ गया जिससे घटना स्थल पर मौत हो गई। जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की ने पशुपालक से मुलाकात कर आर्थिक नुकसान की जायजा लेते हुए कहा प्राकृतिक कहर से कोई भी अछूता नही रहा है। घटना में हुई आर्थिक क्षति को लेकर गहन चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा राहत कोष से पीड़ित पशुपालक को सहयोग करने का प्रबधान है जिसके तहत मदद करने का प्रयास किया जाएगा। फिलहाल घटना से अंचलाधिकारी पंकज कुमार भगत को अवगत कराया गया है। उन्होंने कहा प्राप्त सूचना को संज्ञान में लिया गया है। साथ ही उन्होंने कहा किसान पशुपालक व गरीब परिवार द्वारा प्राप्त आवेदन पर त्वरित पहल कर जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिलाने को लेकर कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा।

24 लाख 80 हजार का भवन निर्माण कार्य,महज 8-10लाख रुपए में निर्माण कार्य निपटाने की कोशिश

थर्ड ग्रेड की ईट, इंटों की जोड़ाई में पत्थर की धूल का इस्तेमाल, सीमेंट ना के बराबर

पाकुड़ : जिले में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के अंतर्गत बड़ी संख्या में भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। इन भवनों का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत आधार देना है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। कई निर्माण कार्यों में नियमों की खुलेआम अनदेखी और गुणवत्ता में भारी लापरवाही सामने आ रही है। ताजा मामला सदर प्रखंड अंतर्गत दादपुर पंचायत के सरायढेला स्थित पानी टंकी के समीप बन रहे एक भवन से जुड़ा है, जहां निर्माण कार्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।भवन निर्माण कार्य में पारदर्शिता पूरी तरह गायब है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि निर्माण स्थल पर किसी प्रकार का सूचना बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। सरकारी निर्माण कार्यों में प्राक्कलित राशि, योजना का नाम, एजेंसी और कार्य अवधि की जानकारी सार्वजनिक करना अनिवार्य माना जाता है, लेकिन यहां ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला। यही वजह है कि लोगों के बीच संदेह और गहरा हो गया है। सूत्रों का दावा है कि इस भवन निर्माण के लिए सरकार की ओर से लगभग 24 लाख 80 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, लेकिन मौके पर हो रहे कार्य को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि निर्माण में इतनी बड़ी राशि खर्च होती नजर नहीं आ रही। भवन की गुणवत्ता और उपयोग हो रही सामग्री को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि मुश्किल से 10 लाख रुपये तक का ही काम किया जा रहा है। ऐसे में सरकारी राशि के बंदरबांट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।भवन निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। निर्माण कार्य में थर्ड ग्रेड ईंटों का उपयोग किया जा रहा है, जिनकी मजबूती बेहद कमजोर है। वहीं ईंट जोड़ाई में इस्तेमाल किए जा रहे मसाले में सीमेंट की मात्रा बहुत कम दिखाई दे रही है। आरोप है कि बालू की जगह डस्ट यानी पत्थर की धूल का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि कहीं-कहीं बालू और डस्ट को मिलाकर मसाला तैयार किया गया है। निर्माण कार्य से जुड़े जानकारों का मानना है कि यदि भवन निर्माण में गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया तो यह भवन लंबे समय तक टिकाऊ नहीं रह पाएगा और भविष्य में कभी भी हादसे का कारण बन सकता है।

इंजीनियर की गैर मौजूदगी में हो रहा है निर्माण कार्यः

निर्माण कार्य इंजीनियर की गैर मौजूदगी में कराया जा रहा है। विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि मौके पर तकनीकी निगरानी लगभग नहीं के बराबर है। ऐसे में निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जब तकनीकी अधिकारी की निगरानी ही नहीं होगी तो निर्माण कार्य में मानकों का पालन कैसे सुनिश्चित किया जाएगा।

जमीनी स्तर पर गुणवत्ता और पारदर्शिता नहीं रही तो योजनाओं का उद्देश्य अधूरा रह जाएगाः

बताया जा रहा है कि सिर्फ दादपुर पंचायत ही नहीं बल्कि पूरे जिले में स्वयं सहायता समूह के अंतर्गत कई भवनों का निर्माण कराया जा रहा है और अधिकांश जगहों पर इसी तरह की अनियमितताओं की चर्चा सुनने को मिल रही है। सरकार ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यदि जमीनी स्तर पर गुणवत्ता और पारदर्शिता नहीं रही तो योजनाओं का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। अब जरूरत इस बात की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकारी योजनाओं में हो रही संभावित गड़बड़ियों पर रोक लग सके और जनता का विश्वास कायम रह सके।

हजारीबाग एसपी ने दिखाई हरी झंडी, अपराध नियंत्रण व नशा के खिलाफ 92 मोटरसाइकिल दस्ता रवाना

विधि-व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पुलिस केंद्र से निकला दस्ता, जिले में बढ़ेगी गश्ती

हजारीबाग: विधि-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण एवं नशा के विरुद्ध अभियान को तेज करने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने पुलिस केंद्र से 92 मोटरसाइकिल दस्ते को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एसपी ने कहा कि मोटरसाइकिल दस्ता जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार गश्ती करेगा। विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले इलाके, बाजार, स्कूल-कॉलेज के आसपास, सुनसान रास्तों और नशा के अड्डों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। दस्ते को अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई, छिनतई, चोरी, अड्डेबाजी, मनचलों पर रोक लगाने तथा नशा के कारोबार पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया गया है। एसपी ने बताया कि इस पहल से पुलिस की विजिबिलिटी बढ़ेगी और आम लोगों में सुरक्षा का भाव मजबूत होगा।मोटरसाइकिल दस्ते में प्रशिक्षित जवानों को शामिल किया गया है। सभी जवानों को वायरलेस सेट, आवश्यक उपकरण एवं सुरक्षा किट उपलब्ध कराए गए हैं।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के दिये निर्देश

जनता दरबार में सुनी गई शिकायतें, सभी आवेदनों पर जांचोपरांत शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक- एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।इसके अलावा जनता दरबार में पीडीएस दुकान, सड़क निर्माण, फुटबॉल मैदान से ट्रांसफार्मर हटाने, आवास, जमीन विवाद सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कई आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त हुईं। उपायुक्त ने सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की भौतिक जांच कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि शिकायतों के निष्पादन की प्रक्रिया प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सके।

आमटाल कुइ़या बस्ती में भव्य कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय श्री श्री बजरंगबली महायज्ञ का शुभा रंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर/ तिसरा । शुक्रवार को आमटाल पंचायत के कुइया बस्ती स्थित बजरंगबली मंदिर परिसर में तीन दिवसीय भव्य महायज्ञ का हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्री श्री बजरंगबली मंदिर कमेटी द्वारा एक विराट कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला।301 माताओं-बहनों ने किया जलार्पणःइस कलश यात्रा में क्षेत्र की 301 माताओं और बहनों ने निर्जला उपवास रखकर हिस्सा लिया। यात्रा बजरंगबली मंदिर कुइया बस्ती से प्रारंभ होकर पहाड़ी गोड़ा और ब्राह्मण टोला होते हुए चक्रवर्ती तालाब पहुंची। वहां विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं ने कलश में जल भरकर पैदल वापस मंदिर प्रांगण तक की यात्रा पूरी की।तीन दिवसीय अनुष्ठान और भंडाराःकलश स्थापना के साथ ही तीन दिवसीय महायज्ञ शुरू हो गया है। इस आयोजन से पूरे गांव में धार्मिक उत्साह और खुशी का माहौल है। अनुष्ठान का समापन भव्य भंडारे और महान अनुष्ठान के साथ होगा, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की अनुमान है।समिति का योगदानःयज्ञ को सफल बनाने में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष भारत महतो, उपाध्यक्ष भोलानाथ महतो, विक्की महतो, दिलीप महतो, शुद्ध धन महतो, नारायण महतो, विश्वजीत दास, उमेश रवानी, राकेश महतो, सचिन महतो, मुकेश महतो, विक्रम महतो, बुबा चक्रवर्ती, विवेक महतो, नयन महतो, छोटन महतो, कार्तिक रवानी और रोहित महतो ने दिन-रात एक कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य रूप से सिंदरी विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता, आमटाल पंचायत के मुखिया संजय गोराई और गोलमार मुखिया प्रतिनिधि मनोज सिंह शामिल हुए। और इस भव्य आयोजन की सराहना की। साथ ही साथ आज के कलश यात्रा में गांव के तमाम युवा बुजुर्ग एवं नौजवानों शामिल होकर इस आयोजन को सफल किया इसके लिए कमेटी की ओर से उन सभी लोगों को आभार एवं धन्यवाद दिए।

उपायुक्त की अध्यक्षता में नीलाम पत्र वादों की समीक्षा बैठक आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उपायुक्त श्री हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में नीलाम पत्र वादों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले के विभिन्न विभागों में लंबित नीलाम पत्र वादों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों से लंबित मामलों की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि पुराने लंबित नीलाम पत्र वादों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के निष्पादन कार्य में तेजी लाएं।वर्तमान में संचालित नीलाम पत्र वादों के संदर्भ में उपायुक्त ने संबंधित पक्षों पर विधिवत नोटिस का तामिला सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि वादों का निष्पादन समयबद्ध तरीके से किया जा सके।साथ ही उन्होंने रजिस्टर 9 एवं रजिस्टर 10 का मिलान कर सभी वादों के निष्पादन में पारदर्शिता एवं सटीकता बनाए रखने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने नीलाम पत्र पदाधिकारी को निर्देशित किया कि नोटिस तामिला की प्रक्रिया को तेज करते हुए आवश्यकतानुसार चौकीदारों के माध्यम से नोटिस भेजने की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ की जाए।बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

एनवाईएस इंटरनेशनल एकेडमी बसारिया पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल, छात्रों ने स्वागत गीत से किया अभिनंदन

जागेश्वर कुमार, झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो

शिक्षा के साथ अनुशासन और संस्कार पर भी दें ध्यान: सांसद, प्राचार्या ने जताया आभार

बसारिया/हजारीबाग: NYS इंटरनेशनल एकेडमी, बसारिया में बुधवार को हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल एवं मुकुंद साव का आगमन हुआ। विद्यालय पहुंचने पर छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। वहीं विद्यालय के प्रबंधक व प्राचार्या ने पुष्पगुच्छ देकर उनका भव्य स्वागत किया।

विद्यालय के लिए गौरव का दिन

सांसद के आगमन को विद्यालय परिवार ने गौरव और हर्ष का विषय बताया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि उनके आगमन से सभी सम्मानित एवं प्रेरित महसूस कर रहे हैं।

शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरीः

माननीय सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि उन्होंने सदैव शिक्षा, युवा विकास एवं समाज के उत्थान के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल पुस्तक ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना है। शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, संस्कार, नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या दीपशिखा मिश्रा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और आगे भी उनका स्नेह एवं सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा की।

ये रहे मौजूद

मौके पर विद्यालय के प्रबंधक राजकुमार ठाकुर, अशोक गोस्वामी, हिरामन साहू, सुरेश शर्मा, प्राचार्या दीपशिखा मिश्रा, शिक्षकगण तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

मदर्स डे पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जीता दिल, माताओं की भावुक प्रस्तुति बनी आकर्षण का केंद्र

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

-- डायमंड मोंटेसरी स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

-- पांच दिवसीय समर कैंप व निशुल्क नामांकन की घोषणा

मदर्स डे केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि मां के प्रति सम्मान, प्रेम और समर्पण प्रकट करने का विशेष अवसर है: लक्ष्मी मेहता

हजारीबाग। शहर के एसपी कोठी के समीप बीएम कॉम्प्लेक्स स्थित डायमंड मोंटेसरी स्कूल में शुक्रवार को मदर्स डे के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन समारोहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों एवं उनकी माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को यादगार बना दिया। मदर्स डे के इस विशेष अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों के आकर्षक नृत्य, गीत एवं भावनात्मक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। वहीं बच्चों की माताओं ने भी भावुक अंदाज में कार्यक्रम में भागीदारी निभाकर मां और बच्चों के अटूट रिश्ते की अहमियत को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह से गूंज उठा। विद्यालय की निदेशिका लक्ष्मी मेहता ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी अभिभावकों, शिक्षकों एवं बच्चों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मदर्स डे केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि मां के प्रति सम्मान, प्रेम और समर्पण प्रकट करने का विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता का विकास होता है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल में प्ले टू फाइव तक सीबीएसई पैटर्न पर अंग्रेजी माध्यम में निशुल्क नामांकन किया जा रहा है। साथ ही समर वेकेशन के अवसर पर पांच दिवसीय समर कैंप का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें स्कूल के बच्चों के साथ-साथ बाहर के बच्चे भी भाग ले सकते हैं। इच्छुक अभिभावक स्कूल प्रबंधन से संपर्क कर समर कैंप एवं निशुल्क नामांकन की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिकाओं मानसी, श्रेया, खुशबू, सावित्री देवी, प्रियंका आचार्या, पूजा कुमारी, सलोनी एक्का एवं रीता कुमारी सहित सभी शिक्षकों एवं बच्चों की माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को प्राथमिकता से उपलब्ध कराया जाए इंधन : जिला प्रशासन

चतरा : चतरा उपायुक्त रवि आनंद के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति पदाधिकारी नीतू सिंह की अध्यक्षता में एनआईसी सभागार में जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए जिले में वाहन ईंधन की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के तहत आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर इंधन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।बैठक में विभिन्न प्रशासनिक विभागों से संबंधित वाहन, एम्बुलेंस, स्वास्थ्य सेवा, पुलिस सेवा, खाद्यान्न आपूर्ति, दुग्ध आपूर्ति तथा समाचार पत्र वितरण एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को निर्बाध एवं प्राथमिकता के साथ इंधन उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया गया ताकि आवश्यक सेवाएं निर्बाध रूप से चलती रहे। साथ ही, आम नागरिकों को हो रही वाहन ईंधन उपलब्धता समस्याओं के निराकरण एवं आवश्यकता अनुसार नियम पूर्वक वाहन इंधन उपलब्ध कराने का निर्देश पेट्रोल पंप संचालकों को दिया गया जिला प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार की कालाबाजारी एवं जमाखोरी को लेकर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा गया कि वाहन इंधन की कृत्रिम कमी उत्पन्न करने अथवा अवैध भंडारण जैसी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक में पेट्रोल पंप संचालकों को यह भी अवगत कराया गया कि प्रशासनिक पदाधिकारियों द्वारा नियमित रूप से पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया जाएगा। ऐसे में सभी संचालक पारदर्शिता एवं नियमों का पालन सुनिश्चित करें।जिला प्रशासन की ओर से आम नागरिकों से अपील की गई कि जिले में वाहन इंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। अतः कोई भी व्यक्ति पैनिक होकर अनावश्यक रूप से इंधन का भंडारण न करें।बैठक के दौरान पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा अपनी कुछ समस्याएं एवं सुझाव भी रखे गए, जिस पर प्रशासन की ओर से यथासंभव समाधान का आश्वासन दिया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल मेडिकल कॉलेज अस्पताल की व्यवस्था को लेकर हजारीबाग के उपायुक्त से की भेंट

हजारीबाग: हजारीबाग जिला उपायुक्त हेमंत सती से आज कांग्रेस पार्टी का एक शिष्टमंडल जिसमें प्रमुख रूप से अशोक देव,सुरजीत नागवाल,मनोज नारायण भगत ,कृष्ण किशोर प्रसाद ,धीरज सिंह और अजय प्रजापति ने मुलाकात किया । आज प्रतिनिधि मंडल ने सर्वप्रथम बीते बुधवार देर रात प्रदेश महासचिव सुरजीत नागवाला को मरीज के परिजनों के बुलावा पर मेडिकल कॉलेज गायनी वार्ड पहुंचे वहां मरीज ज्योति कुमारी पति आकाश कुमार पदमा को प्रसव हेतु भर्ती कराया गया वहां की इंजार्च सिस्टर को इस बाबत सूचना दी गई उनकी ड्यूटी नहीं होने के बावजूद फोन से उन्होंने मरीज की ऑपरेशन की सारी व्यवस्था कराई, प्रसव उपरांत बेटी का जन्म हुआ ,गायनी वार्ड के ऑपरेशन थियेटर में पहले से तैनात ओटी असिस्टेंट विभा सिंह नवजात बच्ची के पिता को बुलाकर नाजायज पैसे की मांग की,बच्चे के पिता पांच सौ रुपया दे रहे थे नहीं मांगने पर सात सौ रुपया देने पर मजबूर हुए और ऑपरेशन थियेटर के बाहर प्रदेश महासचिव सुरजीत नागवाल को जानकारी दी ,तत्काल इसकी सूचना ट्वीट कर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और जिला के उपायुक्त की दी,साथ ही साथ पूरे मामले को लेकर उपायुक्त के वाट्सअप नंबर पर सूचना दी गई और कार्यवाही का आग्रह किया गया ।इसी प्रकरण पर आज कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश महासचिव सुजीत नाग वाला के नेतृत्व में जिला के उपाय से उनके कार्यालय में मिलकर पूरी बातों को गंभीरता से रखा है तत्काल इस पर संज्ञान लेते हुए मेडिकल कॉलेज के सुपरीटेंडेंट पूर्ति को फोन पर ही उक्त कर्मी को हटाने का निर्देश दिया ,उक्त कर्मी विभा सिंह अपने जॉइनिंग से आज तक इसी पद पर कार्यरत रही,जबकि अस्पताल के प्रत्येक कर्मी का ड्यूटी रोस्टर तो बदलता है लेकिन विभा सिंह अपने स्थान पर ही कार्य रहती थी। इस मामले को लेकर प्रदेश महासचिव सुजीत नाग वाला ने कहा कि अस्पताल के कुछ कर्मी जानबूझकर सरकार और स्वास्थ्य मंत्री के छवि को भाजपा के दबाव में आकर हजारीबाग में खराब करना चाह रही है जो किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं है । राज में हमारी सरकार है आम अवाम को जब भी तकलीफ होगी हम सभी कांग्रेस जन जनता के प्रहरी बनकर बेलगाम पदाधिकारी को ठीक करने का काम करेंगे ।इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी मनोज नारायण भगत ने जिला के उपायुक्त को धन्यवाद दिया आपके आने से हजारीबाग में अवैध लॉटरी के कारोबार बंद हुआ है और उपायुक्त हजारीबाग में आश्वासन दिया है लॉटरी यहां पर आगे भी बंद रखेंगे। इस अवसर पर कृष्ण किशोर प्रसाद ने उपायुक्त से अनुरोध किया नो एंट्री का समय को लेकर अपनी बातों को रखा उपयुक्त ने बताया कि सुबह 6:00 बजे से सुबह 8:00 के बाद निकलने वाली गाड़ी शहर के बाहर जा सकती है

वीएचएसएनडी के तहत गर्भवती महिलाओं, बच्चों व किशोरियों को मिली समग्र स्वास्थ्य सेवाएं

हजारीबाग: हजारीबाग जिले के विभिन्न प्रखंडों में गुरुवार को ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (VHSND) के अवसर पर व्यापक रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में एएनएम, सहिया एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा विभिन्न सेवाएं प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं को गर्भ जांच, रक्त जांच, आयरन, फोलिक एसिड एवं कैल्सियम की दवाएं, टीटी टीकाकरण तथा पोषण संबंधी परामर्श उपलब्ध कराया गया। साथ ही सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई गई।बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण, विकास की निगरानी, पूरक पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक उपचार की सुविधाएं प्रदान की गईं, जिससे उनके समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास को सुनिश्चित किया जा सके।किशोरियों के लिए हीमोग्लोबिन जांच, आयरन-फोलिक एसिड की गोलियों का वितरण, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श, मासिक धर्म स्वच्छता की जानकारी तथा कौशल एवं जीवन कौशल शिक्षा दी गई।शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए जन्म के तुरंत बाद स्तनपान की शुरूआत, शिशु देखभाल, नियमित टीकाकरण, विकास निगरानी तथा बीमारियों की जांच एवं उपचार पर विशेष ध्यान दिया गया।इस संबध में उपायुक्त हेमन्त सती ने कहा कि वीएचएसएनडी कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय स्तर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना तथा कुपोषण एवं बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित करना है। इस दिशा में जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है।

पत्रकार के पिता के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

इचाक: इचाक प्रखंड के सिझुआ गांव निवासी शिक्षक एवं समाजसेवी चंद्रधारी प्रसाद मेहता के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की खबर मिलते ही प्रखंड के विभिन्न गांवों से लोग अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पहुंचने लगे। देर शाम तक श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों का तांता लगा रहा।ग्रामीणों एवं समाज के लोगों ने बताया कि चंद्रधारी प्रसाद मेहता सामाजिक कार्यों में हमेशा सक्रिय रहते थे। शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई थी। लोगों ने कहा कि उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।मृतक के बड़े पुत्र रमेश कुमार एक दैनिक अखबार से जुड़े पत्रकार हैं। पिता के निधन की सूचना मिलते ही पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक कार्यकताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया।अंतिम दर्शन के दौरान जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, कांग्रेस नेता डॉ. आरसी प्रसाद मेहता, लखन कुमार मेहता, उप प्रमुख सत्येंद्र कुमार मेहता, आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव प्रदीप कुमार मेहता, रंजीत मेहता, प्रमुख पति सिकंदर राम सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

स्मिता सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के ह्लसांस्कृतिक पुनर्जागरणह्व के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में बंगाली अस्मिता और हिंदू पहचान के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। ह्लवंदे मातरम्ह्व का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुगार्पूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि ह्लसांस्कृतिक सुरक्षाह्व स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान ह्लजय श्रीरामह्व जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल ह्लहिंदी बनाम बंगालीह्व के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को ह्लहिंदू पुनर्जागरणह्व कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- दोस्तों और भाइयों से सहयोग मिलेगा. नए काम शुरू होंगे और सोचे हुए काम भी पूरे होंगे. काम भी पूरे हो सकते हैं. संपत्ति के कामकाज पर ध्यान देंगे. आपका पराक्रम बढ़ सकता है. सौदेबाजी में बहुत अच्छी सफलता भी मिलने के योग हैं. आपका दिन परिवार, निजी जीवन और पैसों के मामले में ही बीत सकता है. जरूरी कामों की योजना बन सकती है. अपनी जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान दें. पार्टनर के लिए समय निकालें. सेहत के मामले में सावधानी जरूर रखें.

वृषभ राशि :- आज भागीदारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है. इस कारण आप बेचैन और अनिश्चित हो सकते है. आर्थिक पक्ष अस्थिर हो सकता है. व्यापारी वर्ग को सार्वजनिक समर्थन हासिल करने के लिए अथक प्रयास करने की आवश्यकता हैं. आपके आलोचक और शत्रु आपके लिए समस्याएं पैदा करेंगे, वह आप पर हावी हो सकते हैं. किन्तु आप कूटनीति के प्रयोग से उन्हें चुप करा सकते हैं.

मिथुन राशि :- आज अचल संपत्ति में लाभ के योग आपकी राशि में दिखाई देते हैं. आज का दिन प्यार मामलों के मामले में बहुत खास होगा. भाई-बहनों के साथ तर्क आपको काफी उदास कर सकता है और आप असहाय महसूस कर सकते हैं. परिवार में किसी को सुधारने का जिम्मा आप खुद उठा सकते हैं. रिश्तों के बीच आपसी समझ बढ़ाने के लिये भी दिन अच्छा है. आपको किसी प्रॉपर्टी से मुनाफा हो सकता है. आज आपको विवाह प्रस्ताव भी मिल सकते हैं?.

कर्क राशि :- नए काम और नई बिजनेस डील सामने आ सकती है.परेशानियों से निपटने के लिए दिन अच्छा रहेगा. कोई नया ऑफर भी मिल सकता है. सोचे हुए काम शुरू कर दें, आपके काम जल्दी ही पूरे हो जाएंगे.रोजमर्रा के काम पूरे होने में कोई रुकावट नहीं आएगी. आप आगे भीबढ़ेंगे. महत्वपूर्ण मीटिंग और काम करने के लिए दिन शुभ है. समस्याएं भी जल्दी ही खत्म हो जाएंगी.

सिंह राशि :- यह आपके लिए बाधाओं और मुश्किल से निपटने के लिए एक कठिन समय है. आज कार्यस्थल पर दूसरों की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने से बचें. अपने लक्ष्यों को प्राथमिकताओं दें. दूसरों से उपहार प्राप्त करने का यह अच्छा समय है. लंबे समय से लंबित अदालती मामले आपके पक्ष में सुलझेंगे. जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उन्हें मौका मिलेगा. पारिवारिक एवं सामाजिक संदर्भ में आप किसी भी गलती के लिए सवालों के घेरे में आएंगे.

कन्या राशि :- नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है. आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं. प्रेमियों के मध्य कुछ मनमुटाव हो सकता है. आप नया वाहन खरीद सकते हैं. खर्च की मात्रा बढ़ने से आर्थिक तंगी का अनुभव हो सकता है. इष्टदेव की आराधना करें. शारीरिक परिश्रम की अधिकता रहेगी. आज पारिवारिक समस्याओं को लेकर भी आप परेशान हो सकते हैं लेकिन ध्यान रखें किसी भी परेशानी का हल करने में सक्षम हैं.

तुला राशि :- दिन आपके लिए अच्छा है. आप परिस्थितियों का फायदा उठाकर अपने काम पूरे कर सकते हैं. कामकाज में भी आपका मन लगेगा.आज आपको अचानक कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं. आप उनका फायदा उठाने के लिए तैयार रहें. अचानक मन में बदलाव आ सकते हैंजो कि आपके लिए फायदेमंद रहेंगे. जीवनसाथी से संबंधों में अनुकूलता रहेगी. दिन आपके लिए अच्छा है. पार्टनर से सरप्राइज मिलने के योग हैं. आपकी सेहत अच्छी रहेगी.

वृश्चिक राशि :- आप सभी गतिविधियों में चमकेंगे और आज भाग्य आपका साथ देगा. नौकरीपेशा जातकों के लिए कोई विशेष कार्य सफलता प्रदान कर सकता हैं. विदेशी संपर्क वाले लोगों को कुछ अचानक लाभ मिलेगा और यात्रा भी हो सकती है. आय अच्छी रहेगी और स्वरोजगार में लिप्त जातक एक आकर्षक सौदे को अंतिम रूप प्रदान कर सकते हैं. पारिवारिक सदस्यों के मध्य सामंजस्य रहेगा और पारिवारिक उत्सव आपको व्यस्त रखेंगे.

धनु राशि :- आपके खर्चे बजट को बिगाड़ सकते हैं और इसलिए कई योजनाएँ बीच में अटक सकती हैं. आर्थिक निवेश और लेन-देन से बचें, नुकसान होने संभावना है. कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे. आज आपकी राशि में वाहन सुख दिखाई देता है आज खर्च की आशंकाएं आपके साथ हैं इसलिए खर्च करते समय आपको थोड़ा सावधानी बरतनी चाहिए. संबंधो में भावनाओ की प्रधानता रहेगी.

मकर राशि :-आज आपको दिनभर सावधान रहना होगा. कुछ लोग अपने स्वार्थ के कारण आपके ही लिए परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेंगे, सावधान रहें. आपके मन में उथल-पुथल हो सकती है. पुरानी बातों में आज आप उलझे हुए रहेंगे. किसी समस्या का समाधान हाथों-हाथ नहींहोगा. कुछ खास काम आज अधूरे रह सकते हैं. काम में आपका मन नहीं लगेगा. बिजनेस में नए एग्रीमेंट अभी न करें तो ही अच्छा है. सेहत के मामले में दिन ठीक-ठाक रहेगा.

कुम्भ राशि :- आपका रचनात्मक कौशल आज चरम पर होगा और आप इसका उपयोग अपने सभी कामों में करेंगे. रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोग अच्छा करेंगे और अच्छा लाभ भी प्राप्त करेंगे. आप बैठकों, प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और सम्मेलनों में लोकप्रिय रहेंगे. आप अपने घर को ठीक करने की योजना बनाएंगे और कुछ कलाकृतियों की खरीदारी भी करेंगे. आज आपकी सहभागिता बढ़ेगी और आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ एक छोटी यात्रा कर सकते हैं.

मीन राशि :- आज कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले आपको उससे जुड़े जोखिम के उपर भी विचार करना चाहिए. कार्य स्थल पर किसी से झगड़े और टकराव से बचने की कोशिश करें. आगे बढ़ने का दौर है. जो काम आपको दिया जाएगा, उसे आप निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. प्रेम संबंधों में सावधानी बरतें. आप अपने दिनभर के कामों की एक लिस्ट तैयार कर लें. परिवार की कुछ जिम्मेदारियां जीवनसाथी को सौंप सकते हैं.

संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रंप को पत्र में जो कुछ लिखा है उससे विपक्षी नेताओं की देशभक्ति पर सवाल उठ गया है

हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं की प्रतिक्रियाएं अब केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधे सवाल खड़े करती दिखाई दे रही हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखना और ममता बनर्जी द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत जाने की चेतावनी देना इसी प्रवृत्ति का ताजा उदाहरण है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश के आंतरिक मामलों को विदेशी शक्तियों और वैश्विक मंचों तक ले जाना लोकतंत्र की रक्षा है या फिर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास?

हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। हैरानी की बात यह है कि यह सब उस समय कहा जा रहा है जब भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे विश्वसनीय और विशाल चुनावी संस्थाओं में गिना जाता है। यदि किसी दल को चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं हैं, तो उसके लिए न्यायपालिका, जन आंदोलन और संवैधानिक प्रक्रियाएं मौजूद हैं। फिर विदेशी राष्ट्रपति को पत्र लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी? क्या भारत इतना कमजोर लोकतंत्र है कि यहां के चुनावों का फैसला विदेशी नेताओं की राय से तय होगा? क्या विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर उसे भरोसा नहीं है? यदि हर हार के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया जाएगा, तो इससे दुनिया में भारत की छवि पर क्या असर पड़ेगा?

इस पूरे विवाद में ममता बनर्जी का बयान भी कम गंभीर नहीं है। चुनाव हारने के बाद उनका यह कहना कि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी, कई सवाल खड़े करता है। क्या किसी राज्य के चुनावी परिणाम को लेकर संयुक्त राष्ट्र की न्यायिक संस्था में जाने की बात करना भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा नहीं है? जब देश का संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग मौजूद हैं, तब विदेशी अदालतों की चर्चा क्यों? दरअसल यह वही राजनीति है जिसमें जब तक सत्ता हाथ में रहे तब तक संस्थाएं निष्पक्ष लगती हैं, लेकिन हार मिलते ही चुनाव आयोग, सुरक्षा बल, न्यायपालिका और लोकतंत्र सब कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास भी मानी जा सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्षी दल अपनी राजनीतिक हार को स्वीकार करने का साहस खो चुके हैं? क्या लोकतंत्र केवल तब तक सही है जब तक परिणाम उनके पक्ष में आएं? यदि हर चुनाव के बाद विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी, तो क्या यह देश की आंतरिक संप्रभुता के खिलाफ कदम नहीं माना जाएगा? भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सत्ता परिवर्तन चुनावों के माध्यम से होता है, अदालतें स्वतंत्र हैं और मीडिया पूरी तरह सक्रिय है। ऐसे में विदेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों को भारत के घरेलू राजनीतिक विवादों में घसीटना न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता दशार्ता है, बल्कि यह देश की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है।

राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन देश की छवि और संस्थाओं की विश्वसनीयता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो लोकतंत्र में हार और जीत दोनों को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी लोकतांत्रिक मयार्दा होती है। लेकिन संजय राउत जैसे लोग जोकि खुद करोड़ों के घोटाले के आरोप से जुड़े हैं और जेल काट चुके हैं, वह भारत के लोकतंत्र की शुचिता और जनमत की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। यहां एक सवाल यह भी उठता है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गयी बधाई विपक्ष को इतनी चुभ क्यों रही है? साथ ही संजय राउत भारतीय लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी देखना चाहिए कि स्वयं अमेरिका में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर कितने गंभीर सवाल उठ चुके हैं। दुनिया ने देखा कि वर्ष 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। चुनावी धांधली के आरोपों को लेकर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद भवन कैपिटल हिल पर हमला तक कर दिया था, जिसे अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना गया।

दुखद हिंसा

कश्मीर में आतंकी हमलों का नया दौर दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। बाहरी लोगों और विशेष रूप से बिहारवासियों को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, उससे चिंता का दायरा बहुत बढ़ जाता है। मजदूरों और छोटे-मोटे धंधे करने वाले लोगों को मारने से किसका गौरव बढ़ रहा है? गरीबों की हत्या को आखिर किस आधार पर जायज ठहराया जा सकता है? कौन सा मजहब या कौन से राज्य की संस्कृति ऐसी हत्याओं का पक्ष ले सकती है? एक संदिग्ध संगठन ने प्रवासी मजदूरों पर हुए ताजा हमलों की जिम्मेदारी ली है और जो बहाना बनाया गया है, वह निंदनीय व हास्यास्पद है। इंसानियत पर धब्बा साबित हुए आतंकी चाहते हैं कि प्रवासी कश्मीर छोड़ जाएं, मानो कश्मीर उनकी व्यक्तिगत जायदाद हो? यह भी कहा गया है कि चूंकि बिहार में मुस्लिमों की हत्या हुई है, उसी का बदला लिया जा रहा है। बिहार या इतने बड़े देश में कहीं भी मुस्लिमों को निशाना बनाने जैसी कोई घटना नहीं है, इक्का-दुक्का हिंसक घटनाएं जो सामान्य रूप से होती आई हैं, उनमें पुलिस यथोचित कार्रवाई कर रही है। यह नहीं कहा जा सकता कि कश्मीर से बाहर देश में कहीं भी धार्मिक आधार पर विद्वेष की हवा चल रही हो। फिर भी अगर मजहब ही हत्या का आधार है, तो फिर सहारनपुर के सगीर अहमद को क्यों मारा गया? अपनी कुत्सित सुविधा के अनुसार, कभी बाहरी लोगों को, तो कभी गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाना हर लिहाज से नाकाबिले बर्दाश्त है।

इन वारदात को अंजाम देकर आखिर कहां मुंह छिपाएंगे आतंकी? उन्हें ठिकाने लगाए बिना भारत में न्यायप्रियता स्थापित नहीं हो सकती। उनके कुतर्कों का जवाब सजा से ही देना चाहिए। कश्मीर में इस महीने मारे गए सभी 11 नागरिकों को न्याय मिलना चाहिए। अब सदी बदल चुकी है, आतंकवाद को भारत में कतई कामयाबी नहीं मिलने वाली। जो लोग हिम्मत करके कश्मीर पहुंचे हैं, जो लोग वहां अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर रहे हैं, उनके साथ नाइंसाफी दरअसल कश्मीर के साथ नाइंसाफी है। कश्मीर के लोगों को स्वयं ऐसी हिंसा का विरोध करना चाहिए। मानवीय और तार्किक आधार पर सोचना चाहिए। कश्मीर के दुश्मन हैं वे लोग, जो बाहरी या मजहबी आधार पर हिंसा कर रहे हैं। उनका चेहरा आज से तीस साल पहले छिप गया था, लेकिन अब नहीं छिपना चाहिए। भारत में हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी हिंसा या सांप्रदायिकता के खिलाफ सावधान रहे। जो लोग कश्मीर में अमन चाहते हैं, उनके लिए यह परीक्षा की घड़ी है। यह अच्छी बात है कि बिहार सरकार अब कश्मीर में मारे जा रहे बिहारवासियों के परिजनों के साथ खड़ी हो गई है। हर राज्य को अपने नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति सचेत रहना ही चाहिए। अगर बिहारवासी को कहीं सताया जा रहा है, तो इसकी चिंता बिहार के लोगों के साथ-साथ सरकार को भी होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के लोगों का इस देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है, इनके हित में देश में नई सजगता आनी चाहिए। कश्मीर में जो मजदूर मारे गए, उन्हें बिहार सरकार ही अकेले मुआवजा क्यों दे, क्या केंद्र सरकार को भी आगे नहीं आना चाहिए? कश्मीर में पूरी राजनीतिक बिरादरी को एकजुट होकर आगे आना होगा, ताकि हिंसा के नए दौर को समय रहते समाप्त किया जा सके और कश्मीरियत के दामन पर और दाग न लगे।

पर्यावरण संबंधी समस्या को भयावह रूप प्रदान कर रहा है प्लास्टिक कचरा

पर्यावरण के लिए प्लास्टिक पूरी दुनिया में बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। इसीलिए इसका उपयोग सीमित करने और कई प्रकार के प्लास्टिक पर प्रतिबंध की मांग उठती रही है। भारत में भी ऐसी ही मांग निरन्तर होती रही है और समय-समय पर इसके लिए अदालतों द्वारा सख्त निर्देश भी जारी किए जाते रहे हैं किन्तु इन निर्देशों की पालना कराने में सख्ती का अभाव सदैव स्पष्ट परिलक्षित होता रहा है। यही कारण है कि लाख प्रयासों के बावजूद प्लास्टिक के उपयोग को कम करने में सफलता नहीं मिल पा रही है। इसका अनुमान इन आंकड़ों से भी लगाया जा सकता है कि भारत में 1990 में पॉलीथीन की जो खपत करीब बीस हजार टन थी, वह अगले डेढ़ दशकों में ही कई गुना बढ़कर तीन लाख टन से भी ज्यादा हो गई। 10 अगस्त 2017 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के तत्कालीन चेयरपर्सन स्वतंत्र कुमार की अगुवाई वाली बेंच ने अपने एक अहम फैसले में दिल्ली में 50 माइक्रोन से कम मोटाई वाली नॉन बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाते हुए सरकार को एक सप्ताह के भीतर ऐसे प्लास्टिक के सारे भंडार को जब्त करने का आदेश देते हुए कहा था कि दिल्ली में अगर किसी व्यक्ति के पास से प्रतिबंधित प्लास्टिक बरामद होते हैं तो उसे पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 5 हजार रुपये की राशि भरनी होगी।

देश के बीस से भी अधिक राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में प्रतिबंधित प्लास्टिक को लेकर इसी तरह के नियम लागू हैं लेकिन विड़म्बना ही है कि सख्ती के अभाव में इतना समय बीत जाने के बाद भी दिल्ली तथा देश के अन्य तमाम राज्यों में पॉलीथीन का उपयोग बदस्तूर जारी है। ह्लप्रदूषण मुक्त सांसेंह्व पुस्तक के अनुसार अगर देश में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग में कमी नहीं आ रही है तो इसका सीधा और स्पष्ट अर्थ यही है कि इनके उत्पादन, बिक्री और उपयोग को लेकर संबंधित विभागों का रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाही भरा रहा है। अक्सर देखा जाता है कि हमारी छोटी-बड़ी लापरवाहियों और कचरा प्रबंधन प्रणालियों की खामियों की वजह से पॉलीथीन या अन्य प्लास्टिक कचरा नालियों में भरा रहता है, जो नालियां, ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम को ठप्प कर देता है। यही कचरा अब नदियों के बहाव को अवरुद्ध करने में भी सहायक बनने लगा है, जो अब थोड़ी-सी ज्यादा बारिश होते ही जगह-जगह बाढ़ जैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक ह्लप्रदूषण मुक्त सांसेंह्व में मैंने विस्तार से बताया है कि किस प्रकार 1988 और 1998 में बांग्लादेश में आई भयानक बाढ़ का कारण यही प्लास्टिक ही था क्योंकि नालियों या नालों में प्लास्टिक जमा हो जाने से वहां के नाले जाम हो गए थे और इसीलिए इससे सबक लेते हुए बांग्लादेश में 2002 से प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया। आयरलैंड में प्लास्टिक थैलियों के इस्तेमाल पर 90 फीसदी टैक्स लगा दिया गया, जिसके चलते इनका इस्तेमाल बहुत कम हो गया। आस्ट्रेलिया में सरकार की अपील से ही वहां इन थैलियों के इस्तेमाल में 90 फीसदी कमी आई। अफ्रीका महाद्वीप के देश रवांडा में प्लास्टिक बैग बनाने, खरीदने और इस्तेमाल करने पर जुमार्ने का प्रावधान है। फ्रांस ने 2002 में प्लास्टिक पर पाबंदी लगाने का अभियान शुरू किया और 2010 में इसे पूरे देश में पूरी तरह से लागू कर दिया गया। न्यूयॉर्क शहर में रिसाइकल नहीं हो सकने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा है। चीन, मलेशिया, वियतनाम, थाईलैंड, इटली इत्यादि देशों ने प्लास्टिक कचरे के आयात पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगाए हैं। चीन विश्व का सबसे बड़ा प्लास्टिक कचरा आयातक देश रहा है लेकिन उसने भी कुछ समय पहले 24 श्रेणियों के ठोस प्लास्टिक कचरे के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्लास्टिक पर पाबंदी के लिए चरणबद्ध तरीके से भारत में भी इसी प्रकार के सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है।

मुजफ्फरपुर में दो भीषण सड़क हादसे, पांच गंभीर ,चार की हालत नाजुक

एजेंसी

मुजफ्फरपुरः जिले में शुक्रवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए दो भीषण सड़क हादसों में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. इनमें चार की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है. सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए कृष्णा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर किया गया है. हादसों के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई.

एनएच-28 पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत

पहली घटना मनियारी थाना क्षेत्र स्थित एनएच-28 पर ट्राइडेंट स्कूल के पास हुई. जानकारी के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रही दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे.इस हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. सूचना मिलते ही मनियारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सदर अस्पताल भेजा. प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दो युवकों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें SKMCH रेफर कर दिया.जानकारी के अनुआर, हादसे के समय दोनों बाइक काफी तेज गति में थीं. टक्कर के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई. पुलिस घायलों की पहचान और उनके परिजनों से संपर्क करने में जुटी है.

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को मारी टक्कर

दूसरी घटना मुजफ्फरपुर-छपरा मुख्य मार्ग पर दिलेश्वर पेट्रोल पंप के पास हुई. यहां एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने अपाचे बाइक सवार दो युवकों को पीछे से टक्कर मार दी.टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर कई फीट तक घिसटते चले गए और गंभीर रूप से घायल हो गए. मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी.प्रत्यक्षदर्शी साहिल ने बताया कि हादसे के बाद दोनों युवक सड़क पर बेसुध पड़े थे और उनके शरीर से काफी खून बह रहा था. पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है.हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया. पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार ट्रक की तलाश में जुटी है.

अस्पताल में जिंदगी और मौत से जंग

दोनों हादसों के बाद अस्पतालों में अफरा-तफरी का माहौल रहा. डॉक्टरों के अनुसार, चार घायलों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है. पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

लोगों ने उठाई सड़क सुरक्षा की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच-28 और मुजफ्फरपुर-छपरा मार्ग पर तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं. लोगों ने प्रशासन से दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में स्पीड कंट्रोल, ट्रैफिक मॉनिटरिंग और सख्त कार्रवाई की मांग की है.

बिहार के इस जिले में सीआईएसएफ ट्रेनिंग सेंटर बनेगा,110 एकड़ भूमि अधिग्रहण की अनुमति

एजेंसी

किशनगंजः बिहार के किशनगंज में सीआईएसएफ ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा. इसकी जानकारी सम्राट चौधरी ने अपने '' हैंडल पर दी. सीएम ने कहा कि किशनगंज जिले के पोठिया में औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) की स्थापना अनुमति प्रदान की गई है. पोठिया अंचल में 110 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिससे एक हजार उक्त्रत्र जवानों को प्रशिक्षण भी मिलेगा.

1000 जवानों को ट्रेनिंग की व्यवस्थाः सम्राट चौधरी ने बताया कि इस केन्द्र में 1000 सीआईएसएफ जवानों को ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी. किशनगंजमें रोजगार और विकाश के अवसर मिलेंगे. इसके साथ ही देश की सुरक्षा बढ़ेगी.

सीआईएसएफ के कामः सीआईएसएफ कई महत्वपूर्ण कार्यों को करती है, जैसे एयरपोर्ट को सुरक्षा देना, परमाणु संयंत्र को सुरक्षा देना, रेल मेट्रो आदि को सुरक्षा प्रदान करना, तेल रिफाइनरी स्टील प्लांट को सुरक्षा प्रदान करना, प्रमुख सरकारी भवनों को सुरक्षा प्रदान करना एवं कुछ प्रमुख वीवीआईपी लोगों को भी सुरक्षा देना इसके मुख्य काम हैं.

सीएम ने केंद्रीय गृह मंत्री का जताया आभारः इसके लिए सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का आभार जताया है. सीएम ने कहा कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया है. किशनगंज जिला अपने भौगोलिक स्थिति के कारण काफी महत्वपूर्ण माना जाता है. बांग्लादेश और नेपाल राष्ट्र से काफी करीब होने और कई इलाके में यह दूरी और भी कम होने के कारण इसका सामरिक महत्व बढ़ जाता है.

किशनगंज के लोगों में उत्साहः जिसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी खास नजर बनाए हैं. समय समय पर कई बदलाव देखे जा रहे है. हाल के दिनों में ही क्षेत्र में हुए एक साथ तीन हेलीकॉप्टर द्वारा सर्वे देख क्षेत्र के लोगों में काफी उत्सुकता देखी जा रही थी. योजना पर अब मुहर लग गई है

नीतीश कुमार ने जो संकल्प लिया.. उसे पूरा करेंगे', ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बताई प्राथमिकता

एजेंसी

पटनाः श्रवण कुमार पूर्व सीएम नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा से आठ बार विधायक बनने के साथ आठवीं बार मंत्री पद की शपथ ली है. सात बार नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में मंत्री बने हैं और इस बार सम्राट चौधरी की सरकार में फिर से ग्रामीण विकास विभाग की जिम्मेदारी मिली है. साथ ही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग भी श्रवण कुमार के पास ही है. वहीं नीतीश कुमार ने उनको जेडीयू विधायक दल का नेता भी बनाया है.

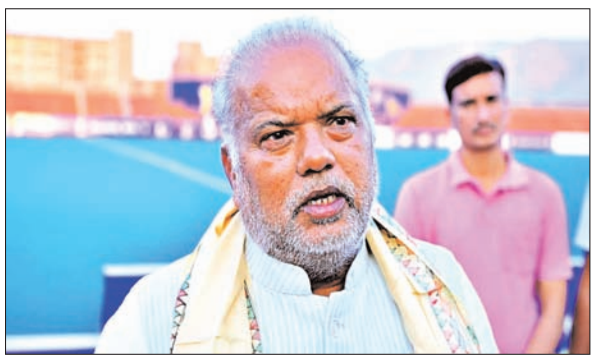

फिर से मिला ग्रामीण विकास विभागः एक बार फिर से ग्रामीण विकास विभाग मिलने पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विकास को लेकर लगातार काम हो रहा है, आगे भी करेंगे. उन्होंने कहा कि प्राथमिकता तो पहले से तय है. इस बार नई चीज यही है कि हमारे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को देश के टॉप 5 राज्यों में शामिल करने का लक्ष्य तय किया है. ऐसे में बिहार को देश के टॉप फाइव राज्यों में शामिल करने के लिए हम लोग अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करेंगे. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का जो संकल्प है, उसे हम लोग पूरा करेंगे.नीतीश कुमार के नेतृत्व में देश में पहली बार बिहार में सात निश्चय योजना की शुरूआत की गई थी, जिससे बिहार के गांव की तस्वीर बदल गई है. गरीबों के घर में शौचालय का निर्माण कराया गया, बिजली पहुंचाई गई, पेयजल पहुंचाया गया, पक्की सड़क का निर्माण किया गया, नाली का निर्माण किया गया है.

गरीबों के लिए एक करोड़ पक्का मकानः श्रवण कुमार ने कहा कि हम लोगों ने जो सूची तैयार की है, उसमें एक करोड़ चार लाख 90000 लोग शामिल है. इस सूची को हमने केंद्र सरकार को भेजा है. केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलते ही हम लोग इस पर काम शुरू कर देंगे. फिलहाल प्रतीक्षा सूची के तहत 49 लाख घरों का निर्माण का काम चल रहा है. प्रधानमंत्री आवास योजना से जो छूट गए हैं, उसे मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत हम लोग घर दे रहे हैं.

सरकार बदलने का क्या असर होगा?: सरकार बदल गई है. चेहरा भी बदल गया है तो क्या लगता है कि इसका असर होगा? इस पर श्रवण कुमार ने कहा कि कोई असर नहीं पड़ेगा. विकास की रफ्तार जो है, वह और तेज होगी. डबल इंजन की सरकार का फायदा भी मिलेगा.

खजाना खाली होने पर क्या बोले?: इस पर श्रवण कुमार ने कहा कि खजाना तो खाली होता ही है. विकास के लिए फिर खजाना भरता भी है. यदि खजाने में पैसे रखे रहे तो विकास का काम कैसे होगा. हमारे वित्त मंत्री ने कहा भी है कि जरूरत पड़ती है तो विश्व बैंक से भी लोन लेने की व्यवस्था है. विपक्ष के आरोप पर कहा कि बैंकों से पैसा लेने का प्रोविजन है. खर्च करने का भी प्रोविजन है लेकिन घोटाले का कोई प्रोविजन नहीं है.

कार्यकताओं की डिमांड पर निशांत मंत्री बनेः निशांत को लेकर यह चर्चा थी कि वह मंत्री नहीं बनना चाह रहे हैं लेकिन एकएका फैसला हुआ तो क्या बड़ी जिम्मेदारी उन्हें आगे मिलेगी? इस पर श्रवण कुमार ने कहा कि यह सच है कि निशांत सरकार में मंत्री नहीं बनना चाहते थे लेकिन यात्रा के दौरान जिस प्रकार से लोगों ने डिमांड की और उसी के बाद उन्होंने मंत्री बनने का फैसला लिया है. नीतीश कुमार ने कभी भी उन्हें राजनीति में आने के लिए नहीं कहा.

संक्षिप्त खबर

भागलपुरझ्रमुजफ्फरपुर एक्सप्रेस को एलएचबी कोच का तोहफा, अब और आरामदायक होगा सफर.. जानें कब से शुरूआत

मुंगेरः पूर्व रेलवे के मालदा मंडल ने यात्रियों की सुरक्षा और बेहतर यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है. 13419/13420 भागलपुर-मुजफ्फरपुर-भागलपुर एक्सप्रेस ट्रेन को अब पारंपरिक आईसीएफ कोच की जगह आधुनिक एलएचबी (लिंके हॉफमैन बुश) कोचों से लैस किया जाएगा. मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम मांझी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह बदलाव रेलवे के आधुनिकीकरण अभियान का हिस्सा है.

एलएचबी कोच की उन्नत विशेषताएंः एलएचबी कोच अपनी बेहतर सुरक्षा तकनीक, एंटी-टेलीस्कोपिक डिजाइन, उन्नत सस्पेंशन सिस्टम और आरामदायक इंटीरियर के लिए प्रसिद्ध हैं. इन कोचों में दुर्घटना की स्थिति में डिब्बों के एक-दूसरे पर चढ़ने की आशंका बहुत कम हो जाती है. साथ ही बेहतर सस्पेंशन के कारण यात्रा के दौरान झटके कम महसूस होते हैं, जिससे लंबी दूरी की यात्रा भी सुविधाजनक और थकान रहित हो जाती है.

नए रैक की संरचनाः नए एलएचबी रैक में कुल 17 कोच होंगे. इनमें 9 सामान्य (अनारक्षित) कोच, 4 स्लीपर क्लास कोच और 2 वातानुकूलित थ्री-टियर एसी कोच शामिल किए गए हैं. इस विविधतापूर्ण व्यवस्था से सामान्य यात्रियों, मध्यमवर्गीय यात्रियों तथा एसी सुविधा चाहने वाले यात्रियों सभी को बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे.

16 मई से लागू होगी नई व्यवस्थाः मालदा मंडल ने स्पष्ट किया है कि 16 मई 2026 से भागलपुर और मुजफ्फरपुर दोनों दिशाओं से यह ट्रेन एलएचबी कोचों के साथ संचालित की जाएगी. इस तारीख से यात्रियों को नई सुविधाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा.

दैनिक और लंबी दूरी के यात्रियों को फायदाः यह बदलाव खासकर दैनिक यात्रियों, नियमित रूप से सफर करने वाले लोगों तथा त्योहारों और छुट्टियों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरा साबित होगा. एलएचबी कोचों में उपलब्ध बेहतर सीटिंग और आधुनिक सुविधाएं लंबी यात्रा को अधिक आरामदायक बनाएंगी.

क्या है रेलवे की प्राथमिकताः पूर्व रेलवे के मालदा मंडल का कहना है कि यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है. एलएचबी कोचों का इस ट्रेन में शामिल किया जाना इसी दिशा में एक ठोस कदम है. रेलवे अधिकारियों ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में अन्य ट्रेनों में भी एलएचबी कोच और आधुनिक सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा.

बिहार में फिर अपराधियों का दुस्साहस, गया में किसान की हत्या.. सड़क किनारे मिली लाश

गयाजीः बिहार के गयाजी में अपराधियों ने एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी. इस तरह की घटना की खबर फैलते ही इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया है. किसान की हत्या अपराधियों के किस गिरोह ने और क्यों की है, फिलहाल पुलिस इसका पता लगाने में जुट गई है. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतक किसान नवादा जिले के मेसकौर गांव का रहने वाले रहने वाला था.

गयाजी में किसान की हत्या : पुलिस ने बताया कि, किसान की गोली मारकर हत्या कर दिए जाने की घटना सामने आई है. मृतक की पहचान नवादा जिले के मेसकौर थाना अंतर्गत सातन बिगहा गांव निवासी महताब खान (50 वर्ष) के रूप में हुई है.

गोविंदपुर गांव के पास किसान का शव बरामद : हत्या की वारदात को गयाजी जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र में अपराधियों द्वारा अंजाम दिया गया है. पुलिस ने वजीरगंज थाना अंतर्गत गोविंदपुर गांव के समीप से किसान महताब खान का शव बरामद किया है. शव की बरामदगी के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

अपराधियों ने मारी गोली, खोखा बरामद : जानकारी के अनुसार, किसान महताब खान की गोली मारकर हत्या की गई है. घटनास्थल के पास से एक खोखा भी पुलिस ने बरामद किया है. बताया जाता है, कि महताब खान गुरुवार शाम अपने घर से निकले था. देर रात तक घर नहीं लौटे. जिसके बाद परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की.

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा : इसी बीच शुक्रवार सुबह किसी ने गयाजी के वजीरगंज प्रखंड के कारी पंचायत अंतर्गत गोविंदपुर के समीप शव मिलने की सूचना दी. घटना की जानकारी के बाद वजीरगंज थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है. एफएसएल की मदद से मामले की जांच की जा रही है.

'मोबाइल पर कॉल आया.. और घर से निकल गए' : परिवार ने बताया कि, ''गुरुवार शाम उनके मोबाइल पर एक कॉल आया था, जिसके बाद वह बाइस से घर से निकले थे. इसी दौरान उन पर हमला किया गया और गोली मारी गई. घटनास्थल पर बाइक गिरी थी और वहीं, पर उनका शव पडा हुआ था.''

'महताब खान की हत्या के पीछे कौन?' : बताया जाता है, कि नवादा और गयाजी से सटा इलाका सातन बिगहा और गोविंदपुर है, जहां घटना को अंजाम दिया गया. फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है. वजीरगंज पुलिस इस घटना की पड़ताल में जुट गई है. महताब खान की हत्या के पीछे कौन लोग हैं, इसका पता लगाया जा रहा है.

परिवार का रो-रोकर बुरा हालः फिलहाल इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. वहीं, घटना की जानकारी होते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हुआ है. बताया जाता है, कि महताब खान के दो भाइयों की पहले ही मौत हो चुकी है. महताब खान अकेले पूरे परिवार के मुखिया के समान थे. उनकी हत्या के बाद परिवार के लोगों का बुरा हाल हुआ है.

हत्या या आत्महत्या क्या बोली पुलिस? : वही, इस संबंध में वजीरगंज थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया है, कि महताब खान नाम के व्यक्ति की हत्या हुई है. शुरूआती जांच में प्रतीत हो रहा है, कि गोली मारकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है. पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है.

गयाजी में नगर निगम प्रभारी और आयुक्त में भिड़ंत, कार्यालय में हुई तीखी नोकझोंक

एजेंसी

गयाजीः शहर के नगर निगम में शुक्रवार की सुबह सैरात निविदा को लेकर प्रभारी नगर आयुक्त व सहायक भीड़ गए. दोनों के बीच तीखी बहस हुई. विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे को ह्लदेख लेनेह्व तक की बात कही गई. घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो निगम कार्यालय में चर्चा का विषय बना हुआ है.

क्यों हुआ था विवाद

मिली जानकारी के अनुसार, नगर निगम में केदारनाथ मार्केट, पंचायती अखाड़ा बस स्टैंड समेत तीन स्थानों की सैरात निविदा निष्पादन की प्रक्रिया शुक्रवार को होनी थी. इसी दौरान प्रभारी नगर आयुक्त शशिकांत और सहायक निशांत कुमार के बीच विवाद उत्पन्न हो गया. बहस के दौरान दोनों पक्षों की ओर से तीखी भाषा का इस्तेमाल किया गया और कार्यालय परिसर में काफी देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही.

अधिकारियों व कर्मचारियों ने कराया शांत

कार्यालय में मौजूद कई अधिकारी और कर्मचारी दोनों पक्षों को शांत कराने में जुटे रहे, लेकिन काफी देर तक माहौल गर्म बना रहा. घटना के दौरान आसपास के लोग भी जमा हो गए. निगम कार्यालय में इस घटना को लेकर कर्मचारियों के बीच तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं.

प्रभारी नगर आयुक्त ने क्या कहा

प्रभारी नगर आयुक्त शशिकांत ने बताया कि उन्हें नगर आयुक्त की ओर से केवल रूटीन कार्यों के निष्पादन का प्रभार दिया गया है. उन्होंने कहा कि वित्तीय अधिकार नहीं होने के कारण वे सैरात निष्पादन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ा सकते थे. उनका आरोप है कि सहायक की ओर से इस कार्य को लेकर दबाव बनाया जा रहा था. उन्होंने यह भी कहा कि किसी अधिकारी को अपने चेंबर में बैठिये कहना संविधान और प्रशासनिक मयार्दा के अनुकूल नहीं है.

कार्यालय में चर्चा का विषय बनी घटना

नगर निगम के कर्मचारियों के बीच इस घटना को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं. कुछ कर्मचारी एक पक्ष को दोषी ठहरा रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि इस तरह की घटनाएं कार्यालय की कार्यसंस्कृति पर गलत प्रभाव डाल रही हैं. बताया जा रहा है कि इस तरह का तनावपूर्ण माहौल निगम कार्यालय में पहले भी कई बार बन चुका है.

लीची किसानों की समस्या पर शिवराज सिंह चौहान का बड़ा फैसला, बनी विशेषज्ञ कमेटी

एजेंसी

बिहारः केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिहार के लीची किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए बड़ा फैसला किया है. लीची स्टिंग बग के कारण फसल को हो रहे नुकसान को देखते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री के निर्देश पर एक विशेषज्ञ कार्यबल (टास्क फोर्स) का गठन किया गया है.यह टीम बिहार के प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का आकलन करेगी और किसानों को राहत देने के लिए सुझाव देगी.

कृषक संवाद कार्यक्रम में उठा था मुद्दा

जानकारी के अनुसार, 7 मई को केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान में आयोजित कृषक संवाद कार्यक्रम के दौरान किसानों ने लीची स्टिंग बग की समस्या केंद्रीय मंत्री के सामने रखी थी.किसानों ने बताया था कि इस कीट के कारण लीची फसल को भारी नुकसान हो रहा है. मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय मंत्री ने तुरंत विशेषज्ञ कमेटी गठित करने का निर्देश दिया.

एक सप्ताह में देनी होगी रिपोर्ट

राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह टास्क फोर्स प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर फसल क्षति का वैज्ञानिक अध्ययन करेगी.इसके साथ ही टीम किसानों के लिए तात्कालिक और दीर्घकालिक समाधान सुझाएगी. कार्यबल को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट केंद्रीय कृषि मंत्री को सौंपनी होगी.

विशेषज्ञ और वैज्ञानिक शामिल

इस टास्क फोर्स में कई प्रमुख संस्थानों के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को शामिल किया गया है.राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के निदेशक को इसका अध्यक्ष बनाया गया है. इसके अलावा बिहार सरकार, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, बिहार कृषि विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के विशेषज्ञों को सदस्य बनाया गया है.

किसानों के लिए राहत का संदेश

केंद्रीय कृषि मंत्री की इस पहल को लीची किसानों के लिए राहत और भरोसे का बड़ा कदम माना जा रहा है. किसानों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई होने से फसल को बड़े नुकसान से बचाया जा सकता है.

कचरा उठाव को लेकर सफाई कर्मियों और सिटी मैनेजर में विवाद, पुलिस पहुंची

एजेंसी

सीवानः सीवान.नगर परिषद कर्मियों की चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच शुक्रवार को शहर में कचरा उठाव कराने पहुंचे सिटी मैनेजर ओमप्रकाश का सफाई कर्मियों ने विरोध किया. विरोध के दौरान सफाई कर्मियों और सिटी मैनेजर के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जो बाद में धक्का-मुक्की और हाथापाई तक पहुंच गयी.घटना के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया. बताया जाता है कि हड़ताल के कारण शहर में लगातार कूड़े का अंबार लग रहा है. इसी को देखते हुए नगर परिषद प्रशासन की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कचरा उठाव कराने का प्रयास किया जा रहा था.इसकी जानकारी मिलते ही हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मी मौके पर पहुंच गये और इसका विरोध शुरू कर दिया. कर्मियों का कहना था कि उनकी मांगों की अनदेखी कर प्रशासन जबरन काम कराने का प्रयास कर रहा है. दूसरे दिन भी जारी रही नगर परिषद कर्मियों की हड़ताल, मुख्य गेट पर लगाया कूड़ा

अनिश्चितकालीन हड़ताल के दौरान प्रशासन के खिलाफ जताया विरोध

मुख्य गेट पर मृत जानवर का शव टंगे रहने से पूरे परिसर में तेज दुर्गंध फैल गयी। आसपास के दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय लोगों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा. लोगों ने बताया कि दुर्गंध इतनी अधिक है कि वहां कुछ देर खड़ा रहना भी मुश्किल हो गया है. आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें अपने घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद रखने को मजबूर होना पड़ रहा है. कई लोगों ने इस तरीके को अनुचित बताते हुए प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप की मांग की है.स्थानीय लोगों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब सफाई कर्मियों ने इस प्रकार का प्रदर्शन किया हो.

दुकानदारों और राहगीरों ने प्रशासन से की हस्तक्षेप की मांग

कुछ वर्ष पहले भी हड़ताल के दौरान नगर परिषद कार्यालय के बाहर जानवर का शव टांगकर विरोध जताया गया था. उस समय भी पूरे इलाके में दुर्गंध फैलने से लोगों को काफी परेशानी हुई थी.इधर, बिहार राज्य स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ (ऐक्टू) के नेतृत्व में सफाई कर्मियों की हड़ताल लगातार जारी है. कर्मियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर प्रशासन सकारात्मक निर्णय नहीं लेता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा.

आंखें फोड़ डाली, कान काटा, बिहार में हत्या की सनसनीखेज वारदात

पूर्णिया : बिहार के पूर्णिया में सनसनीखेज हत्या की वारदात हुई है, जिससे इलाके में दहशत है. हत्यारे ने इतनी दरिंदगी की कि हर शव देखकर हर कोई दहल गया. आरोपी ने क्रूरता की हद पार करते हुए पहले 65 वर्षीय बुजुर्ग की आंखें निकली, कान काटा और फिर हत्या की वारदात को अंजाम दिया. मामला पूर्णिया के अमौर थाना क्षेत्र के बांगरा गांव का है.

पूर्णिया में हत्या से दहशत : हत्या के आरोपियों ने मर्डर करने के बाद शव गांव से कुछ दूर मकई के खेत में फेंक दिया. मृतक के परिजनों ने बताया कि एक दिन पहले से ही बुजुर्ग घर से लापता थे, सूचना मिलते ही अमौर थाना प्रभारी के अलावे बायसी एसडीपीओ जितेंद्र पांडे और डॉग स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है. मृतक की पहचान 65 वर्षीय इलियास हुसैन के रूप में हुई.'हत्या से पहले आंखें निकाली और काटे कान' : पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. वहीं परिजन से पूछताछ कर जांच में जुट गई. मृतक के भतीजा शमशेर ने कहा कि इलियास कल शाम से ही लापता थे. रात में भी उनकी खोज की गई. आज सुबह में मकई खेत में शव पाया गया. उनकी आंखें निकाल लिया गया था, साथ ही कान भी कटा हुआ था. किसी ने बड़ी बेरहमी से उनकी हत्या कर दी है.वहीं घटनास्थल पर पहुंचे एसडीपीओ जितेन्द्र पांडे बताया कि जैसे ही जानकारी मिली वह घटनास्थल पर पहुंचे.

.सड़क हादसे में घायल युवक की 10 दिनों बाद मौत, परिजनों में मचा कोहराम

एजेंसी

खगड़िया : पसराहा थाना क्षेत्र के बंदेहरा-भरतखंड मुख्य मार्ग पर झंझरा पेट्रोल पंप के पास बीते 30 अप्रैल को हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 17 वर्षीय युवक मंचल कुमार की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई. मृतक की पहचान झंझरा (वार्ड संख्या 18) निवासी ओपी मुनि के पुत्र के रूप में हुई है. युवक की मौत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

पेट्रोल भरवाने जाने के दौरान हुआ था हादसा

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक मंचल कुमार 30 अप्रैल को अपनी बाइक से झंझरा स्थित पेट्रोल पंप पर तेल भरवाने जा रहा था. इसी दौरान उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई. हादसा इतना भीषण था कि मंचल के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और वह सड़क पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा. घटना की सूचना मिलते ही पसराहा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया.

बेगूसराय में चल रहा था इलाज

मंचल की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल खगड़िया रेफर कर दिया था. वहां भी स्वास्थ्य में सुधार न होने पर उसे बेगूसराय के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. पिछले 10 दिनों से वह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा था, लेकिन शुक्रवार को अस्पताल में उसने अंतिम सांस ली. परिजनों ने बताया कि मंचल अभी काफी छोटा था और इस घटना ने पूरे परिवार को तोड़ कर रख दिया है. पुलिस ने कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. झंझरा गांव के लोग इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं.

खबर संक्षेप

साउथ इंडियन बैंक के लाभ में 19 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। साउथ इंडियन बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 407.50 करोड़ रुपये रहा। बैंक का शुद्ध लाभ 342.19 करोड़ रुपये रहा था। 2025-26 की समूची अवधि में उसका शुद्ध लाभ 12 प्रतिशत बढ़कर 1,455 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 1,303 करोड़ रुपये था।

जीसीपीएल का लाभ बढ़कर हुआ 451.77 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 9.67 प्रतिशत बढ़कर 451.77 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से घरेलू बाजार से मात्रा में बढ़ोतरी और लागत का बेहतर प्रबंधन ने लाभ बढ़ा है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 411.9 करोड़ रुपये था।

बजाज ऑटो का लाभ 94% बढ़कर 3,492 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। बजाज ऑटो लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में 93.81 प्रतिशत बढ़कर 3,492.21 करोड़ रुपये रहा। बजाज ऑटो ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 1,801.85 करोड़ रुपये रहा था।

पेटीएम को 183 करोड़ रुपए का मुनाफा

नई दिल्ली। पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस मार्च, 2026 में समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 183 करोड़ रुपये का एकीकृत मुनाफा कमाया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में पेटीएम को 545 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

एलएंडटी का लाभ 3% घटकर 5,326 करोड़

नई दिल्ली। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ तीन प्रतिशत घटकर 5,326 करोड़ रुपये रहा। 2024-25 की समान तिमाही में लार्सन टुब्रो का शुद्ध लाभ 5,497 करोड़ रुपये था। क्योंकि वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 475 करोड़ रुपये का अपवादस्वरूप लाभ शामिल था।

केपीआईटी 1,138 करोड़ में करेगी इजराइल कंपनी का अधिग्रहण

नई दिल्ली। परिवहन समाधान कंपनी केपीआईटी टेक्नोलॉजीज ने इजराइल की वाहन साइबर सुरक्षा कंपनी साइमोटिव टेक्नोलॉजीज में शत-प्रतिशत हिस्सेदारी 12 करोड़ डॉलर (लगभग 1,138 करोड़ रुपये) में खरीदने की घोषणा की है। कंपनी नेशेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि यह अधिग्रहण कई चरणों में किया जाएगा। इसकी शुरुआत तरजीही पूंजी में एक करोड़ डॉलर के शुरुआती निवेश के साथ होगी। यह निवेश जून, 2026 के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है।

क्रिप्टो फर्म कॉइनबेस ने एआई के चलते 14% कर्मचारियों की छंटनी का किया ऐलान

नई दिल्ली

क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइनबेस ने कहा कि वह अपने 14 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) लोगों के काम करने के तरीके को तेजी से बदल रहा है और कंपनी खुद को अधिक लीन, तेज और एआई-आधारित बनाना चाहती है। कंपनी ने कहा कि प्रभावित कर्मचारियों को उनके पर्सनल ईमेल पर विस्तृत जानकारी भेजी जाएगी, जिसमें उन्हें एचआरबीपी और संगठन के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कॉइनबेस के सीईओ ब्रायन आर्मस्ट्रांग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज मैंने कॉइनबेस के आकार को 14 प्रतिशत तक कम करने का कठिन फैसला लिया है। दो बड़ी चुनौतियां एक साथ सामने हैं और हमें दोनों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।'

- कंपनी ने सुरक्षा कारणों से कर्मचारियों के सिस्टम एक्सेस तुरंत हटा दिए है

कंपनी खुद को अधिक लीन, तेज और एआई-आधारित बनाना चाह रही

कंपनी के पास आय के विविध स्त्रोत है

सीईओ ने बताया कि कंपनी ने सुरक्षा कारणों से कर्मचारियों की सिस्टम एक्सेस तुरंत हटा दी है। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि यह फैसला अचानक और कठोर लग सकता है, लेकिन ग्राहकों की जानकारी की सुरक्षा के लिए यह जरूरी कदम है। सीईओ ने कहा कि पहला कारण बाजार की स्थिति है। उन्होंने बताया कि कॉइनबेस अच्छी तरह से पूंजीकृत है, इसके पास विविध आय स्रोत हैं और यह किसी भी आर्थिक चुनौती का सामना करने में सक्षम है।

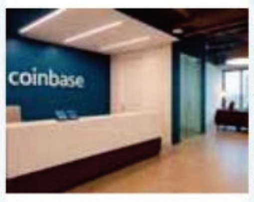

कर्मचारियों को दी जाएगी अतिरिक्त सहायता : अमेरिका में काम करने वाले कर्मचारियों को कम से कम 16 सप्ताह का बेस पे (साथ ही हर साल के हिसाब से अतिरिक्त 2 सप्ताह), अगला इक्विटी वेस्टिंग और 6 महीने तक कोबरा बेनिफिट्स दिए जाएंगे। वर्क वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों को अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। अमेरिका के बाहर के कर्मचारियों को भी स्थानीय नियमों के अनुसार इसी तरह का सपोर्ट मिलेगा।

एआई आधारित कंपनी के रूप में तैयार किया जाएगा

सीईओ ने आगे कहा कि छोटे और फोकस्ड टीम के साथ काम करने की क्षमता तेजी से बढ़ी है और यह बदलाव लगातार तेज हो रहा है।आर्मस्ट्रांग ने कहा कि कंपनी जानबूझकर और समय रहते बदलाव कर रही है, ताकि कॉइनबेस को एक लीन, तेज और एआई-आधारित कंपनी के रूप में फिर से तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा, 'हमें अपनी स्टार्टअप वाली गति और फोकस पर लौटना होगा, जिसमें एआई केंद्र में हो।'

नॉन-टेक्निकल टीमें भी अब प्रोडक्शन कोड बना रही

हालांकि, उन्होंने माना कि कंपनी का कारोबार तिमाही दर तिमाही उतार-चढ़ाव वाला रहता है। आर्मस्ट्रांग ने कहा, 'हम इस चक्रीय स्थिति से पहले भी निकलकर मजबूत हुए हैं, लेकिन फिलहाल बाजार कमजोर है और हमें अपनी लागत संरचना में बदलाव करना होगा, ताकि हम अगले विकास चरण के लिए ज्यादा मजबूत बन सकें।' उन्होंने दूसरा बड़ा कारण एआई को बताया। उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल में मैंने देखा है कि इंजीनियर एआई की मदद से वह काम कुछ दिनों में कर रहे हैं, जो पहले हफ्तों में होता था। नॉन-टेक्निकल टीमें भी अब प्रोडक्शन कोड बना रही हैं और कई प्रक्रियाएं ऑटोमेट हो रही हैं।'

उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की संयुक्त रिपोर्ट

बढ़ती लागत के दबाव से निपटने प्रौद्योगिकी को अपना रहा रियल एस्टेट क्षेत्र : रिपोर्ट

नई दिल्ली

भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र बढ़ती लागत के दबाव और सख्त नियामकीय अनुपालन के बीच मूल्य श्रृंखला में दक्षता बढ़ाने के लिए तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों (टूल) को अपना रहा है। उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रियल एस्टेट बाजार 2047 तक 5,800 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा जो 2025 में 650 अरब डॉलर का था। फिक्की और परामर्श कंपनी केपीएमजी की रिपोर्ट 'भारत के रियल एस्टेट परिदृश्य की पुनर्कल्पना - मूल्य श्रृंखला परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका' बृहस्पतिवार को यहां जारी की गई।

अब डेटा आधारित माध्यमों को अपनाया जा रहा

फिक्की द्वारा आयोजित एक रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन में जारी रिपोर्ट में कहा गया, ''... यह क्षेत्र अब मूल्य श्रृंखला में तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों को अपना रहा है।'' रिपोर्ट कहती है कि भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र परियोजनाओं की योजना, निष्पादन, बिक्री और प्रबंधन के तरीके में संरचनात्मक बदलाव का अनुभव कर रहा है।

- मूल्य श्रृंखला में दक्षता बढ़ाने डिजिटल टूल अपना रहा
- भारत का रियल एस्टेट बाजार 2047 तक 5,800 अरब डॉलर पहुंच जाएगा
- वर्ष 2025 में देश का रियल एस्टेट क्षेत्र 650 अरब डॉलर का था

रीट व इनवीट से 16 अरब डॉलर की राशि जुटाई गई

इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि रीट (रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट) और इनविट (इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट) के माध्यम से 16 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि जुटाई गई है। यह दर्शाता है कि बाजार अब संस्थागत रूप से प्रबंधित, पारदर्शी मंचों की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है।

मैन्युअल की जगह अब डिजिटल समाधान — रिपोर्ट कहती है, ''ये कारक बिल्डर को मैन्युअल, प्रतिक्रियात्मक प्रक्रियाओं से हटकर सक्रिय डिजिटल समाधान की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।'' अन्य स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रियल एस्टेट बाजार, जिसका मूल्य 2025 में 650 अरब अमेरिकी डॉलर था, 2047 तक 5,800 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।

प्रमुख कारकों को सूचीबद्ध किया गया : फिक्की और केपीएमजी ने इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की स्वीकार्यता बढ़ाने के प्रमुख कारकों को सूचीबद्ध किया है। इसमें लागत दक्षता की अनिवार्यता, बढ़ी हुई नियामकीय और अनुपालन अपेक्षाएं, संस्थागत पूंजी की बढ़ती भागीदारी और अधिक जागरूक और सक्रिय घर के खरीदार शामिल हैं।

आज के उपभोक्ता पहले से अधिक जानकार

कार्यक्रम के दौरान, स्क्वायर याड्र्स के सह-संस्थापक और मुख्य निवेश अधिकारी (सीआईओ) हितेश सिंगला ने कहा कि भारतीयों के रियल एस्टेट से जुड़ने के तरीके में निर्णायक बदलाव आया है। उन्होंने कहा, ''आज के उपभोक्ता कुछ साल पहले की तुलना में कहीं अधिक जानकार, डिजिटल रूप से जागरूक हैं।

संपत्ति लेनदेन को अब अलग थलग नहीं देखा जाता

संपत्ति लेनदेन को अब अलग-थलग खरीदारी के रूप में नहीं देखा जाता है। खरीदार अब खोज, वित्तपोषण, सलाहकार सेवाओं, दस्तावेजीकरण और बिक्री के बाद की सेवा तक एक सहज प्रक्रिया की अपेक्षा करते हैं।''

देश में बिजली की मांग 5.5% तक बढ़ सकती है : इक्रा

नई दिल्ली

- वाणिज्यिक गतिविधियों के बढ़ने से मांग बढ़ने की उम्मीद
- अल नीनो के कारण घरेलू क्षेत्रों में भी मांग बढ़ सकती है

औद्योगिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों के निरंतर बढ़ने से 2026-27 में बिजली की मांग 5.0-5.5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। 2025-26 में यह वृद्धि केवल एक प्रतिशत रही थी। साख निर्धारण करने वाली एजेंसी इक्रा ने यह बात कही।

इक्रा ने बयान में कहा कि संभावित 'अल नीनो' के बीच सामान्य से कम वर्षा के आसार से वित्त वर्ष 2026-27 में कृषि एवं घरेलू क्षेत्रों से भी मांग को समर्थन मिलने की संभावना है। साथ ही उद्योगों तथा इलेक्ट्रिक वाहनों एवं डाटा सेंटर जैसे उभरते स्रोतों से भी मांग बढ़ेगी। देश में तापीय बिजली संयंत्रों का 'प्लांट लोड फैक्टर' (पीएलएफ या क्षमता उपयोग) 2025-26 में मांग में कमी के कारण घटकर 65-66 प्रतिशत रह गया।

कंपनियों के बही खातों में सुधार हुआ है

समूचे भारत में वितरण कंपनियों के बही-खाता घाटे में 2024-25 में 2023-24 की तुलना में सुधार हुआ। मार्च 2025 तक राज्य-स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनियों का सकल ऋण घटकर 7.1 लाख करोड़ रुपये रह गया जो मार्च 2024 में 7.4 लाख करोड़ रुपये था। वर्तमान राजस्व और लाभप्रदता को देखते हुए हालांकि इतना उच्च ऋण स्तर कंपनियों के लिए टिकाऊ नहीं है।

आरबीआई 'मनी चेंजरों' के लिए नए लाइसेंस नहीं करेगी जारी

मुंबई

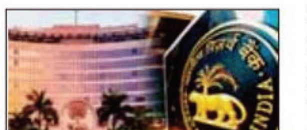

- विदेशी मुद्रा लेनदेन से जुड़े संस्थानों के लिए नए मानक जारी
- उद्देश्य, अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाना

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा लेनदेन से जुड़े संस्थानों के लिए संशोधित मानक जारी करते हुए कहा है कि अब 'मनी चेंजरों' के लिए नए लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे। केंद्रीय बैंक ने 'विदेशी मुद्रा प्रबंधन (अधिकृत व्यक्ति) विनियमन, 2026' के तहत यह बदलाव किया है।

इसका उद्देश्य विदेशी मुद्रा सेवाओं की उपलब्धता में सुधार करना और अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। आरबीआई ने कहा कि नए ढांचे के तहत विदेशी मुद्रा लेनदेन करने के लिए सभी संस्थाओं को उसकी अनुमति लेना अनिवार्य होगा। साथ ही विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के लिए अधिकृत डीलरों की श्रेणियों और नियमों को भी संशोधित किया गया है। नए नियमों के तहत, नए लाइसेंस के लिए आवेदन तीन श्रेणियों में किया जा सकेगा। बैंकों को अधिकृत डीलर श्रेणी-1 के तहत आवेदन करना होगा। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), पूरी तरह मनी चेंजर का काम करने वाले या दो वर्षों से काम कर रहे एवं दो वित्त वर्षों में औसतन 50 करोड़ रुपये का वार्षिक विदेशी मुद्रा कारोबार करने वाले संस्थान अधिकृत डीलर श्रेणी-2 के तहत आवेदन कर सकेंगे।

मनी चेंजर के लिए आवेदन पर अब विचार नहीं : वहीं, विदेशी मुद्रा से जुड़े नवाचार आधारित उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ अन्य संस्थाओं को अधिकृत डीलर श्रेणी-3 में रखा गया है।

नए लाइसेंस के लिए नेटवर्थ मानदंड पूरा करना होगा

नए नियमों के तहत लाइसेंस पाने के लिए संस्थाओं का कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत होना और निर्धारित न्यूनतम नेटवर्थ मानदंडों को पूरा करना भी जरूरी होगा।

ईरान संकट से मोटरसाइकिल की मांग में आई नरमी : बजाज ऑटो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भारत के दोपहिया बाजार पर भी दिखने लगा है। शुरुआती स्तर की मोटरसाइकिलों की मांग पर दबाव आया है, जबकि इलेक्ट्रिक स्कूटर की मांग बढ़ गई है। बजाज ऑटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह बात कही। दोपहिया वाहन विनिर्माता बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा ने विश्लेषकों के साथ चर्चा में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़े मोटरसाइकिल बाजार के अब घटकर सात-नौ प्रतिशत की वृद्धि तक ही सीमित रह जाने का अनुमान है। शर्मा ने मांग में सुस्ती के संकेतों के बारे में पूछे जाने पर कहा, /"पहले 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा मोटरसाइकिल उद्योग अप्रैल में सिर्फ नौ प्रतिशत की दर से बढ़ा।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 114 अंक टूटा

- बाजार में विदेशी कोषों कि निकासी जारी रही
- निवेशक ईरान की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे

मुंबई

विदेशी कोषों की निकासी तथा वैश्विक अनिश्चितता के बीच बृहस्पतिवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजार में मामूली गिरावट आई। निवेशकों के सतर्क रुख के चलते सेंसेक्स 114 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान ऊपर-नीचे होने के बाद अंत में 114 अंक टूटकर 77,844.52 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 78,384.70 अंक के उच्चस्तर तक गया और 77,713.21 अंक के निचले स्तर तक आया। सेंसेक्स में 671.49 अंक का उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वहीं निफ्टी 4.30 अंक मामूली नुकसान के साथ 24,326.65 अंक पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में रही बढ़त : शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 5,834.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। अन्य एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजारों में गिरावट थी।

सीजी पावर के लाभ में 32 फीसदी का उछाल...

नई दिल्ली। सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 32 प्रतिशत बढ़कर 362 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आमदनी बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 274 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।कंपनी ने बयान में कहा कि तिमाही में उसकी बिक्री बढ़कर 3,442 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 2,753 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को कुल 19,616 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।

रिकॉर्ड बिक्री के साथ वित्त वर्ष 2027 में सोनालीका की दमदार शुरुआत

नई दिल्ली

भारत से ट्रैक्टर निर्यात में अग्रणी सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ की है। कंपनी ने अप्रैल महीने में अब तक की सर्वाधिक 16,223 ट्रैक्टरों की कुल बिक्री दर्ज कर 35.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है। यह वृद्धि उद्योग की 27 प्रतिशत विकास दर से भी अधिक रही, जिससे कंपनी ने बाजार हिस्सेदारी में मजबूत बढ़त बनाई है। अपने 30वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी सोनालीका किसानों को 'जीतने का दम' देने की अपनी विचारधारा पर कायम है और उन्नत कृषि तकनीकों के जरिए खेती को अधिक आधुनिक, प्रभावी और लाभकारी बनाने पर जोर दे रही है। कंपनी का कहना है कि बढ़ते मशीनीकरण, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और जीएसटी दरों में कटौती से कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों की मांग तेज होगी।

कंपनी के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर रमन मित्तल ने कहा कि किसानों का तकनीक आधारित खेती की ओर बढ़ता रुझान कंपनी की सफलता का प्रमुख आधार है। उन्होंने भरोसा जताया कि गोल्ड सीरीज जैसे आधुनिक उत्पाद भारतीय कृषि के भविष्य को और मजबूत बनाएंगे।

कंपनी बर्फीले इलाकों में कर रही टेस्टिंग

मारुति की जिम्नी अब इलेक्ट्रिक अवतार में होने जा रही लांच

नई दिल्ली

मारुति सुजुकी अपनी मशहूर ऑफ-रोड एसयूवी जिम्नी को नए इलेक्ट्रिक अवतार में लाने की तैयारी कर रही है। इस गाड़ी के इलेक्ट्रिक वर्जन को बर्फीले इलाकों में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। आमतौर पर कंपनियां नई गाड़ियों को बहुत ठंडे मौसम में इसलिए टेस्ट करती हैं ताकि यह पता चल सके कि बैटरी, मोटर और बाकी इलेक्ट्रिक सिस्टम ठंड में सही तरीके से काम करते हैं या नहीं। टेस्टिंग के दौरान जो जिम्नी ईवी नजर आई, वह पूरी तरह से कवर यानी कैमोफ्लाज की गई थी, ताकि इसका असली डिजाइन लोगों को साफ दिखाई न दे। फिर भी जो झलक मिली है, उससे लगता है कि इसका लुक मौजूदा पेट्रोल जिम्नी जैसा ही रहेगा। इसमें बॉक्सी डिजाइन, और मजबूत बॉडी स्ट्रक्चर बरकरार रहेगा, जो इसे ऑफ-रोडिंग के लिए खास बनाता है।

- बैटरी, मोटर और बाकी इलेक्ट्रिक सिस्टम ठंड में सही काम करते हैं की नहीं

जल्द लांच हो सकती है गाड़ी

फिलहाल कंपनी ने इसकी बैटरी, रेंज या लांच डेट के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। लेकिन जिस तरह से इसकी टेस्टिंग चल रही है, उससे उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले कुछ सालों में यह गाड़ी बाजार में आ सकती है। ऐसे में कहा जा सकता है कि अगर जिम्नी का इलेक्ट्रिक वर्जन लांच होता है तो यह उन लोगों के लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है जो एक मजबूत, ऑफ-रोड एसयूवी चाहते हैं और साथ ही इलेक्ट्रिक गाड़ी का फायदा भी लेना चाहते हैं।

मजबूत सस्पेंशन : एक और जरूरी चीज जो सामने आई है, वो गाड़ी का मजबूत सस्पेंशन सेटअप है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें सॉलिड फ्रंट एक्सल देखा गया, जो आमतौर पर ऑफ-रोड गाड़ियों में इस्तेमाल होता है। इसका मतलब है कि कंपनी इसे सिर्फ शहर के लिए नहीं, बल्कि खराब और उबड़-खाबड़ रास्तों के लिए भी तैयार कर रही है। जिम्नी ईवी ऑफ-रोडिंग में भी काफी दमदार साबित हो सकती है।

टेस्टिंग के दौरान नजर आई ईवी

गाड़ी में इलेक्ट्रिक होने की वजह से इसमें कुछ बदलाव भी दिखे हैं। जैसे ईवी का फ्रंट ग्रिल बंद नजर आया। पेट्रोल या डीजल गाड़ियों में ग्रिल खुला होता है इंजन को ठंडा रखने के लिए हवा अंदर जा सके। इलेक्ट्रिक गाड़ियों में इसकी जरूरत कम होती है, इसलिए ग्रिल को बंद बनाया जाता है। गाड़ी में पतली हेडलाइट्स और नीचे की तरफ छोटे एयर वेंट्स दिखे, जो बैटरी और इलेक्ट्रिक पार्ट्स को ठंडा रखने में मदद कर सकते हैं।

सेबी ने 'महत्वपूर्ण सूचकांक' के निर्धारण के लिए पेश की रूपरेखा

नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने महत्वपूर्ण सूचकांक के निर्धारण के मामले में मंगलवार को एक नई रूपरेखा पेश की। इसके तहत किसी भी सूचकांक को उस समय 'महत्वपूर्ण सूचकांक' माना जाएगा, जब उसे ट्रैक करने वाली म्यूचुअल फंड योजनाओं का दैनिक औसत संयुक्त प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) पिछले छह महीनों में लगातार 20,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा हो। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि इस कदम का उद्देश्य सूचकांक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करना है। परिपत्र के मुताबिक, सूचकांक वर्गीकरण की यह सीमा प्रत्येक वर्ष 30 जून और 31 दिसंबर को समाप्त होने वाली छमाही आधार पर आंकी

आईपीएल में गेंदबाजों को बारीकी से तैयारी करनी होती है : फ्रेंकलिन

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच जेम्स फ्रेंकलिन ने कहा कि आईपीएल में गेंदबाजों को बल्लेबाजों के आक्रामकता से रन बनाने के तरीकों की गहरी समझ होनी चाहिये। जेम्स ने अपने इस तर्क को पैट कमिंस के उस दांव से जोड़ा जिसमें उन्होंने पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य की 'पूल शॉट' खेलने की आदत का फायदा उठाया था। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान कमिंस ने आर्य को आफ स्टम्प के बाहर बाउंसर फेंका और अपर कट की बजाय आर्य ने पूल शॉट खेला जिससे गेंद डीप स्क्वेयर लेग पर खड़े एशान मलिंगा के हाथों में गई । फ्रेंकलिन ने मैच के बाद कहा ,'' पैट कमिंस और मुख्य कोच डेनियल विटोरी को काफी बारीकी से जानकारी है और मुझे लगता है कि आईपीएल में बल्लेबाजी इतनी मजबूत है कि हर गेंदबाज को बारीकी से जानकारी होनी चाहिये । खासकर शीर्ष तीन या चार बल्लेबाजों को , विशेष तौर पर पावरप्ले में ।''

बुमराह बहुत ज्यादा चीजें आजमा रहे : उमेश यादव

नई दिल्ली। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज उमेश यादव का कहना है कि जसप्रीत बुमराह बहुत ज्यादा चीजें आजमा रहे हैं और इसी वजह से इस इंडियन प्रीमियर लीग में उनका

प्रदर्शन लगातार एक जैसा नहीं रहा है जबकि भुवनेश्वर कुमार अपनी स्पष्ट योजना के अलावा पावरप्ले और डेथ ओवर दोनों में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत की वजह से कामयाब रहे हैं। भुवनेश्वर आइपीएल के इस सत्र में अभी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए नौ मैच में 17 विकेट लिए हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के बुमराह को इस सत्र में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है और उन्होंने 10 मैच में महज तीन विकेट लिए हैं।

शीर्ष खिलाड़ी तुमकुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में

तुमकुरु (कर्नाटक)। सभी शीर्ष वरीय खिलाड़ियों के बृहस्पतिवार को यहां अपने एकल मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचने से तुमकुरु ओपन आईटीएफ डब्ल्यू35 में रोमांचक मुकाबलों के लिए मंच तैयार हो गया।

लिथुआनिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त जस्टिना मिकुलस्काइट ने पोलैंड की जुजाना कोलोनस के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए 0-6, 6-3, 6-1 से जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त जुजाना पावलिकोवस्का ने भी भारत की सोनल पाटिल पर सीधे सेट में जीत दर्ज की जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त वैदेही चौधरी और चौथी वरीयता प्राप्त जील देसाई ने अपने मुकाबले जीतकर अंतिम आठ में भारत की मजबूत मौजूदगी सुनिश्चित की। वैदेही हमवतन मधुरिमा सावंत पर 6-2, 6-2 की जीत के दौरान पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं जबकि जील ने जेनिफर लुइखाम को 6-2, 6-3 से हराया।

दिल्ली कैपिटल्स व कोलकाता नाइट राइडर्स में 'करो या मरो' का मुकाबला आज

दिल्ली के बल्लेबाजों के सामने वरुण और नारायण की चुनौती

पेचीदा या चकमा खाने वाली पिचों पर बड़ा स्कोर नहीं बचा पा रही दिल्ली

नई दिल्ली

पेचीदा पिचों पर चकमा खाने वाली या अच्छी पिचों पर बड़ा स्कोर नहीं बचा पाने वाली दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुक्रवार को आईपीएल के 'करो या मरो' के मुकाबले में घरेलू मैदान पर भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

दस मैचों में आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर काबिज दिल्ली को अब प्लेआफ में जगह बनाने के लिये 16 अंक तक पहुंचने के लिये बाकी चारों मैच जीतने होंगे। वहीं आठवें स्थान पर खड़ी केकेआर को भी बाकी पांचों मैच जीतने होंगे । ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स का यह मैच किस तरह की पिच पर खेला जायेगा।

दिल्ली पिच नंबर छह पर खेल सकती है

समझा जाता है कि वरूण चक्रवर्ती और सुनील नारायण की फिरकी का सामना करने के लिये दिल्ली बल्लेबाजों की मददगार पिच नंबर छह पर खेल सकती है जिस पर उसने पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाये थे लेकिन जीत फिर भी नहीं मिली थी।

यह पिच चुनने की वजह बल्लेबाजों पर भरोसे की कमी

इस पिच को चुनने की वजह बल्लेबाजों पर भरोसे की कमी है जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू के खिलाफ सीम लेती पिच पर छह विकेट नौ रन पर गंवा बैठे थे। धीमी विकेट पर दिल्ली के बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के राशिद खान या चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद और अकील हुसैन को नहीं खेल पाये थे ।

दिल्ली के लिए कुलदीप का खराब फॉर्म भी चिंता का विषय

सुनील (इकॉनॉमी रेट 6 . 80) और वरूण (इकॉनॉमी रेट 8 . 88) के सामने पाथुम निसांका, समीर रिजवी या करूण नायर को मुश्किलें पेश आ सकती है। दिल्ली के लिये कुलदीप यादव का खराब फॉर्म भी चिंता का सबब है जो दस मैचों में दस से ऊपर की इकॉनॉमी रेट से सात ही विकेट ले सके हैं । ऐसे में बल्लेबाजों की मददगार विकेट पर खेलने के अलावा कोई चारा नहीं रह जाता ।

रिंकू पर रहा बल्लेबाजी का दारोमदार

रिंकू सिंह (145 . 39 की स्ट्राइक रेट से 245 रन) पर ही बल्लेबाजी का दारोमदार रहा है । दिल्ली के लिये केएल राहुल ने आईपीएल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 180 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाये हैं लेकिन दूसरी ओर अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज 200 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं ।

नायर व राणा फॉर्म में नहीं

निसांका पर टीम प्रबंधन का लगातार भरोसा समझ से परे है जो नौ मैचों में 228 रन ही बना सके हैं। करूण नायर और नीतिश राणा फॉर्म में नहीं हैं । गेंदबाजी में मुकेश कुमार, टी नटराजन और अकीब नबी दर महंगे साबित हुए हैं । दिल्ली का कोई भी गेंदबाज दोहरे अंक में विकेट नहीं ले सका और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कप्तान अक्षर पटेल ने की है जिन्होंने 8 . 25 की इकॉनॉमी रेट से नौ विकेट चटकाये हैं ।

हॉकी

आस्ट्रेलिया श्रृंखला के लिए महिला और अंडर-18 पुरुष टीम घोषित

भोपाल

हॉकी इंडिया ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 15 से 20 मई तक होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिये 24 सदस्यीय अंडर 18 पुरूष और महिला टीमों का ऐलान किया । चार मैचों की श्रृंखला भोपाल के भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर खेली जायेगी ।

यह जापान के काकामिगाहारा में 29 मई से छह जून तक होने वाले पुरूष और महिला अंडर 18 एशिया कप की तैयारियों के लिये अहम है। टीम का चयन राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान किया गया जिसमें 42 खिलाड़ियों के समूह में से मैच फिटनेस और तकनीकी कौशल के आधार पर 24 को चुना गया । फॉरवर्ड केतन कुशवाहा अंडर 18 पुरूष टीम के कप्तान होंगे जबकि महिला टीम की कमान स्वीटी कुजूर को सौंपी गई है । पुरूष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा ,'' शिविर के बाद हमने 24 खिलाड़ियों को चुना जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के योग्य हैं । आस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच इस टीम की असल परीक्षा होगी । मैच से हमें अपनी ताकत व कमजोरियों का पता चलेगा।

जूलियन मेथेरेल होंगे एमसीसी के नए अध्यक्ष

लंदन। द हंड्रेड फ्रेंचाइजी लंदन स्पिरिट के अध्यक्ष जूलियन मेथेरेल इस साल अक्टूबर से तीन साल के लिये मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के अगले अध्यक्ष होंगे जो इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज एड स्मिथ की जगह लेंगे । मेथेरेल पिछले 40 साल से एमसीसी के सदस्य हैं और 2025 एजीएम में सदस्यों से हरी झंडी मिलने के बाद इसकी समिति का हिस्सा बने । स्मिथ ने नये अध्यक्ष के तौर पर उनका नामांकन किया। 1787 में स्थापित एमसीसी प्रतिष्ठित लॉड्र्स क्रिकेट ग्राउंड का मालिक है और खेल को नियंत्रित करने वाले नियमों का संरक्षक है।

अंडर-17 महिला एशियाई कप

इतिहास रचने पर भारत की निगाहें

सुजोऊ (चीन)

एशिया की दो बड़ी टीम से हारने के बाद भारतीय टीम अब शुक्रवार को यहां एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में लेबनान के खिलाफ 'करो या मरो' वाले मुकाबले में खेलने उतरेगी और उसे पता है कि इस मैच में जीत उसे पहली बार टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह दिला सकती है।

ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया (0-2) और जापान (0-3) से हारने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि भारत को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए अपने आखिरी मौके के रूप में अंतिम मैच में जीत दर्ज करनी होगी। भारत नॉकआउट चरण की दौड़ में बरकरार है क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली दो टीम में से एक है।

भारत का गोल अंतर अभी -5 (माइनस 5) है जो ग्रुप सी की टीम फिलीपींस (-13) और चीनी ताइपे (-14) से बेहतर है। ये दोनों टीमें आखिरी मैच के दिन एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इसका मतलब है कि अगर भारतीय टीम लेबनान को हरा देती है तो ग्रुप सी की किसी भी टीम को भारत के गोल अंतर को पीछे छोड़ने के लिए बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी।

लेबनान टूर्नामेंट में पहली बार हिस्सा ले रही

पश्चिम एशिया की टीम लेबनान इस टूर्नामेंट में पहली बार हिस्सा ले रही है और उसने अपने अभियान की शुरुआत जापान से 0-13 की करारी हार के साथ की थी। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 से शानदार ड्रॉ खेलकर एक अंक हासिल किया। भारतीय टीम को इस मैच की अहमियत का पूरा अंदाजा है। यह पीढ़ी दो दशकों से भी ज्यादा समय बाद भारत को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में वापस ला रही है और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की संभावना एक और मील का पत्थर साबित होगी। यह साल भारतीय महिला फुटबॉल के लिए सीनियर, अंडर-20 और अंडर-17 तीनों ही स्तरों पर पहले से ही एक ऐतिहासिक साल रहा है। हालांकि इस साल की शुरुआत में सीनियर और अंडर-20 टीमें अपने वर्ग के टूर्नामेंट में शीर्ष आठ में जगह नहीं बना पाई थीं, लेकिन अब अंडर-17 टीम के पास यह कमाल कर दिखाने का सुनहरा मौका है।

पेरिस सेंट जर्मेन चैम्पियंस लीग के फाइनल में पहुंची

एजेंसी ▸▸| म्युनिख

पेरिस सेंट जर्मेन ने बायर्न म्युनिख से 1 . 1 से ड्रॉ खेलकर चैम्पियंस लीग फुटबॉल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में उस्मान डेम्बेले ने तीसरे ही मिनट में गोल दाग दिया। हैरी केन ने स्टॉपेज टाइम में म्युनिख के लिये गोल किया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी । इसके साथ ही उनकी टीम का एक ही सत्र में बुंडेस्लिगा, जर्मन कप और चैम्पियंस लीग जीतने का सपना टूट गया। गत चैम्पियन पीएसजी ने औसत के आधार पर 6-5 से जीत दर्ज की । उसने पेरिस में पिछले सप्ताह पहले चरण का मुकाबला 5-4 से जीता था। अब उसका सामना 30 मई को हंगरी के बुडापेस्ट में आर्सनल से होगा जिसने एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराया और 2-1 से जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया। लगातार दो साल खिताब जीतने वाली रीयाल मैड्रिड आखिरी टीम थी जिसने 2016 से 2018 तक खिताब की हैट्रिक लगाई थी ।

■ बायर्न म्युनिख से 1-1 से ड्रॉ खेला

सुपर रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज : गुकेश ने सिंदारोव को हराया, सो से ड्रॉ खेला

वारसा

डी गुकेश ने विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले की तैयारियां पुख्ता करते हुए सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में अपने चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को पांचवें दौर में हराया और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेसले सो को ड्रॉ पर रोका। उजबेकिस्तान के सिंदारोव को हराने के बाद गुकेश ने वेसले सो को ड्रॉ पर रोका ।

अब उनके छह अंक हो गए हैं जबकि रैपिड वर्ग में तीन राउंड बाकी हैं । सिंदारोव के खिलाफ जीत से उन्हें दो अंक मिले जबकि ड्रॉ से एक अंक हासिल हुआ । सो नौ अंक लेकर अमेरिका के ही हैंस नीमैन के साथ शीर्ष पर हैं । उनके बाद ब्लादीमिर फेडोसीव हैं जो एक अंक पीछे हैं ।

गुकेश, फेबियानो कारूआना , जान क्रिस्टोफ डुडा और मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के छह अंक हैं । ग्रैंड शतरंज टूर के इस टूर्नामेंट में गुकेश ने अपने फॉर्म के कारण और विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले के अभ्यास पर फोकस करने के लिये मुख्य टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया था । रैपिड मुकाबले में उन्होंने चाल दर चाल सिंदारोव को कड़ी चुनौती दी ।

गुकेश को पोलैंड के राडोस्लाव ने हराया था : दोनों इस दौर से पहले अपने पिछले मुकाबले हार चुके थे । गुकेश को पोलैंड के राडोस्लाव वोज्ताशेक ने हराया जबकि सिंदारोव को अमेरिका के वेसले सो ने मात दी । गुकेश ने 52 चालों के बाद जीत दर्ज की ।

ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान एकदिवसीय श्रृंखला 30 मई से

पाक के खिलाफ सीरीज के बावजूद आईपीएल के लिए रुकेंगे ऑस्ट्रेलियाई

मेलबर्न

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की कि कप्तान पैट कमिंस सहित उसके खिलाड़ियों को आईपीएल 2026 में अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने की स्वीकृति मिलेगी और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ 30 मई से शुरू हो रही तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए छूट दी जाएगी। आईपीएल का लीग चरण 24 मई को संपन्न होगा जबकि टूर्नामेंट का फाइनल 31 मई को खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचने का कार्यक्रम है जो आईपीएल का अंतिम चरण होगा। सनराइजर्स हैदराबाद के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''हां, हमें सूचना मिली है कि हमारी टीम में

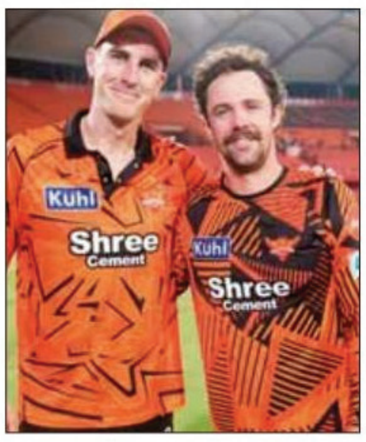

शामिल ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल के लिए रुकेंगे।''

ये खिलाड़ी खेल रहे आईपीएल में

आईपीएल में खेल रहे ऑस्ट्रेलिया के अन्य खिलाड़ी जोश हेजलवुड, टिम डेविड (दोनों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु), मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस (दोनों लखनऊ सुपर जाइंट्स), जेवियर बार्टलेट, मार्कस स्टोइनिस, कूपर कोनोली (तीनों पंजाब किंग्स), मैथ्यू शॉर्ट (चेन्नई सुपरकिंग्स), मिचेल स्टार्क (दिल्ली कैपिटल्स) और कैमरन ग्रीन (कोलकाता नाइट राइडर्स) हैं।

कमिंस व हेड सनराइजर्स टीम का हिस्सा

कप्तान कमिंस के अलावा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी सनराइजर्स की टीम का हिस्सा हैं। हैदराबाद की टीम अभी 14 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर चल रही है और प्ले ऑफ में जगह बनाने की प्रबल दावेदार है।

दिल्ली व कोलकाता नहीं पहुंची नॉकआउट तो ग्रीन, स्टार्क जाएंगे

इनमें से अगर दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स नॉकआउट चरण में नहीं पहुंच पाते हैं तो ग्रीन और स्टार्क लीग चरण के बाद आईपीएल छोड़कर जा सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स अभी 10 मैच में आठ अंक के साथ तालिका में सातवें स्थान पर है जबकि नाइट राइडर्स नौ मैच में सात अंक के साथ आठवें पायदान पर हैं।

मार्श व इंग्लिस हो सकते हैं टीम में शामिल

दूसरी ओर सुपर जाइंट्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी हैं क्योंकि वे नौ मैच में सिर्फ चार अंकों के साथ 10वें स्थान पर हैं। इसलिए मार्श और इंग्लिस भी पहले एकदिवसीय से पूर्व पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हो सकते हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
हैदराबाद	11	7	4	14
पंजाब	10	6	3	13
बेंगलुरु	9	6	3	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	10	6	4	12
चेन्नई	10	5	5	10
दिल्ली	10	4	6	8
कोलकाता	9	3	5	7
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	9	2	7	4

ऑरेंज कैप

क्लासेन
494 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

विश्व कप तीरंदाजी : महिला टीम ने पदक किया पक्का

शंघाई

भारत का तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को प्रदर्शन मिला जुला रहा जब महिला रिकर्व टीम ने रिकॉर्ड दस बार की ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में हराकर पहला पदक पक्का किया लेकिन पुरूष टीम पहले दौर में बांग्लादेश से हार गई।

मिश्रित टीम वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत दूसरे दौर में ब्राजील से शूटआफ में 4-5 से हार गए। महिला टीम की सदस्यों दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद ने सेमीफाइनल में कोरिया को 5-1 से मात दी । अब उसका सामना स्वर्ण पदक के मुकाबले में रविवार को चीन से होगा ।

दस बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में हराया

महिला टीम ने लगातार तीन मैच जीत फाइनल में किया प्रवेश

पुरूष रिकर्व टीम में तरूणदीप रॉय, धीरज बोम्मादेवरा और यशदीप भोगे थे जिन्हें बांग्लादेश ने 6-2 से मात दी। भारतीय महिला टीम ने लगातार तीन मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया । चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने छह तीरों में से चार पर 10 स्कोर किया और सिर्फ दो अंक गंवाकर पहला सेट 58-55 से जीता। दूसरे सेट में मुकाबला 56-56 से बराबर रहा लेकिन भारत ने 3-1 की बढत बना ली ।

भारतीय महिलाओं ने 58-56 से मैच अपने नाम किया

मैच जीतने के लिये अब सिर्फ दो अंक की जरूरत थी और अगला सेट भारत ने 58- 56 से अपने नाम किया । लेकिन कोरिया ने यहां अनुभवहीन टीम भेजी है क्योंकि उसका फोकस चार महीने बाद जापान में होने वाले एशियाई खेलों पर है । कोरियाई टीम में दो नये चेहरे ली युंजी और ओ येजिन थे जबकि मौजूदा विश्व चैम्पियन कांग चाएयंग एकमात्र अनुभवी तीरंदाज थी ।

महिला टीम ने पहले दौर में उजबेकिस्तान को हराया

इससे पहले भारतीय महिला टीम ने उजबेकिस्तान को पहले दौर में 6-2 (53-56, 57-54, 55-54, 55-51) से हराया । क्वार्टर फाइनल में तनावपूर्ण शूटआफ में वियतनाम पर 5. 4 से जीत दर्ज की। पुरूष टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसने पहला सेट 52 . 55 से गंवाया ।

चौथा सेट बांग्लादेश ने 57-53 से जीता

दूसरे सेट में बांग्लादेश ने उसे 54-54 से बराबरी पर रोका । तीसरे सेट में दोनों टीमों का स्कोर 53 रहा । बांग्लादेश की तिकड़ी अब्दुर रहमान आलिफ, राम कृष्ण साहा और मोहम्मद मिशाद प्रधान ने चौथा सेट 57-53 से जीता ।

ईरान ने यूएई पर बैलेस्टिक मिसाइलें दागीं, ट्रंप ने कहा, अमेरिकी डिस्ट्रॉयर होर्मुज से गुजरे, ईरानी नावों को समुद्र में डुबाया

- अमेरिकी डिस्ट्रॉयर ने ईरानी हमलावरों को भारी नुकसान पहुंचाया
- हम ईरान परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे.
- ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमले बंद करें. टोल वसूलना बंद करे

एजेंसी

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया संकट बढ़ता ही जा रहा है. ईरान ने वअए सॉफ्ट टारगेट मानते हुअ फिर बैलेस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोन से हमले किये हैं. बता दें कि इससे पूर्व सोमवार को ईरान ने 15 मिसाइलों और ड्रोन से चार हमले किये थे. उस समय पीएम मोदी समेत दुनिया के कई नेता और देशों ने वअए पर ईरानी हमले की निंदा की थी. उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पोस्ट कर जानकारी दी कि कि तीन वर्ल्ड क्लास अमेरिकी डिस्ट्रॉयर सफलतापूर्वक ईरानी गोलीबारी के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे. किसी भी डिस्ट्रॉयर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है. लेकिन तीनों अमेरिकी डिस्ट्रॉयर ने ईरानी हमलावरों को भारी नुकसान पहुंचाया है. उनकी कई छोटी नावें तबाह हो गयी है. ट्रंप ने कहा कि इन नावों का इस्तेमाल उनकी (ईरान) पूरी तरह से खत्म हो चुकी नौसेना की जगह लेने के लिए किया जा रहा था. ट्रंप ने बताया कि उनकी नावें तेजी से समुद्र की गहराई में डूब गयी. कहा कि हमारे डिस्ट्रॉयर पर मिसाइलें दागी गयी, जिन्हें आसानी से मार गिराया गया. उनके ड्रोन हवा में ही जलकर राख हो गये हैं. अहम खबर यह है कि ट्रंप ने कहा कि हम ईरान परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे. कहा कि ईरान इस बात पर सहमत हो गया है,. अब यही देखना है कि क्या वे इस समझौते पर साइन करने को तैयार हैं? अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार ईरान ने तीन अमेरिकी नेवी डिस्ट्रॉयर वरर ट्रक्सटन, वरर राफेल पेराल्टा और वरर मेसन को निशाना बनाते हुए मिसाइल, ड्रोन और समुद्री नावों से हमला किया. लेकिन इन हमलों को नाकाम कर दिया गया. अमेरिकी सेना ने जवाबी कार्रवाई में ईरान के उन ठिकानों को निशाना बनाया, जहां से ये हमले किये जा रहे थे. एक और खबर है कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान के खिलाफ UNSC में नया प्रस्ताव लाया गया है. प्रस्ताव पेश करने वालों में वअए, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, बहरीन और अमेरिका शामिल है. प्रस्ताव में कहा गया है कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमले बंद करें. टोल वसूलना बंद करे. वहां लगी माइन्स को हटाये. या हटाने में सहयोग करे.

असम-बंगाल में बीजेपी की पॉवर का असर, बांग्लादेश ने सीमा पर बीजीबी को किया अलर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। नयी दिल्ली ने कहा कि वह ढाका से भारत से अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की वापसी के लिए सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाने की उम्मीद करती है। वहीं, बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि बांग्लादेश सीमा रक्षक बल (बीजीबी) को भारत से किसी भी संभावित घुसपैठ को रोकने के लिए सीमाओं पर सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर ढाका द्वारा अलर्ट जारी करने का यह कदम भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा बांग्लादेशी विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देने के कुछ घंटों बाद आया है। यह पश्चिम बंगाल और असम में विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद हुआ है। ये दोनों भारतीय राज्य बांग्लादेश की सीमा से लगते हैं, और अवैध अप्रवासन का मुद्दा हाल के चुनावों में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया था।

भारत में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों पर ढाका का बयान

5 मई को, विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा कि ढाका भारत की ओर से घुसपैठ की घटनाओं के खिलाफ उचित कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद अगर किसी भी तरह की घुसपैठ की घटना होती है, तो बांग्लादेश उचित कार्रवाई करेगा। घुसपैठ से रहमान का तात्पर्य उन खबरों से था जिनमें भारत में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस भेजा जा रहा था। ऐसी खबरें आई हैं कि कई राज्यों से अवैध प्रवासियों को पकड़ा गया और असम और त्रिपुरा से सीमा पार धकेल दिया गया, जहां विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा सत्ता में थी।

चीन में कृषि मंत्री के बाद अब दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को मिला मृत्युदंड, भ्रष्टाचारियों को कतई नहीं बख्शते चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग

एजेंसी

संघाई। चीन में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान ने एक बार फिर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। चीन की सैन्य अदालत ने पूर्व रक्षा मंत्रियों ली शांगफू और वेई फेंघे को रिश्वतखोरी और सत्ता के दुरुपयोग के मामलों में दो वर्ष की मोहलत के साथ मौत की सजा सुनाई है। यह फैसला चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के उस व्यापक अभियान का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत सेना, प्रशासन, न्याय व्यवस्था और सरकारी कंपनियों में फैले भ्रष्टाचार पर कठोर कार्रवाई की जा रही है। चीनी सरकारी समाचार संस्था शिन्हुआ के अनुसार दोनों पूर्व रक्षा मंत्रियों को आजीवन राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है और उनकी सारी निजी संपत्ति जब्त कर ली गई है। दो वर्ष की मोहलत वाली मौत की सजा का अर्थ यह है कि यदि दोषी जेल में अच्छा व्यवहार करते हैं तो उनकी सजा बाद में बिना पैरोल वाली उम्रकैद में बदली जा सकती है। चीन में यह व्यवस्था लंबे समय से लागू है और विशेष रूप से बड़े भ्रष्टाचार मामलों में इसका उपयोग किया जाता है।

हम आपको याद दिला दें कि ली शांगफू वर्ष 2023 में केवल सात महीने तक रक्षा मंत्री रहे थे। इससे पहले वह सेना के उपकरण खरीद विभाग के प्रमुख थे, जहां उनके पास विशाल सैन्य बजट और हथियार खरीद से जुड़ी संवेदनशील जिम्मेदारियां थीं। जांच में उन पर आरोप लगा कि उन्होंने नियुक्तियों और रक्षा सौदों में अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले भारी रिश्वत ली। वहीं उनके पूर्ववर्ती वेई फेंघे ने पांच वर्षों तक रक्षा मंत्री के रूप में काम किया और इससे पहले वह चीन की रॉकेट फोर्स के प्रमुख रह चुके थे, जो चीन के परमाणु हथियारों की जिम्मेदारी संभालती है। उन पर भी बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने और अधिकारियों की नियुक्तियों में पक्षपात करने के आरोप सिद्ध हुए। विशेषज्ञों का मानना है कि इन दोनों शीर्ष सैन्य नेताओं को इतनी कठोर सजा दिया जाना केवल भ्रष्टाचार विरोधी कदम नहीं, बल्कि सेना पर राजनीतिक नियंत्रण मजबूत करने की रणनीति भी है। पिछले कुछ वर्षों में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से जुड़े सौ से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को हटाया गया है या उनके खिलाफ जांच शुरू हुई है। इनमें कई अधिकारी अचानक सार्वजनिक जीवन से गायब हो गए और बाद में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले सामने आए।

हम आपको बता दें कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वर्ष 2012 में सत्ता संभालने के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान को अपनी राजनीति का मुख्य आधार बनाया। उन्होंने बार बार कहा कि भ्रष्टाचार कम्युनिस्ट पार्टी के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस अभियान के तहत मंत्री, सैन्य अधिकारी, न्यायपालिका से जुड़े लोग और सरकारी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी तक कार्रवाई की जद में आए हैं। चीन के सरकारी आंकड़ों के अनुसार लाखों अधिकारियों की जांच हो चुकी है और बड़ी संख्या में लोगों को सजा दी गई है। हाल के वर्षों में कई चर्चित मामलों ने चीन की सख्त न्याय व्यवस्था को दुनिया के सामने रखा है। वर्ष 2024 में भीतरी मंगोलिया के पूर्व अधिकारी ली जियानपिंग को 421 मिलियन डॉलर से अधिक के भ्रष्टाचार मामले में फांसी दे दी गई थी। इसे चीन के इतिहास का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार मामला बताया गया। इसी तरह सरकारी वित्तीय कंपनी के पूर्व अधिकारी बाई थ्येनहुई को 157 मिलियन डॉलर की रिश्वत लेने के मामले में मौत की सजा पर अमल करते हुए फांसी दी गई। कृषि मंत्री रह चुके तांग रेनजियान को भी लगभग 38 मिलियन डॉलर की रिश्वत लेने के मामले में दो वर्ष की मोहलत के साथ मौत की सजा सुनाई गई। जांच में सामने आया कि उन्होंने सरकारी परियोजनाओं, ठेकों और नियुक्तियों में अनुचित लाभ पहुंचाकर भारी संपत्ति अर्जित की। इसी तरह पूर्व न्याय मंत्री तांग यीचुन को उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव, उपचुनाव इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्ट जारी किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने सभी हितधारकों के लिए चुनाव से जुड़े डेटा की पारदर्शिता और आसानी से पहुंच को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव और अलग-अलग राज्यों में हुए उपचुनावों के लिए इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्ट जारी की है. रिपोर्ट एउक्छएळ पर प्रकाशित की गई हैं, जो चुनाव से जुड़ी सभी जानकारी और सेवाओं के लिए पोल पैनल का वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म है. चुनाव आयोग ने कहा कि, इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्ट उन सभी 830 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रकाशित की गई हैं, जिनमें चुनाव हुए थे. आयोग ने बताया कि, पश्चिम बंगाल के फाल्टा विधानसभा सीट के लिए 21 मई को दोबारा वोटिंग तय की गई है. इसमें कहा गया है कि विधानसभाओं के आम चुनावों और उपचुनावों के लिए इंडेक्स कार्ड्स चुनाव नतीजों की घोषणा के 72 घंटे के रिकॉर्ड समय के अंदर उपलब्ध करा दिए गए हैं.

यह बताया जा सकता है कि इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्ट का डिजिटल अपडेशन और तेजी से प्रकाशन, आयोग द्वारा पिछले एक साल में की गई 30 से ज्यादा पहलों में से एक है. एउक्छएळ के शुरू होने से पहले, इस प्रक्रिया में कई हफ्तों से लेकर महीनों तक का समय लगता था क्योंकि डेटा फील्ड अधिकारियों द्वारा मैन्युअल (हाथ से किया हुआ) तरीके से भरा जाता था. इंडेक्स कार्ड में कई तरह का डेटा होता है जैसे उम्मीदवार, निर्वाचक, डाले गए वोट, गिने गए वोट, पार्टी-वार और उम्मीदवार-वार डाले गए वोट वगैरह. पोल पैनल के मुताबिक, इन इंडेक्स कार्ड को दोनों प्लेटफॉर्म यानी ECINET ऐप और आधिकारिक निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है. चुनाव आयोग ने आम चुनावों के लिए एक साथ 14 सांख्यिकीय रिपोर्ट का एक सेट प्रकाशित किया है. यह पहली बार है कि सांख्यिकीय रिपोर्ट पोल के नतीजों की घोषणा के 72 घंटों के अंदर प्रकाशित की गई हैं. पोल पैनल ने कहा, सांख्यिकीय रिपोर्ट में कई तरह के वेरिएबल शामिल होते हैं, जैसे राज्य स्तर और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के हिसाब से वोटर की विवरण, पोलिंग स्टेशनों की संख्या, राज्य, विधानसभा सीट पर वोटर टर्नआउट, जेंडर के हिसाब से मतदान में हिस्सा, पार्टी के हिसाब से वोट शेयर, चुनाव क्षेत्र की डेटा समरी रिपोर्ट, चुनाव क्षेत्र के हिसाब से डिटेल्ड रिजल्ट और दूसरी डिटेल्स शामिल होते हैं.

'थलापति' का राजतिलक तय: कांग्रेस और वामपंथियों के साथ विजय ने जुटाया बहुमत, जल्द होगा नई सरकार का ऐलान!

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की सियासत में शुक्रवार का दिन एक बड़ा ऐतिहासिक उलटफेर देखने को मिला है। राज्य विधानसभा चुनाव 2026 में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी सुपरस्टार विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' अब राज्य में सरकार बनाने के बेहद करीब पहुँच गई है। शुरूआत में बहुमत से 10 सीट दूर रही टीवीके को अब कांग्रेस, सीपीआई सीपीएम और वीसीके का निर्णायक समर्थन मिल गया है। इस नए राजनीतिक समीकरण के साथ विजय के पास अब बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन हासिल हो चुका है, जिससे राज्य में दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के प्रभुत्व के बीच एक नए युग की शुरूआत होने जा रही है।

कांग्रेस और वामपंथी दलों के समर्थन से बदला गेम

चुनाव नतीजों के तुरंत बाद 5 विधायकों वाली कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देने का ऐलान किया था, जिससे विजय का आंकड़ा 113 तक पहुँच गया था। इसके बाद आज तमिलनाडु की राजनीति में उस वक्त बड़ा मोड़ आया जब डीएमके गठबंधन का हिस्सा रहे वामपंथी दलों और वीसीके ने भी थलपति विजय को समर्थन देने का फैसला किया। इन दलों के पास कुल 6 विधायक (प्रत्येक के पास 2-2 सीटें) हैं। इस समर्थन के बाद विजय के पक्ष में कुल विधायकों की संख्या 119 हो गई है, जो 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के जादुई आंकड़े 118 से एक अधिक है। बहुमत का आंकड़ा जुटाने के बाद थलपति विजय आज शाम करीब 4:30 बजे लोक भवन में राज्यपाल आर.एन. रवि से मुलाकात करेंगे। यह पिछले तीन दिनों में उनकी राज्यपाल के साथ तीसरी मुलाकात होगी। इससे पहले राज्यपाल ने विजय को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि सरकार बनाने का न्योता तभी दिया जाएगा जब वे 118 विधायकों के समर्थन का औपचारिक पत्र पेश करेंगे। आज शाम होने वाली इस बैठक में विजय अपने सहयोगी दलों के समर्थन पत्र राज्यपाल को सौंपेंगे, जिसके बाद राज्यपाल उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने और सरकार बनाने के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, नई सरकार में 'सीएम+2' (एक मुख्यमंत्री और दो उप-मुख्यमंत्री) का फॉर्मूला लागू किया जा सकता है। चर्चा है कि विजय अपनी कैबिनेट में क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन साधने के लिए एक दलित और एक महिला उप-मुख्यमंत्री बना सकते हैं।

एआई बताएगा टिकट कंफर्म होगा या नहीं, हाइटेक होगा रेलवे रिजर्वेशन सिस्टम

एजेंसी

RailOne ऐप फायदें क्या?
- आरक्षित टिकट बुक कर सकते हैं
- अनारक्षित टिकट खरीद सकते हैं
- प्लेटफॉर्म टिकट ले सकते हैं
- टिकट कैंसिल और रिफंड कर सकते हैं
- ट्रेन की लाइव लोकेशन देख सकते हैं
- प्लेटफॉर्म और कोच की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं
- Rail Madad के जरिए शिकायत दर्ज करा सकते हैं

नयी दिल्ली। रेलवे अपने करोड़ों यात्रियों को एक नई और अत्याधुनिक टिकट बुकिंग की सुविधा प्रदान करने जा रहा है. इसको रेलवे के द्वारा इस साल अगस्त से अपनी करीब 40 साल पुरानी पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को पूरी तरह बदलकर नया हाई-स्पीड आरक्षण प्लेटफॉर्म लागू करेगा. इस बारे में अधिकारियों ने कहा कि यह बदलाव से इंडियन रेलवे के टिकटिंग सिस्टम में अब तक की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति साबित होगा. इतना ही नहीं नई प्रणाली के माध्यम से टिकट बुकिंग की स्पीड, सिस्टम की विश्वसनीयता के अलावा साइबर सुरक्षा को काफी मजबूत बनाया जाएगा. रेलवे के मुताबिक मौजूदा पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम की शुरूआत साल 1986 में की गई थी. हालांकि पिछले चार दशकों में इसमें कई छोटे बदलाव किए गए, लेकिन अब इसको पूरी तरह आधुनिक तकनीक के साथ अपग्रेड किया जा रहा है. रेलवे ने अपने बयान में कहा, 1986 में शुरू हुई इस प्रणाली में पिछले 40 सालों में कई बदलाव हुए हैं. हालांकि, अब इसका पूरी तरह से रेनोवेशन कर दिया गया है और अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके इसकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है. इसी क्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्देश दिए कि नई प्रणाली में बदलाव के दौरान यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए. इस दौरान बैठक में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद थे. भारतीय रेलवे का फ्रेंडल्ली ऐप भी तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है. पिछले साल जुलाई में लॉन्च हुए इस ऐप को अब तक 3.5 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है.

रेल वन ऐप की खास सुविधा क्या?

RailOne ऐप की सबसे विशेष सुविधा इसका एआई आधारित टिकट कन्फर्मेशन प्रेडिक्शन सिस्टम है. रेलवे के मुताबिक, इस फीचर से यात्रियों को यह अनुमान लग जाता है कि वेटिंग टिकट के कन्फर्म होने की कितनी संभावना है. रेलवे का कहना है कि टिकट कन्फर्मेशन अनुमान की सटीकता जो पहले 53 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है. रेलवे अधिकारियों के अनुसार नई हाई-स्पीड आरक्षण प्रणाली लागू होने के बाद टिकट बुकिंग में होने वाली परेशानी काफी कम हो जाएंगी.

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी मामले में एमपी सरकार को फटकार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अब बहुत हुआ

नयी दिल्ली। कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मंत्री कुंवर विजय शाह पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर की. भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि मंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के अनुरोध पर फैसला दो हफ्ते पहले आना था. सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रक्ळ ने मामले की जांच की और उन पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार से मंजूरी मांगी है. सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मंत्री पर मुकदमा चलाने की मंजूरी पर फैसला अभी भी लंबित है. इस पर पीठ ने कहा, बस अब हमारे आदेश का पालन करें. बहुत हो गया. सबसे पहले माफी मांगनी चाहिए थी. यह तब हुआ जब हमने संज्ञान लिया. इसे चार हफ्ते बाद सूचीबद्ध करें. मेहता ने कहा कि शाह की बात शायद गलत समझी गई हो. उन्होंने कहा कि मंत्री ने जो कहा वह दुर्भाग्यपूर्ण था और शायद उनका इरादा महिला अधिकारी की तारीफ करना था. हालांकि, पीठ ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण नहीं था. यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था. मेहता ने कहा कि वह महिला की तारीफ करना चाहते थे लेकिन अपनी बात साफ नहीं कर पा रहे थे. हालांकि, पीठ इस बात से सहमत नहीं हुई.

जम्मू कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा के हाथ में आया टेलीकॉम कंट्रोल, केंद्र ने जारी किया आदेश

एजेंसी

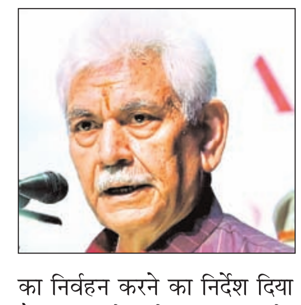

श्रीनगर। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) को पावर देने संबंधी बड़ा फैसला लिया है. खबर के मुताबिक, केंद्र की मोदी सरकार ने अब टेलीकॉम कंट्रोल का अधिकार भी एलजी को दे दिया है. जम्मू कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा इस आदेश के बाद केंद्र शासित प्रदेश में दूसंचार सेवा पर नियंत्रण कर सकेंगे. एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि, एलजी के पास सार्वजनिक सुरक्षा कार्यक्रम या राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में टेलीकॉम सर्विस रोकने, सिग्नल इंटरसेप्ट करने और मैसेज को डिक्रिप्ट (डेटा को समझने योग्य टेक्स्ट में बदलने की प्रक्रिया) करने की शक्ति होगी. गजट अधिसूचना में कहा गया है कि, संविधान के अनुच्छेद 239 के खंड (1) का हवाला देते हुए, राष्ट्रपति ने एलजी को दूरसंचार अधिनियम 2023 (2023 का 44) की धारा 20 की उप-धारा (2) के तहत शक्तियों का प्रयोग करने और राज्य सरकार के कार्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया है. यह लेफ्टिनेंट गवर्नर के अधिकार को सार्वजनिक सुरक्षा या राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में दूरसंचार सेवाओं को नियंत्रित करने, रोकने या निलंबित करने की अनुमति देता है. गजट अधिसूचना में आगे यह भी कहा गया है कि, ₹संविधान के अनुच्छेद 239 के खंड (1) के अनुसरण में, राष्ट्रपति इसके द्वारा निर्देश देते हैं कि जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक (चाहे लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में जाना जाता है) राष्ट्रपति के नियंत्रण के अधीन होंगे. साथ ही अगले आदेश तक, दूरसंचार अधिनियम 2023 (2023 का 44) की धारा 20 की उप-धारा (2) के तहत राज्य सरकार की शक्तियों का प्रयोग और कार्यों का निर्वहन करेंगे.

संक्षिप्त खबर

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने विधानसभा भंग की, ममता बनर्जी अब पूर्व मुख्यमंत्री कहलायेंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की विधानसभा का कार्यकाल आज 7 मई को खत्म होते ही राज्यपाल आरएन रवि द्वारा पूरी कैबिनेट भंग कर दिये जाने की खबर है. इस प्रक्रिया के साथ ही ममता बनर्जी अब मुख्यमंत्री नहीं हैं. यह फैसला संवैधानिक प्रक्रिया के तहत लिया गया है. कोलकाता गजट में जारी नोटिफिकेशन के अनुसार राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी है, यह फैसला 7 मई 2026 से लागू हो गया है. गजट नोटिफिकेशन के अनुसार राज्यपाल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174 (2)(b) के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग किया है. नोटिफिकेशन पर बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला के भी हस्ताक्षर हैं. विधानसभा भंग होने के साथ ही बंगाल में 15 साल से चला आ रहा टीएमसी के शासन का खात्मा हो गया है. भारतीय संविधान का यह अनुच्छेद राज्यपाल को राज्य की विधानसभा को भंग करने की सबसे बड़ी ताकत देता है. इस अनुच्छेद के तहत राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह पर या सरकार के बहुमत खोने की स्थिति में विधानसभा को भंग कर नये चुनाव कराने या नयी सरकार का रास्ता साफ कर सकते हैं. राज्यपाल श्री रवि का यह फैसला इसलिए आया है कि ममता बनर्जी चुनाव में हारने के बावजूद इस्तीफा देने को तैयार नहीं थी. अब विधानसभा भंग होते ही वे मुख्यमंत्री नहीं रहीं. पश्चिम बंगाल में जब तक नयी सरकार शपथ नहीं ले लेती, तब तक राज्य का प्रशासन राजभवन की देखरेख में रहेगा. खबर है कि गृह मंत्री अमित शाह आज गुरुवार रात 10 :30 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंच रहे हैं.

जम्मू कश्मीर में आया भूकंप, लोग घरों से बाहर निकले

जम्मू : जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पर्वतीय जिले में सुबह 9.57 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए. भूकंप का केंद्र सतह से 10 किलोमीटर नीचे, 33.289 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.739 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था. भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है. लेकिन भूकंप के झटके महसूस करने के बाद लोग घरों से बाहर आ गए. हालांकि प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है. विशेषज्ञों के मुताबिक यह इलाका भूकंप के मद्देनजर काफी संवेदनशील है. इस वजह से नियमित निगरानी के साथ ही सतर्कता बरतना जरूरी है. बता दें कि बीते कुछ महीनों में जम्मू कश्मीर के अलावा लद्दाख में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं. इसी वर्ष 25 फरवरी को लेह में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था. इसके अलावा 10 मार्च को पुंछ में हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. साथ ही 18 अप्रैल को श्रीनगर और आसपास के क्षेत्र में 3.0-3.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. वहीं भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा है कि यह क्षेत्र भूकंप के लिहाज से सक्रिय है, इसलिए नियमित निगरानी, सतर्कता और सुरक्षा उपाय जरूरी हैं.

पोन्नैयार जल विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को ट्रिब्यूनल बनाने के लिए 6 महीने का समय दिया

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र को पोन्नैयार नदी को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद पर फैसला सुनाने के लिए एक अंतरराज्यीय जल न्यायाधिकरण (इंटर-स्टेट वॉटर ट्रिब्यूनल) बनाने के अपने 2 फरवरी, 2026 के फैसले का पालन करने के लिए छह महीने का समय दिया. यह मामला जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच के सामने आया. पोन्नैयार एक अंतरराज्यीय नदी है. कर्नाटक ऊपरी नदी वाला राज्य है और तमिलनाडु निचला नदी वाला राज्य है. एडवोकेट निशांत पाटिल ने सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक सरकार का प्रतिनिधित्व किया. सुनवाई के दौरान, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सरकार इस मामले में तेजी से कदम उठा रही है. बेंच ने ट्रिब्यूनल बनाने के लिए छह महीने का समय मांगने वाली केंद्र की अर्जी मंजूर कर ली. केंद्र ने अपनी अर्जी में कहा कि जल शक्ति मंत्रालय ने इस कोर्ट के निर्देशों का पालन करने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं, क्योंकि अंतर-मंत्रालयी सलाह-मशविरा पूरा हो चुका है. केंद्र ने कहा कि कानूनी और प्रक्रियात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए ठीक-ठाक समय चाहिए. केंद्र ने कहा, आवेदक इस कोर्ट के निर्देशों का जल्द से जल्द पालन पक्का करने की पूरी कोशिश कर रहा है. पालन में देरी न तो जानबूझकर की गई है और न ही जानबूझकर, बल्कि यह उसके नियंत्रण से बाहर के हालात की वजह से हुई है. इसमें कहा गया है कि अलग-अलग मंत्रालयों के विचारों और टिप्पणियों को शामिल करने के बाद, कैबिनेट नोट के मसौदे को जल शक्ति मंत्री ने मंजूरी दे दी है.

कूनो से रणथंभौर पहुंचे चीते को किया ट्रेंकुलाइज, मध्यप्रदेश रवाना

सवाईमाधोपुर: मध्यप्रदेश के कूनो अभयारण्य से भटककर रणथंभौर नेशनल पार्क पहुंचा चीता केपी2 आखिरकार अपने घर लौट गया. वन विभाग की लगातार निगरानी के बाद शुक्रवार को कूनो अभयारण्य की टीम ने रणथंभौर के फलोदी रेंज स्थित काला कुआं क्षेत्र में चीते को सफलतापूर्वक ट्रेंकुलाइज किया. बाद में कूनो की टीम चीते को लेकर मध्यप्रदेश के लिए रवाना हो गई. अब कूनो पहुंचने के बाद चीते को उसके प्राकृतिक आवास में रिलीज कर दिया जाएगा. रणथंभौर के डीएफओ मानस सिंह ने बताया कि करीब 23 दिन पूर्व मध्यप्रदेश के कूनो अभयारण्य से भटककर चीता KP2 रणथंभौर नेशनल पार्क में आ पहुंचा था. इसके बाद चीता रणथंभौर नेशनल पार्क में ही विचरण कर रहा था. चीते के यहां पहुंचने के बाद से ही वन विभाग की टीम लगातार उसकी मॉनिटरिंग में जुटी हुई थी. डीएफओ ने बताया कि शुक्रवार को मध्यप्रदेश की कूनो टीम ने रणथंभौर नेशनल पार्क के फलोदी रेंज स्थित काला कुआं क्षेत्र से चीते को सफलतापूर्वक ट्रेंकुलाइज कर लिया और मध्यप्रदेश के लिए भेज दिया. उन्होंने बताया कि ट्रेंकुलाइज की पूरी कार्रवाई वन विभाग के अधिकारियों एवं विशेषज्ञ टीम की मौजूदगी में सुरक्षित और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार की गई. डीएफओ ने बताया कि करीब 23 दिन पूर्व रणथंभौर पहुंचे चीते की मॉनिटरिंग के साथ-साथ उसकी गतिविधियों पर वन विभाग नजर रख रहा था. आज चीते को अनुभवी चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों की देखरेख में ट्रेंकुलाइज किया गया. स्वास्थ्य जांच के बाद कूनो की टीम चीते को लेकर कूनो के लिए रवाना हुई. कूनो अभयारण्य पहुंचने के बाद चीते को रिलीज किया जाएगा. ग्रामीण भरत लाल ने बताया कि चीते का कैलाशपुरी के नजदीक अमरूदों के बगीचे में मूवमेंट ज्यादा देखा गया था. यहां सप्ताहभर से चीते का मूवमेंट रहा.

पश्चिम बंगाल में रिलीज होगी द बंगाल फाइल्स...

मुंबई। विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' आखिरकार पश्चिम बंगाल में रिलीज हो रही है। भाजपा की बड़ी जीत के कुछ दिन बाद यह फिल्म राज्य में स्क्रीन पर आने जा रही है। इससे पहले फिल्म को अनौपचारिक रूप से रोक दिया गया था। अब अगले शुक्रवार यानी 15 मई को रिलीज होगी। 'द बंगाल फाइल्स' विभाजन से पहले बंगाल में हुए सांप्रदायिक हिंसा पर आधारित है। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती और अनुपम खेर जैसे कलाकार हैं। रिलीज से पहले यह फिल्म राजनीतिक विवादों में घिरी रही। निर्देशक ने आरोप लगाया था कि राज्य सरकार ने फिल्म को बंगाल में दिखाने की अनुमति नहीं दी।

लाइफ Style

साई
एक दिन को ना कहने वाली थीं

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'एक दिन' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। इस फिल्म में वो आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं।

फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म छह दिनों में कोई खास कमाई नहीं कर पाई है। वहीं, क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई हैं। अब साई पल्लवी ने खुद बताया कि क्यों उन्होंने 'एक दिन' के लिए हां कहा और स्क्रिप्ट में उन्हें क्या चीज पसंद आई। आमिर खान टॉकीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साई पल्लवी और जुनैद खान का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें दोनों कलाकार अपनी फिल्म 'एक दिन' के बारे में बातचीत कर रहे हैं।

इस दौरान जब जुनैद ने साई से 'एक दिन' को हां करने के फैसले के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा यकीन था कि वह यह फिल्म नहीं करेंगी, क्योंकि वह कई भाषाओं में बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म का पैमाना मुझे प्रभावित नहीं करता। उस समय तक मैंने कई गंभीर फिल्में की थीं और मैं कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थी। ऐसी फिल्म जिसमें मुझे शूटिंग के दौरान और बाद में भी ज्यादा तनाव न झेलना पड़े। इसलिए जब स्क्रिप्ट आई, तो मुझे लगा कि यह हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' जैसी होगी।

हॉलीवुड मसाला

हैरी पॉटर... के दूसरे पार्ट की घोषणा

लॉस एंजिल्स। 'हैरी पॉटर' फिल्मों को पसंद करने वाले दुनिया भर में मौजूद है, खासकर बच्चों के बीच इस फ्रैंचाइज की फिल्में काफी पॉपुलर हैं। ऐसे में सीरीज के तौर पर 'हैटी पॉटर' का पहला सीजन जल्द ही आने वाला था। लेकिन, फर्स्ट सीजन के आने से पहले ही इसके दूसरे सीजन की भी घोषणा हो गई है। मेकर्स ने सीरीज 'हैरी पॉटर' के दूसरे सीजन में की कहानी और शूटिंग से जुड़ी जानकारी साझा की है। राइटर जे.के. रोलिंग की सात किताबों को 'हैरी पॉटर' के अलग-अलग सीजन के तौर पर बनाया जाएगा।

देसी गर्ल रीसेट में ऑरलैंडो के साथ आएंगी नजर...

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। हाल ही में उनकी एक सीरीज 'सिटाडेल 2' रिलीज हुई। डायरेक्टर राजामौली की मेगा बजट दक्षिण भारतीय फिल्म वाराणसी भी वह कर रही हैं। अब उनके हाथ एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट और लगा है। इस फिल्म का नाम रीसेट है। यह एक सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म होने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ ऑरलैंडो ब्लूम को कास्ट किया गया है। प्रियंका चोपड़ा ने भी इस खबर को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और इस पर एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने रिएक्ट किया। फिल्म रीसेट की शूटिंग को लेकर भी अपडेट सामने आया है। इस फिल्म की शूटिंग अगस्त महीने में शुरू हो सकती है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म में एक्टिंग करने के साथ इसे प्रोड्यूस भी करेंगी।

बॉबी की फिल्म बंदर का टीजर रिलीज...

मुंबई। अनुराग कश्यप और बॉबी देओल की आगामी फिल्म 'बंदर' का टीजर गुरुवार को जारी हो गया है। फिल्म को वैश्विक स्तर पर काफी सराहना मिली है और फिल्म फेस्टिवल्स में भी फिल्म की तारीफ हुई है। अब लंबे इंतजार के बाद फिल्म भारत में सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। 1 मिनट 29 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत बॉबी देओल के एक लाइव परफॉर्मेंस से होती है। जहां वो गाना गाते और परफॉर्म करते नजर आते हैं। इसके बाद बॉबी देओल को अचानक जेल हो जाती है और उनका एक अलग अंदाज देखने को मिलता है। छोटे से टीजर में फिल्म की बाकी कास्ट की भी झलक देखने को मिलती है, जिसमें सान्या मल्होत्रा और सबा आजाद जैसे नाम शामिल हैं। फिल्म को असल घटनाओं से प्रेरित बताया गया है।

कर्तव्य में पुलिस अधिकारी का निभा रहे रोल

मुंबई। सैफ अली खान की नई क्राइम ड्रामा फिल्म 'कर्तव्य' का धांसू ट्रेलर गुरुवार को जारी कर दिया गया है। ट्रेलर में टेंशन और नैतिक उलझनों से भरी दुनिया दिखाई गई है। इसमें सैफ अली खान के अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, मनीष चौधरी और सौरभ द्विवेदी जैसे शानदार कलाकार हैं। यह एक क्राइम ड्रामा फिल्म है। फिल्म में सैफ अली खान एक पुलिस अधिकारी पवन का रोल निभा रहे हैं। पवन अपने फर्ज और परिवार के बीच फंसा हुआ है। सैफ अली खान पुलिस अधिकारी पवन की भूमिका में हैं। ड्यूटी के दौरान एक पत्रकार उनकी निगरानी में गोली लगकर मर जाता है। इसके बाद पवन जांच के घेरे में आ जाता है। सीनियर अधिकारियों का दबाव बढ़ता जाता है और पवन हमलावर को पकड़ने के चक्कर में फंसता चला जाता है।

टीवी मसाला

दूरदर्शन पर रामायण से ज्यादा कल्ट था ये माइथोलॉजिकल शो

नई दिल्ली। एक समय हुआ करता था कि देशभर में सिर्फ और सिर्फ पौराणिक कहानी वाले टीवी शोज का क्रेज देखने को मिलता था। इस मामले में दूरदर्शन टीवी चैनल मनोरंजन का मुख्य साधन माना जाता था। रामानंद सागर की रामायण ने डीडी नेशनल पर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। माइथोलॉजिकल शोज का अपना एक अलग क्रेज रहा है। आज भी दूरदर्शन पर पौराणिक कहानी दर्शाने वाले धारावाहिकों का जिक्र किया जाता है,

गवर्नर में देश के सबसे बड़े आर्थिक संकट की कहानी लेकर आ रहे मनोज

मुंबई। मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म गवर्नर का टीजर गुरुवार को रिलीज किया गया है। यह फिल्म 1990 के दशक के भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट पर आधारित है। मनोज बाजपेयी ने फिल्म में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर की भूमिका निभाई है। उनका किरदार आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर एस. वेंकटरमणन के जीवन से प्रेरित है।मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर 'द साइलेंट सेवियर गवर्नर' का पोस्टर सामने आने के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। अब मेकर्स ने इसका दमदार टीजर भी जारी कर दिया है, जो बेहद दिलचस्प मालूम पड़ता है। फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है और 1990 के दशक में भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट (इकोनॉमिक मेल्टडाउन) की कहानी को सामने लाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी पहली बार आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे। टीजर में 1990 के समय की कहानी को दिखाया गया है, जब

देश पर आर्थिक संकट आया था। उसके बाद कैसे एक आरबीआई गवर्नर ने एक साइलेंट सेवियर की भूमिका निभाते हुए देश को इस आर्थिक संकट से उबारा था।टीजर में मनोज बाजपेयी के अलावा अदा शर्मा और फिल्म की बाकी कास्ट की भी हल्की सी झलक देखने को मिलती है। मनोज बाजपेयी की गवर्नर 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित 'गवर्नर' को मराठी सिनेमा के पावर-परफॉर्मर चिन्मय मांडलेकर ने निर्देशित किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ अदा शर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है। फिल्म में जावेद अख्तर के गीत और अमित त्रिवेदी का संगीत है।

'सरके चुनर' गाने में किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था कोई इरादा : नोरा

नई दिल्ली। मार्च 2026 में रिलीज हुए अभिनेत्री नोरा फतेही के गाना 'सरके चुनर' पर जमकर विवाद हुआ था। अब गुरुवार को इस मामले में एक्ट्रेस राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुईं। यहां उन्होंने मीडिया से बात कर अपनी सफाई दी। राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यालय से बाहर निकलते हुए नोरा ने मीडिया से बात कर मामले पर अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा, 'यह बस एक ऐसी स्थिति थी जिसमें मुझे डाल दिया गया और मेरा किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। एक कलाकार होने के नाते मुझे अपनी जिम्मेदारी निभानी ही होगी।

मैंने माफी मांग ली है और सब कुछ लिखित में दे दिया है। वो लोग बहुत ही दयालु और मददगार हैं।' आगे नोरा ने कहा, 'समाज से मिले प्यार को वापस करना हमारी जिम्मेदारी है इसलिए मैंने फैसला किया है कि मैं कुछ अनाथ लड़कियों की शिक्षा का खर्च उठाऊंगी। इस मामले के बाद यही हमारा लक्ष्य है।' फिल्म 'केडीः द डेविल' का गाना 'सरके चुनर' मार्च में रिलीज किया गया था। रिलीज के बाद दर्शकों ने इसकी काफी आलोचना की। इसके हिंदी गाने के बोल और विजुअल्स दोनों ही अश्लील और आपत्तिजनक लगे थे जिसके बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर हंगामा हुआ था। बाद में मेकर्स ने माफी मांगते हुए गाने को सभी प्लेटफॉर्म्स से हटा लिया गया। साथ ही अभिनेत्री नोरा फतेही और अभिनेता संजय दत्त पर महिला आयोग ने कड़ा रूख अपनाया था।

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.